RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

श्री 1008 महामंडलेश्वर
श्री स्वामी रामानंद दासजी महाराज
श्री रामानंद दास अन्नक्षेत्र सेवा ट्रस्ट, तपोवन आश्रम

स्व. पं. पू.1008 श्री रामानन्द जी
तपोवन मंदिर, मोरा गांव, सूरत

वर्ष-12 अंक:53 ता. 15 अगस्त 2023, मंगलवार, कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

देशभक्ति के रंग में रंगी सीमा हैदर, पीएम मोदी की मुहिम का हिस्सा बन घर पर फहराया तिरंगा झंडा

नोएडा। पबजी वाले प्यार के लिए तीन देशों की सीमाएं लांघकर पाकिस्तान से भारत आई सीमा हैदर भारत के 77वें स्वतंत्रता दिवस से पहले पूरी तरह देभशक्ति के रंग में रंगी नजर आई। सीमा हैदर और उसके चारों बच्चों ने रविवार को रबुपूरा में स्थित प्रेमी सचिन मीणा के घर पर तिरंगा फहराया और राष्ट्रगान गाकर भारत माता की जय के नारे भी लगाए। इस दौरान उन सभी के गले में तिरंगा रंग के पटके भी थे, तो वहीं, सीमा हैदर ने तिरंगे रंग से सजी साड़ी पहन रखी थी और माथे पर माता की चुनरी बांध कर भगवा शॉल भी ओढ़ रखा था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अपील पर रविवार से हर घर तिरंगा अभियान की शुरुआत हुई है, जो 15 अगस्त तक चलेगा।

मई महीने में प्रेमी सचिन के पास भारत आई सीमा

गौरतलब है कि, पाकिस्तान के कराची की रहने वाली 30 वर्षीय सीमा हैदर की साल 2020 में भारत के ग्रेटर नोएडा के रबूपुरा में रहने वाले युवक सचिन मीणा (22) की ऑनलाइन पबजी गेम खेलने के दौरान दोस्ती हो गई थी। दोनों की यह दोस्ती धीरे-धीरे प्यार में बदल गई। जब प्यार परवान चढ़ा तो दोनों ने मिलने का फैसला लिया, लेकिन उनका मिलना इतना आसान नहीं था। अपनी इस मुलाकात के लिए उन्होंने पड़ोसी देश नेपाल को चुना। मार्च 2023 में पहली बार दोनों नेपाल में मिले थे और एक हफ्ते तक होटल में साथ रहे। इसके बाद मई महीने में सीमा अपने चार बच्चों के साथ दुबई और नेपाल के रास्ते भारत आई तथा प्रेमी सचिन के साथ रहने लगी।

बता दें कि, प्रधानमंत्री मोदी ने 77वें स्वतंत्रता दिवस समारोह के मद्देनजर रविवार को लोगों से हर घर तिरंगा अभियान के तहत अपने सोशल मीडिया अकाउंट की डिस्प्ले पिक्चर (डीपी) में तिरंगे की तस्वीर लगाने का आग्रह किया। मोदी ने अपने सभी सोशल मीडिया अकाउंट की डीपी में भी राष्ट्रीय ध्वज की तस्वीर लगाई है। इसका अनुसरण करते हुए कई केंद्रीय मंत्रियों और मुख्यमंत्रियों समेत भाजपा नेताओं ने अपनी डीपी में तिरंगे की तस्वीर लगाई है। प्रधानमंत्री ने शुक्रवार को लोगों से 13 से 15 अगस्त के बीच हर घर तिरंगा आंदोलन में हिस्सा लेने का आह्वान किया था।

इंडिया के खिलाफ बीजेपी सरकार ने बनाया मंत्रियों का ई-ग्रुप

कोई आक्रामक तो कोई नारा गढ़ने में माहिर

नई दिल्ली। केंद्र की सत्ताधारी पार्टी बीजेपी ने अगले साल होने वाले लोकसभा चुनावों में विपक्षी गठबंधन ढ्ढहृष्ठद्ध की काट के लिए एक सशक्त समूह (श्वद्वश्चश्व2द्दह्म्द्गस्न ह्लड्डह्यद्म) का गठन किया है, जिसमें कई केंद्रीय मंत्री और पार्टी नेता शामिल हैं। यह ई-ग्रुप 2024 की लड़ाई में प्रमुख मुद्दों पर पार्टी के लिए संचार रणनीति तैयार करेगा। इसकी जानकारी बीजेपी सूत्रों ने दी है। सूत्रों के मुताबिक पिछले कुछ महीनों में अस्तित्व में आए इस समूह का गठन विपक्ष के दुष्प्रचार का मुकाबला करने के लिए किया गया था। इस ग्रुप में केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर और बीजेपी के राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी अनिल बलूनी शामिल हैं। ठाकुर और बलूनी दोनों, जो क्रमशः सरकार और पार्टी की ओर से संचार योजना का मसौदा तैयार

करते हैं, समूह के समन्वयक बनाए गए हैं। ये दोनों नेता यह सुनिश्चित करेंगे कि सरकार और संगठन दोनों के दृष्टिकोण और संचार रणनीति में तालमेल रहे।

ET की एक रिपोर्ट के मुताबिक, इस समूह में केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान, उनके कैबिनेट सहयोगी स्मृति ईरानी, राजीव चंद्रशेखर, जितेंद्र सिंह के अलावा बीजेपी महासचिव विनोद तावड़े, पार्टी उपाध्यक्ष बैजयंत पांडा और पूर्व केंद्रीय मंत्री रविशंकर प्रसाद को भी शामिल किया गया है। ई-ग्रुप में इन नेताओं को उनकी विशेषज्ञता के लिए शामिल किया गया है। धर्मेंद्र प्रधान को जहां लगभग एक दर्जन राज्यों के चुनाव प्रबंधन का अनुभव है, वहीं पूर्व केंद्रीय मंत्री रविशंकर प्रसाद को संचार कौशल के लिए जाना जाता है। प्रसाद पार्टी के पुराने जानकार हैं और उन्हें अभी भी भाजपा के विचारों को सामने रखने और विपक्ष के तर्कों पर हमला करने के लिए सर्वश्रेष्ठ लोगों में से एक के रूप में देखा जाता है।

स्मृति ईरानी को उनकी भाषा पर मजबूत पकड़, अभिव्यक्ति कौशल और विपक्ष पर उनकी आक्रामकता की वजह से इस टीम में शामिल किया गया है, जबकि चंद्रशेखर की तकनीकी समझ सोशल मीडिया के इस युग में काम आ सकती है। यह समूह दैनिक मुद्दों के आधार पर राजनीतिक चर्चा करता रहा है। ग्रुप अब विपक्ष का मुकाबला करने के लिए पार्टी की प्रतिक्रिया पर विचार-मंथन करेगा और मसौदा तैयार करेगा और अपने विरोधियों से मुकाबला करने के लिए पार्टी द्वारा उठाए जाने वाले मुद्दों पर भी चर्चा करेगा।

झारखंड के लातेहार में बीजेपी नेता की हत्या के बाद बवाल

उग्र भीड़ ने स्कॉर्पियो फूंकी; रोड जाम

लातेहार। झारखंड के लातेहार में कोल व्यवसायी सह बीजेपी नेता राजेंद्र प्रसाद साहू की हत्या के बाद बवाल हो गया। नाराज भीड़ ने एक मकान में तोड़फोड़ की और घर के बाहर खड़ी स्कॉर्पियो गाड़ी को आग के हवाले कर दिया। इलाके में भारी तनाव है। दरअसल, शनिवार को गोलीबारी में घायल बीजेपी नेता राजेंद्र साहू की रांची में इलाज के दौरान मौत हो गई। अज्ञात अपराधियों ने उनको 5 गोलियां मारी थीं। जैसे ही राजेंद्र साहू के मौत की जानकारी लातेहार के बालूमाथ पहुंची लोग इकट्ठा होने लगे। सड़क पर उतरी भीड़ अपराधियों के शीघ्र गिरफ्तारी की मांग कर रही थी।

शनिवार को अपराधियों ने की थी फायरिंग

कोल व्यवसायी सह बीजेपी नेता राजेंद्र प्रसाद साहू पर शनिवार को हमला हुआ था। अज्ञात अपराधियों ने उनपर फायरिंग की जिसमें उन्हें पांच गोलियां लगी। गोली लगने के बाद गंभीर रूप से घायल राजेंद्र साहू को स्थानीय लोगों ने बालूमाथ अस्पताल पहुंचाया जहां प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें रांची रेफर कर दिया गया। रांची के एक निजी अस्पताल में उनका इलाज चल रहा था। शनिवार को भी स्थानीय लोगों में हमले को लेकर नाराजगी थी और बड़ी संख्या में सड़क पर उतरकर लोगों ने विरोध प्रदर्शन किया था।

पिछले साल भी अपराधियों ने किया था हमला

गौरतलब है कि राजेंद्र साहू पर पिछले साल भी हमला हुआ था। हालांकि, तब उनका सुरक्षा गार्ड उनके साथ था इसलिए अपराधी अपने मंसूबे में कामयाब नहीं हो सके थे। लेकिन इस शनिवार अपराधियों ने दोबारा हमला किया। राजेंद्र साहू की पहचान लातेहार में बड़े कोल व्यवसायी के रूप में है। इधर, हत्याकांड के विरोध में लोगों ने रांची-चतरा मुख्य मार्ग को बालूमाथ के पास जाम कर दिया है।

सावन के छठे सोमवार पर महाकाल से लेकर काशी विश्वनाथ तक

मंदिरों में उमड़ा भक्तों का सैलाब

नई दिल्ली। सावन का छठा सोमवार है। इस मौके पर देशभर के शिवालयों और मंदिरों में बड़ी संख्या में भक्त पहुंचे हैं।

महाकाल की भस्म आरती में शामिल हुए भक्त

मध्य प्रदेश के उज्जैन स्थित महाकालेश्व मंदिर में भगवान महाकाल की भस्म आरती की गई। इसमें बड़ी संख्या में भक्त शामिल हुए। भगवान महाकाल के दर्शन के लिए आज बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के उज्जैन पहुंचने की संभावना है।

प्रजा का हाल जानने निकलेंगे महाकाल

भगवान महाकाल आज प्रजा का हाल जानने भी निकलेंगे। वे

भक्तों को एक साथ छह रुपों में दर्शन देंगे। चांदी की पालकी में अवंतिकानाथ, हाथी पर मनमहेश, डोल रथ पर होलकर, गरुण रथ पर शिवतांडवर, घटाटोप और नंदी पर उमा महेश के दर्शन होंगे। सवारी के दौरान देशभक्ति के रंग भी देखने को मिलेंगे। पालकी को तीन रंग से सजाया जाएगा और सवारी मार्ग पर हर घर में तिरंगा फहराया जाएगा।

काशी विश्वनाथ-बाबा बैद्यनाथ धाम में भी जुटे श्रद्धालु

उत्तर प्रदेश के वाराणसी जिले में स्थित काशी विश्वनाथ मंदिर और झारखंड के देवघर में स्थित बाबा बैद्यनाथ धाम में बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे हैं। वे अपनी बारी का इंतजार करते हुए लाइन में खड़े हैं। उत्तर प्रदेश के मेरठ में औघड़नाथ मंदिर में भी भक्तों ने पूजा-अर्चना की।

योगी आदित्यनाथ ने किया रुद्राभिषेक-उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखनाथ मंदिर परिसर में भगवान शिव का रुद्राभिषेक करने के बाद हवन किया। इस दौरान उन्होंने प्रदेश और देशवासियों के कल्याण की कामना की।

मप्र का 53वां जिला बना मऊगंज, कलेक्टर-एसपी की हुई पदस्थापना

भोपाल। रीवा जिले से अलग हुआ मऊगंज अब मध्य प्रदेश का 53वां जिला बन गया है। राजस्व विभाग ने रविवार को जिला गठन का भी आदेश जारी कर दिया है। इसके साथ ही नवगठित मऊगंज जिले में कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक की पदस्थापना भी कर दी है। इस संबंध में राज्य शासन ने रविवार को आदेश जारी किया है। सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा जारी आदेश के मुताबिक, भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के अधिकारी अजय श्रीवास्तव को नवगठित मऊगंज जिले का पहला कलेक्टर बनाया गया है। अभी वे मंत्रालय में आदिवासी विकास विभाग के अपर आयुक्त, मध्य प्रदेश अनुसूचित जनजाति वित्त एवं विकास निगम भोपाल के प्रबंध संचालक का दायित्व संभाल रहे हैं।

वहीं, नवगठित जिले के पहले पुलिस अधीक्षक भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) के 1998 बैंच के अधिकारी वीरेंद्र कुमार जैन होंगे। गृह विभाग ने उनकी पदस्थापना के आदेश जारी किए हैं। अभी वे छिंदवाड़ा में आठवीं वाहिनी विसबल में सेनानी का दायित्व निभा रहे हैं। राज्य शासन ने सोनिया मीना को जिला मऊगंज कलेक्टर पदस्थ करने का रविवार को ही जारी आदेश

राज्य शासन ने निरस्त कर दिया है। दरअसल, रविवार शाम को सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा आदेश जारी कर आदिम जाति क्षेत्रीय विकास योजनाएं विभाग में संचालक, अनुसूचित जाति वित्त एवं विकास निगम भोपाल में प्रबंध संचालक और मध्यप्रदेश रोजगार एवं प्रशिक्षण परिषद में प्रबंध संचालक सोनिया मीणा को नवगठित मऊगंज जिले का पहला कलेक्टर पदस्थ किया था, लेकिन देर रात इस आदेश को निरस्त कर दिया गया है और उनकी जगह अजय श्रीवास्तव को नवगठित मऊगंज जिले का कलेक्टर नियुक्त किया है।

विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस

पीएम बोले- आज उन्हें याद करने का दिन, जिनका जीवन बंटवारे की बलि चढ़ गया

नई दिल्ली। आजादी का अमृत महोत्सव कार्यक्रमों के तहत आज यानी 14 अगस्त को विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस मनाया जा रहा है। 14 अगस्त 1947 को देश के बंटवारे के दौरान विस्थापन का दर्द झेलने वाले लोगों की याद में ये दिन मनाया जाता है। इस मौके पर पीएम मोदी ने ट्वीट किया कि विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस उन भारतवासियों को श्रद्धापूर्वक स्मरण करने का अवसर है, जिनका जीवन देश के बंटवारे की बलि चढ़ गया। यह दिन उन लोगों के कष्ट और संघर्ष की भी याद दिलाता है, जिन्हें विस्थापन का दंश झेलने को मजबूर होना पड़ा। ऐसे सभी लोगों को मेरा शत-शत नमन। भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी

नड्डा 'विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस पर नई दिल्ली के NDMC कन्वेंशन सेंटर में आयोजित कार्यक्रम को शाम 5 बजे संबोधित करेंगे। कार्यक्रम में विस्थापित परिवारों को बुलाया जाएगा और त्रासदी में प्राण गंवाने वाले लोगों को श्रद्धांजलि दी जाएगी।

देश के सभी जिलों में होंगे कार्यक्रम

इसके तहत देश के सभी जिलों में विभाजन में जान गंवाने वाले लोगों को श्रद्धांजलि देने के कार्यक्रम होंगे। इसमें विभाजन की त्रासदी झेलने वाले परिवारों को भी आमंत्रित किया जाएगा। विभाजन से संबंधित डॉक्यूमेंट्री फिल्में भी दिखाई जाएंगी।

सभी जिलों की विभाजन से जुड़ी यादों और लिखित दस्तावेजों को प्रदर्शनी के जरिए दिखाया जाएगा। इसके अलावा भारत-पाकिस्तान के बंटवारे से जुड़ी किताबों को प्रदर्शनी के जरिए आम लोगों तक पहुंचाया जाएगा।

नई पीढ़ी को बताई जाएगी बंटवारे की कहानी-भाजपा ने अपनी राष्ट्रीय और राज्य इकाइयों को इस दिन प्रोग्राम करने की जिम्मेदारी दी है। कार्यकर्ताओं को उन परिवारों से मिलना है जिन्होंने त्रासदी में अपनों को खोया है। सोशल मीडिया पर अपनी यादें भी साझा करनी हैं। नई पीढ़ी को देश के बंटवारे के बाद लोगों को होने वाली पीड़ा के बारे में बताया जाएगा। इसके लिए विभाजन की तस्वीरें सोशल मीडिया पर साझा भी की जाएंगी।

दो साल पहले PM ने किया था ऐलान

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2021 में घोषणा की थी कि हर साल 14 अगस्त को विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस के तौर पर मनाया जाएगा।

हिमाचल में आसमान से बरस रही आफत; सोलन में बादल फटने से 7 लोगों की मौत, 3 लापता

सोलन। हिमाचल प्रदेश में एक बार फिर आसमान से बारिश के साथ आफत बरसी है। प्रदेश के कई इलाकों में जोरदार बारिश हो रही है। सोलन जिले में बादल फटने और लैंडस्लाइड की घटना से सात लोगों की मौत हो गई है, जबकि 3 लापता हैं। सोलन जिले के कंडाघाट उपमंडल की ममलीग उप-तहसील के जादोन गांव में दर्दनाक हादसा हुआ। देर रात डेढ़ बजे बादल फटने से दो घर और एक गौशाला बह गई। बीते दिन से हो रही भारी बारिश के कारण पंचायत सायरी के जादोन गांव में रति राम और इसके बेटे हरनाम के 2 मकान भूस्खलन के कारण क्षतिग्रस्त हो गए। हरनाम का मकान पूरी तरह से नष्ट हो गया है। घटना के वक्त हरनाम के घर में 4 व्यक्ति थे और रति राम के मकान में 9 लोग सो रहे थे। 5 व्यक्तियों को स्थानीय लोगों और पुलिस ने जिंदा निकाल लिया। लेकिन 7 लोगों की मौत हो गई। 3 अब भी लापता बताए जा रहे हैं।

रेस्क्यू टीम को हादसे वाली जगह तक पहुंचने के लिए काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। चारों तरफ सड़कें बंद हो गई हैं। लोक निर्माण विभाग ने सड़क की मरम्मत के लिए जेसीबी लगाकर काम शुरू किया है। ग्राम पंचायत जड़ाना के अन्तर्गत ईश्वर सिंह का मकान भी क्षति ग्रस्त हो गया है, जिसके सदस्य सुरक्षित घर से बाहर निकल गए हैं। कंडाघाट के SDM सिद्धांत आचार्य ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि मलबे में दबे हुए लोगों को रेस्क्यू किया गया है। वहीं, अबतक 7 शवों को निकाला जा चुका है। मौके पर पुलिस और स्ष्ठक्रस्न की टीम मौजूद है।

हिमाचल प्रदेश में मानसून का प्रकोप जारी है। सूबे के कई इलाकों में जोरदार बारिश हो रही है। सोलन जिले में बादल फटने और लैंडस्लाइड की घटना सामने आई है। सोलन जिला के कंडाघाट उपमंडल की ममलीग उप-तहसील के जादोन गांव में देर रात डेढ़ बजे बादल फटने से दो घर और एक गौशाला बह गई। इस हादसे में 7 लोगों को मौत हो गई। अभी तक सात शवों को निकाला गया है।

बीते दिन से हो रही भारी बारिश के कारण पंचायत सायरी के जादोन गांव में रति राम व इसके बेटे हरनाम के दो मकान भूस्खलन के कारण क्षतिग्रस्त हो गए जिसमें हरनाम का मकान पूरी तरह से नष्ट हो गया है। घटना के वक्त हरनाम के घर में 4 व्यक्ति थे और रति राम के मकान में 9 लोग सो रहे थे। जिसमे से 5 व्यक्तियों को जिन्दा और 7 व्यक्तियों के शव गांव वालों और पुलिस की मदद से निकाले जा चुके हैं।

हादसे वाली जगह तक पहुंचने के लिए चारों तरफ से रोड़ बंद है। लोक निर्माण विभाग द्वारा रोड़ खोलने और स्थानीय ग्राम पंचायत उप-प्रधान द्वारा अपनी जेसीबी लगाकर रोड खोलने का कार्य शुरु कर दिया है। ग्राम पंचायत जड़ाना के अन्तर्गत ईश्वर सिंह का मकान भी क्षति ग्रस्त हो गया है जिसके सदस्य सुरक्षित घर से बाहर निकल गये हैं।

कंडाघाट के स्ष्ठरू सिद्धांत आचार्य ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि मलबे में दबे हुए लोगों को रेस्क्यू किया गया है। वहीं, अबतक 7 शवों को निकाला जा चुका है। मौके पर पुलिस और स्ष्ठक्रस्न की टीम मौजूद है।

भूस्खलन से शिमला चंडीगढ़ नेशनल हाईवे ब्लॉक

भारी बारिश और भूस्खालन के चलते चंडीगढ़ शिमला नेशनल हाईवे-5 फिर से बंद हो गया है। चक्की मोड़ पर भी फिर से पहाड़ से मलबा आ गिरा। सबसे परेशान वाली बात ये है कि नेशनल हाईवे से डायवर्ट किए गए संपर्क मार्ग भी भूस्खलन के कारण बंद हो गए हैं। संपर्क मार्गों पर वाहन फंसे हुए हैं। शिमला और चंडीगढ़ का संपर्क अब पूरी तरह से टूट गया है। लगातार 4 दिनों से से हो रही बारिश की वजह से नेशनल हाईवे को बार बार खोलना और बंद करना पड़ रहा है। चंडीगढ़ से वाया कसौली जंगेशु मार्ग भी बंद होने से लोगों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। इसके अलावा चंडीगढ़ से वाया बद्दी हो कर सोलन और शिमला जाने का विकल्प भी खत्म हो गया है क्योंकि वहां भी पुल टूट गया है।

सात मील में फटा बादल, चंडीगढ़ मनाली नेशनल हाईवे पूरी तरह से बंद

मंडी जिला में बीती रात से भारी बारिश ही रही है। चंडीगढ़ मनाली नेशनल हाईवे पूरी तरह से बंद है और वैकल्पिक मार्ग भी बंद हैं। सात मील के पास नाले में भारी बारिश के कारण भारी मात्रा में मलबा आया है जो हाईवे पर खड़ी बड़ी गाड़ियों को नुकसान कर गया है। कई गाड़ियां इससे क्षतिग्रस्त हो गई हैं।

देश के विभाजन और हिंसा के लिए नेहरू, और जिन्ना जिम्मेदार : भाजपा

नई दिल्ली । 14 अगस्त के दिन को पूरे देश में विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस के तौर पर याद किया जा रहा है। भाजपा ने 1947 में हुए देश के विभाजन और हुई हिंसा को याद कर भारत के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू, मुस्लिम लीग और उसके नेता मोहम्मद अली जिन्ना, तत्कालीन वायसराय लॉर्ड माउंटबेटन के साथ-साथ वामपंथियों और रजाकारों पर भी निशाना साधा है। भाजपा ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर वीडियो जारी कर 1947 में विभाजन के दौरान हुए हिंसा के हालात को दिखाते हुए इसमें नेहरू, जिन्ना, लॉर्ड माउंटबेटन और लेडी माउंटबेटन की तस्वीरों को दिखाते हुए कई सवाल उठाए हैं। भाजपा ने लिखा है, किसने खींची ये लकीरें? किसने लहू की नदियां बहाई ? कल तक था जो आंगन हमारा, किसने वहां सरहद बनाई? 14 अगस्त 1947 का वहां दिन, जब भारत की सदियों पुरानी संस्कृति को चंद लोगों ने कागज पर लकीरें खींच कर बांट दिया और इस त्रासदी ने देश की आत्मा को रक्तरंजित कर दिया। भाजपा ने विभाजन के दौरान हुई हिंसा, उन्माद और नृशंसता की भेंट चढ़, अपने मान-सम्मान और प्राण की आहुति देने वाली प्रत्येक पुण्यात्मा को शत् शत् नमन भी किया है। वहीं भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने भी एक्स (पहले ट्विटर) पर कहा, 1947 का वह काला दिवस जब हमारा राष्ट्र दो टुकड़ों में बंट गया। लाखों लोग बेघर हुए, हिंसा का तांडव चरम पर था, विस्थापन का दंश झेलने को देशवासी विवश थे! यह दिवस उस अकथनीय विभीषिका को स्मरण करने का दिवस है।

मथुरा में बांके बिहारी मंदिर की जमीन...कब्रिस्तान के लिए कैसे दर्ज हुई

–इलाहाबाद हाईकोर्ट ने राजस्व अधिकारी को 17 अगस्त को बुलाया

प्रयागराज । यूपी के मथुरा के प्रसिद्ध बांके बिहारी मंदिर के नाम दर्ज जमीन को राजस्व अभिलेखों में पहले कब्रिस्तान फिर पुरानी आबादी दर्ज कर दिया गया हैं। अब मामले को इलाहाबाद हाईकोर्ट ने गंभीरता से लेकर अदालत ने तहसीलदार छाता को 17 अगस्त को स्पष्टीकरण के साथ बुलाया है। इलाहाबाद कोर्ट ने पूछा है कि शाहपुर गांव के प्लाट 1081 की स्थिति राजस्व अधिकारी द्वारा समय-समय पर क्यों बदली गई? याचिका श्री बिहारी जी सेवा ट्रस्ट की ओर से दाखिल किया गया है। बता दें कि प्राचीन काल से ही गाटा संख्या 1081 बांके बिहारी महाराज के नाम से दर्ज था। भोला खान पठान ने राजस्व अधिकारियों की मिली भगत से 1994 में उक्त भूमि को कब्रिस्तान दर्ज करा लिया। जानकारी होने पर मंदिर ट्रस्ट ने मामले में आपत्ति दाखिल की। प्रकरण वक्फ बोर्ड तक पहुंचा और फिर 7 सदस्यीय टीम ने जांच में पाया कि कब्रिस्तान गलत दर्ज किया गया है। इसके बावजूद जमीन पर बिहारी जी का नाम नहीं दर्ज किया गया, जिस पर यह याचिका दायर की गई है। मामले की सुनवाई जस्टिस सौरभ श्रीवास्तव की सिंगल बेंच में हुई। हाईकोर्ट में 17 अगस्त को मामले की अगली सुनवाई होगी। दायर याचिका में बताया गया है कि छाता (मथुरा) के बांके बिहारी मंदिर की जमीन को गलत तरीके से कब्रिस्तान के नाम दर्ज कर दिया गया।

ठाणे के अस्पताल मे 24 घंटे में 18 लोगों की मौत से हड़कंप

ठाणे। महाराष्ट्र के ठाणे के छत्रपति शिवाजी अस्पताल में 24 घंटे में 18 से ज्यादा मरीजों की मौत होने से हड़कंप मच गया है। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने मौतों की जानकारी लेने के लिए अधिकारियों के दल को रवाना किया है। अधिकारियों द्वारा जांच की जा रही है। एक ही दिन में इतनी बड़ी संख्या में मरीजों की मौत होने से हड़कंप मचा हुआ है। अस्पताल के डीन राकेश बारोट का कहना है कि सभी मौतों की वजह अलग-अलग है। सिर में चोट, एक्सीडेंट, जहर, और सर्पदंश के कारण मौतें हुई हैं। मरने वाले कई मरीज काफी बुजुर्ग थे। जिन्हें गंभीर अवस्था में अस्पताल में भर्ती कराया गया था। डीन के अनुसार सभी मौतें स्वाभाविक कारणों से हुई हैं। इसमें चिंता करने जैसी कोई बात नहीं है।

स्वतंत्रता दिवस पर महाराष्ट्र में 186 कैदी जेलों से होंगे रिहा

मुंबई। भारतीय स्वतंत्रता के अमृत महोत्सव के अवसर पर केंद्र सरकार ने जेलों में अच्छा आचरण करने वाले और मापदंड के अनुरूप पात्र कैदियों को विशेष माफी देने का निर्देश दिया है। इसके मुताबिक, आज मंगलवार को स्वतंत्रता दिवस पर महाराष्ट्र में 186 कैदियों को जेल से रिहा किया जाएगा. मिली जानकारी के अनुसार भारतीय स्वतंत्रता के अमृत महोत्सव के अवसर पर केंद्र सरकार ने उन कैदियों को विशेष माफी देने का निर्देश दिया है जिनका आचरण अच्छा है और जो मानदंड के अनुसार पात्र हैं। लिहाजा, राज्य के 186 कैदी आज जेल से रिहा किये जायेंगे. इन कैदियों की पात्रता की जांच के लिए गृह विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव की अध्यक्षता में एक समिति नियुक्त की गई थी। इस समिति द्वारा तीन चरणों में 581 कैदियों की रिहाई के लिए दिये गये प्रस्ताव को राज्यपाल ने मंजूरी दे दी है. तदनुसार, पहले चरण में, 15 अगस्त, 2022 को 206 कैदियों को रिहा किया गया और दूसरे चरण में, 26 जनवरी, 2023 को 189 कैदियों को जेल से रिहा किया गया। तीसरे चरण में 15 अगस्त को 186 कैदियों को जेल से रिहा किया जाएगा. माफी योजना का उद्देश्य कैदियों के बीच अनुशासन लाना है। राज्य कारागार विभाग के अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक अमिताभ गुप्ता ने रिहा किये गये कैदियों से आपराधिक जीवन छोड़कर देश का जिम्मेदार नागरिक बनने की अपील की.

बम विस्फोट को लेकर झूठी खबर देने वाला धराया, 5 महीने में किया था 79 फोन

मुंबई। मुंबई पुलिस की क्राइम ब्रांच ने एक शख्स को गिरफ्तार किया है जिसने बम विस्फोट को लेकर झूठी फोन कॉल की थी. इस शख्स को कल तड़के मुंबई हवाईअड्डे के पास पुलिस ने गिरफ्तार किया. गिरफ्तार शख्स का नाम रुखसार अहमद है और वो मुंबई के मलाड के मालवानी इलाके का रहने वाला है. उस पर आरोप है कि पिछले 5 महीनों में 79 बार फोन कॉल कर बम होने की उसने झूठी सूचना दी थी. इसने ये कॉल देश भर में की थी, क्राइम ब्रांच उससे आगे की पूछताछ कर रही है. एक पुलिस अधिकारी ने कहा कि साल 2018 में रुखसार पर दिल्ली पुलिस ने फर्जी कॉल करने के इसी तरह के मामले में मामला दर्ज किया था. बताया गया है कि रुखसार ने शनिवार को मुंबई पुलिस कंट्रोल रूम में कॉल की थी. उसने कॉल कर कहा कि बिग बॉस ने मुंबई में एक जगह पर 100 किलोग्राम का विस्फोटक रखा है, जो शहर को उड़ा देगा. इसके अलावा उसने एक अन्य कॉल में दावा किया था कि अंबानी पर उनका बकाया है. आपको बता दें कि इस तरह की कॉल बार-बार पुलिस कंट्रोल रूम को की जा रही थीं. पुलिस इस बात की जांच करेगी कि क्या उसकी मानसिक स्थिति ठीक है. एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी के अनुसार कॉल पर दी गई हर धमकी को गंभीरता से लिया जाता था. इसके साथ इसकी सत्यता की जांच की जाती थी. ताजा कॉल को मालवानी में ट्रैक किया गया था. इसके बाद जब उसका पीछा किया गया तो मुंबई क्राइम ब्रांच ने उसे मुंबई हवाई अड्डे के पास गिरफ्तार कर लिया. इसके बाद उसे हिरासत में लेकर मालवानी पुलिस को सौंप दिया गया क्योंकि एफआईआर उसी थाने में दर्ज की गई थी.

किसी ने ओवैसी के सरकारी बंगले का शीशा तोड़ा, जांच शुरू

नई दिल्ली । ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के मुखिया असदुद्दीन ओवैसी के सरकारी बंगले के केयर टेकर ने शिकायत की कि रविवार शाम किसी ने ओवैसी के घर का शीशा तोड़ दिया है। इसके बाद मौके पर पुलिस पहुंची और जांच पड़ताल की। डीसीपी नई दिल्ली के मुताबिक, अभी मामले की जांच कर रहे हैं। पुलिस के मुताबिक, रविवार शाम किसी ने 34 अशोका रोड स्थित असदुद्दीन ओवैसी के घर के गेट का शीशा तोड़ दिया। पीसीआर को मिली कॉल के बाद मौके पर डीसीपी, एसीपी और एसएचओ पहुंचे। ओवैसी के बंगले के सर्वेंट रोहित ने बताया कि जब कुत्ता अंदर से भौंकने लगा तो मैंने बाहर जाकर देखा। देखने पर पता चला कि खिड़की का शीशा टूटा हुआ है। रोहित ने इसके बाद आसपास काफी सर्च किया लेकिन कोई दिखाई नहीं दिया। गौरतलब है ?कि पहले भी कई मौकों पर असदुद्दीन ओवैसी के घर पर हमले के मामले सामने आते रहे हैं। कुछ महीने पहले उनके घर पर हुई पत्थरबाजी में खिड़कियों के शीशे तोड़े दिए थे।

खड़गे ने मोदी पर साधा निशाना, मणिपुर पर कुछ नहीं बोले तो लाए अविश्वास प्रस्ताव

–140 करोड़ लोगों के नेता ने राहुल गांधी के एक भी प्रश्न का नहीं दिया जवाब

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने पीएम मोदी पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि 140 करोड़ लोगों के नेता ने सदन में राहुल गांधी के एक भी प्रश्न का उत्तर नहीं दिया, यह बहुत ही हैरान करने वाली बात है। खड़गे ने रविवार को छत्तीसगढ़ में जांजगीर-चांपा जिले में एक रैली को संबोधित करते हुए कहा कि पीएम ने मणिपुर की घटना पर जुबान ही बंद कर ली, इसलिए हम सदन में अविश्वास प्रस्ताव लाए। खरगे ने मणिपुर की घटना का जिक्र करते हुए कहा कि हम चाहते थे कि प्रधानमंत्री मोदी मणिपुर के बारे में कुछ बोलें, इसलिए मजबूरी में लोकसभा में अविश्वास प्रस्ताव लेकर आए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राहुल गांधी और आईएनडीआईए नेताओं के सवालों का जवाब नहीं दिया। अपने भाषण के दौरान कांग्रेस पार्टी को दोषी ठहराते रहे और नेताओं का मजाक उड़ाते रहे। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि राहुल गांधी खुद मणिपुर जाकर आएं। लोगों से मिले, महिलाओं से मिले, बच्चों से मिले, लेकिन हम प्रधानमंत्री के मुंह से मणिपुर के बारे में सुनना चाहते थे। वे कहते हैं कि वे 140 करोड़ लोगों के नेता हैं, हम चाहते थे कि प्रधानमंत्री राज्यसभा में बोलें, लेकिन प्रधानमंत्री ने कुछ नहीं कहा।

कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि पीएम ने हमारे 26 दल के गठबंधन इंडिया के सवालों का जवाब नहीं दिया। उसके बदले उन्होंने कांग्रेस को गाली दी। खरगे ने कहा कि राजीव गांधी के बाद गांधी परिवार का कोई भी सदस्य प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री या मंत्री नहीं बना। गांधी परिवार ने कभी सत्ता के लिए लड़ाई नहीं लड़ी, क्योंकि वे सिर्फ देश की सेवा करना चाहते हैं। बता दें कि छत्तीसगढ़ में इस साल विधानसभा चुनाव होने हैं। राज्य में कांग्रेस की सरकार है।

इससे पहले कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर निशाना साधते हुए उन पर मणिपुर में हिंसा को लेकर संसद में हाल में हुई चर्चा के दौरान इस पूर्वोत्तर राज्य की समस्या का समाधान नहीं करने का आरोप लगाया। राहुल गांधी ने अपनी लोकसभा सदस्यता बहाल होने के बाद वायनाड की अपनी पहली यात्रा के दौरान उनके स्वागत के लिए कलपेट्टा में कांग्रेस के नेतृत्व वाले संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) द्वारा आयोजित एक सभा को संबोधित भी किया।

बीजेपी ने अजित के द्वारा शरद पवार को दिए दो बड़े ऑफर...महाराष्ट्र में भूचाल लाने की तैयारी

मुंबई । महाराष्ट्र में कुछ दिन पहले एनसीपी नेता अजित पवार ने अपने समर्थक विधायकों से साथ बीजेपी से हाथ मिलाया था।इसके बाद पवार सहित उनके नौ विधायकों ने महाराष्ट्र सरकार में मंत्री पद की शपथ ली। अजित गुट को अपने साथ मिलाने के बाद बीजेपी को लगा कि एनसीपी सुप्रीमो शरद पवार भी उनके साथ आ जाएंगे। लेकिन पवार ने बीजेपी के साथ जाने से मना कर दिया। इसके बाद अब बीजेपी ने नई चाल चली है। इसके मुताबिक बीजेपी ने शरद पवार को दो बड़े पदों का ऑफर किया है। ये दोनों ऑफर अजित के द्वारा शरद पवार को दिए गए हैं। बीजेपी के कदम से महाराष्ट्र और देश की सियासत में भूचाल आने की आशंका है। पुणे में अजित और शरद पवार के बीच जो मुलाकात एक उद्योगपति के घर के हुई। असल में अजित बैठक में शरद पवार को बीजेपी के ऑफर बताने के लिए गए थे। यह दावा महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री और सीनियर कांग्रेस नेता पृथ्वीराज चव्हाण किया है। रिपोर्ट के मुताबिक चव्हाण ने बीजेपी द्वारा शरद पवार को दिए गए ऑफर के बारे में खुलकर बात की है। शरद को बीजेपी ने केंद्रीय कृषि मंत्री और नीति आयोग के चेयरमैन पद का ऑफर दिया है। चव्हाण ने कहा, जहां तक मेरी जानकारी है, शरद पवार ने अजित द्वारा दिए गए इस प्रस्ताव को अस्वीकार कर दिया है। पुणे में उद्योगपति अतुल चोरडिया के आवास पर हुई बैठक में शरद पवार को यह ऑफर दिया गया। उस वक्त जयंत पाटिल भी वहां मौजूद थे। अजित पवार ने कुछ विधायकों के साथ एनसीपी में बगावत कर दी थी। इसके बाद भी अजित ने शरद पवार से संवाद बनाए रखा है। शनिवार शाम को शरद और अजित की मुलाकात हुई, यह तीसरी बैठक थी। बताया जा रहा है कि यह पुणे दौरा मौजूदा मीटिंग का हिस्सा है। कांग्रेस नेता चव्हाण ने दावा किया कि जयंत पाटिल और सांसद सुप्रिया सुले को भी केंद्र की सत्ता में शामिल करने का ऑफर दिया गया है।

कर्नाटक: बीजेपी नेता का दावा, लोकसभा चुनाव से पहले गिर जाएगी कांग्रेस सरकार, 25 विधायक छोड़ने को तैयार

नई दिल्ली (एजेंसी)। भाजपा विधायक बसनगौड़ा पाटिल यतनाल ने सोमवार (14 अगस्त) को दावा किया कि कर्नाटक में सिद्धारमैया के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार 2024 के लोकसभा चुनाव से पहले गिर जाएगी। इसके साथ ही उन्होंने दावा किया कि सत्तारूढ़ दल के लगभग 25 विधायक पद छोड़ने के लिए तैयार हैं। बीजापुर (विजयपुरा) शहर से विधायक यतनाल ने उम्मीद जताई कि भाजपा एक बार फिर सत्ता में लौटेगी। आपको बता दें कि हाल में संपन्न कर्नाटक विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की बंपर जीत हुई थी। इस जीत में कांग्रेस ने एक बार फिर से सिद्धारमैया को राज्य की जिम्मेदारी सौंपी। हालांकि, मुख्यमंत्री पद को लेकर डीके शिवकुमार भी अपनी दावेदारी पेश कर रहे थे।

सरकार गठन के बाद कई बार उनकी नाराजगी की खबरे आ चुकी हैं। इसके अलावा दावा यह भी किया जाता है कि कई विधायक भी नाराज हैं। यही कारण है कि भाजपा लगातार सरकार गिरने का दावा करती है। पूर्व केंद्रीय मंत्री ने एक भीड़ को संबोधित करते हुए कहा, 'कांग्रेस जो कहती है कि उसे 135 सीटें मिली हैं, उसे नींद नहीं आ रही है; अगर 30 लोग बाहर चले गए, तो सरकार गिर जाएगी। 25 लोग तैयार हैं। कुछ मंत्री ऐसा व्यवहार कर रहे हैं जैसे उन्हें सारी शक्तियां मिल गई हैं और वे अधिकारियों को हटा रहे हैं या स्थानांतरित कर रहे हैं।'

उन्होंने आरोप लगाया कि मुस्लिम अधिकारियों को विजयपुरा में तैनात किया जा रहा है, और पूछा, 'मुसलमानों को लाकर आप क्या कर सकते हैं? मैं एक विधायक हूं और उन्हें मेरी बात माननी चाहिए... अगर कोई अधिकारी हिंदुओं पर अत्याचार करने के लिए कोई नाटक करता है... हम जनवरी में वापस आएंगे। आप गारंटी दीजिए...मार्च तक का समय है। आप लोकसभा (चुनाव) से पहले बाहर हो जाएंगे।' भाजपा नेता ने बसवराज रायरेड्डी जैसे वरिष्ठ कांग्रेस विधायकों द्वारा की गई टिप्पणियों की ओर इशारा किया, जिन्होंने कर्नाटक को 'भ्रष्ट राज्य' बनने के बारे में नाराजगी व्यक्त की थी, और हाल ही में विधायक दल की बैठक के दौरान मंत्रियों के कामकाज के संबंध में असंतोष व्यक्त किया था।

फिर निकलेगी ब्रजमंडल यात्रा, सरकार से की हिंदुओं को हथियार देने की मांग

–विहिप, बजरंग दल ने हिंदुओं की महापंचायत में लिया निर्णय, 28 अगस्त से शुरु होगी यात्रा

गुरुग्राम (एजेंसी)। नूंह में एक बार फिर तनाव की स्थिति बन रही है। यहां विहिप व बजरंग दल ने फिर से ब्रजमंडल यात्रा निकालने का ऐलान कर दिया है। साथ ही सरकार से हिंदुओं के लिए कई मांगें भी रखी हैं। बता दें कि 31 जुलाई को ब्रजमंडल यात्रा पर हमले के बाद नूंह में भड़की हिंसा की आग भले ही अब बुझ गई हो, लेकिन तनाव का धुआं अब भी बरकरार है। विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल ने 28 अगस्त से यात्रा को फिर से निकालने का ऐलान कर दिया है। रविवार को पलवल जिले में हुई हिंदुओं की महापंचायत में कई अहम फैसले लिए गए तो सरकार के सामने भी कई मांग रखने का फैसला किया गया है। इनमें हिंदुओं को हथियार दिए जाने से लेकर नूंह जिले को भंग कर दिए जाने तक की मांग भी शामिल है। पलवल के गांव पोंडरी में नूंह हिंसा के विरोध में आयोजित की गई सर्वजातीय हिंदू महापंचायत में हजारों लोग जुटे। विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल के नेता भी इसमें शामिल हुए। महापंचायत में 51 सदस्यीय कमेटी ने हिंसा को लेकर पुलिस प्रशासन पर लापरवाही के आरोप लगाए। साथ ही सरकार के सामने कई तरह की मांग भी रखी गई। लोगों ने कहा कि आत्मरक्षा के लिए नूंह, पलवल और आसपास के इलाकों में हिंदुओं को हथियारों के लाइसेंस दिए जाएं। इसके साथ ही नूंह में सुरक्षा बल की एक बटालियन की तैनाती की मांग भी रखी गई। इस दौरान बजरंग दल के नेता कुलभूषण भारद्वाज ने कहा कि हम चाहते हैं कि आत्मरक्षा के लिए नूंह में हर हिंदू परिवार को हथियार का लाइसेंस दिया जाए। हिंसा के दौरान कई परिवारों और श्रद्धालुओं को बहुत नुकसान हुआ है। हिंसा करने वालों की प्रॉपर्टी बेचकर वसूली की जाए और पीड़ितों की मदद की जाए। महापंचायत ने नूंह जिले को खत्म करके इसे गुरुग्राम और पलवल के साथ जोड़ देने की मांग भी की। 51 सदस्यों की कमिटी ने कहा कि नूंह-मेवात इलाके को गो-हत्या और गो-तस्करी से मुक्त किया जाए। गो-तस्करी को सभी झगड़ों की जड़ बताते हुए कहा कि सरकार को हर हाल में इस पर रोक लगानी होगी।

संजय राउत का दावा, वाराणसी से प्रियंका उतरीं तो पीएम मोदी की हार पक्की

मुंबई (एजेंसी)। यदि वाराणसी से प्रियंका गांधी को टिकिट दिया गया तो पीएम मोदी की हार पक्की है, कुछ इस तरह का दावा उद्धव ठाकरे गुट के सांसद संजय राउत कर रहे हैं। उन्होंने कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी को लेकर कहा कि अगर प्रियंका गांधी पीएम मोदी के खिलाफ वाराणसी से लोकसभा चुनाव लड़ती हैं, तो उनकी जीत तय है। दरअसल, पीएम मोदी वाराणसी से 2014 से सांसद हैं। इतना ही नहीं संजय राउत ने न सिर्फ वाराणसी से प्रियंका गांधी की जीत की भविष्यवाणी की, बल्कि अमेठी-रायबरेली में भी लोकसभा चुनाव में बीजेपी के लिए कड़ा मुकाबला बताया। संजय राउत का ये बयान ऐसे वक्त पर आया, जब एक दिन पहले ही प्रियंका गांधी के पति रॉबर्ट वाड्रा ने अपनी पत्नी की तारीफ करते हुए कहा है कि उनमें एक सांसद होने की सारी योग्यताएं हैं। रॉबर्ट वाड्रा ने कहा कि प्रियंका गांधी को संसद में होना चाहिए वह बहुत अच्छा काम करेंगी। उन्होंने आगे कहा, अगर वो संसद जाती हैं तो मुझे खुशी होगी। माना जा रहा है कि प्रियंका गांधी अगला लोकसभा चुनाव लड़ सकती हैं। उन्होंने हिमाचल प्रदेश और कर्नाटक में प्रियंका गांधी ने चुनाव प्रचार का नेतृत्व किया था, दोनों ही राज्यों में कांग्रेस को जीत मिली।

बताया जा रहा है कि प्रियंका गांधी जल्द ही बड़ी भूमिका में नजर आ सकती हैं। इससे पहले उन्हें यूपी का प्रभारी बनाया गया था। हालांकि, राज्य में मिली हार के बाद उन्होंने हिमाचल और कर्नाटक का रुख किया। सूत्रों की मानें तो अभी कई विकल्पों पर विचार चल रहा है, जिसमें प्रियंका को महासचिव या कार्यकारी अध्यक्ष नियुक्त करने की भी संभावना है। हालांकि प्रियंका गांधी पहले से ही चुनावी राज्य तेलंगाना और मध्य प्रदेश में कांग्रेस के अभियानों की अगुवाई कर रही हैं। इसलिए चुनाव प्रभारी महासचिव के रूप में उनके लिए एक नई भूमिका भी तय की जा सकती है।

पीएम मोदी की मुहिम का हिस्सा बनी सीमा हैदर, घर पर फहराया तिरंगा

ग्रेटर नोएडा (एजेंसी)। पाकिस्तान से आई सीमा हैदर भी पीएम मोदी के हर घर तिरंगा अभियान का हिस्सा बन गई है। सीमा ने अपने घर पर भी तिरंगा लहराकर अपनी देशभक्ति का प्रदर्शन किया है। बता दें कि पबजी वाले प्यार के लिए तीन देशों की सीमाएं लांघकर पाकिस्तान से भारत आई सीमा हैदर भारत के 77वें स्वतंत्रता दिवस से पहले पूरी तरह देशभक्ति के रंग में रंगी नजर आई। सीमा हैदर और उसके चारों बच्चों ने रबुपूरा में स्थित प्रेमी सचिन मीणा के घर पर तिरंगा फहराया और राष्ट्रगान गाकर भारत माता की जय के नारे भी लगाए। इस दौरान उन सभी के गले में तिरंगा रंग के पटके भी थे, तो वहीं, सीमा हैदर ने तिरंगे रंग से सजी साड़ी पहन रखी थी और माथे पर माता की चुनरी बांध कर भगवा शॉल भी ओढ़ रखा था। गौरतलब है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अपील पर रविवार से हर घर तिरंगा अभियान की शुरुआत हुई है, यह अभियान 15 अगस्त तक चलेगा। दर असल पाकिस्तान के कराची की रहने वाली 30 वर्षीय सीमा हैदर की साल 2020 में भारत के ग्रेटर नोएडा के रबूपुरा में रहने वाले युवक सचिन मीणा (22) की ऑनलाइन पबजी गेम खेलने के दौरान दोस्ती हो गई थी। दोनों की यह दोस्ती धीरे-धीरे प्यार में बदल गई। जब प्यार परवान चढ़ा तो दोनों ने मिलने का फैसला लिया, मार्च 2023 में पहली बार दोनों नेपाल में मिले थे और एक हफ्ते तक होटल में साथ रहे। इसके बाद मई महीने में सीमा अपने चार बच्चों के साथ दुबई और नेपाल के रास्ते भारत आई तथा प्रेमी सचिन के साथ रहने लगी।

बता दें कि, प्रधानमंत्री मोदी ने 77वें स्वतंत्रता दिवस समारोह के मद्देनजर रविवार को लोगों से हर घर तिरंगा अभियान के तहत अपने सोशल मीडिया अकाउंट की डिस्प्ले पिक्चर (डीपी) में तिरंगे की तस्वीर लगाने का आग्रह किया। मोदी ने अपने सभी सोशल मीडिया अकाउंट की डीपी में भी राष्ट्रीय ध्वज की तस्वीर लगाई है। इसका अनुसरण करते हुए कई केंद्रीय मंत्रियों और मुख्यमंत्रियों समेत भाजपा नेताओं ने अपनी डीपी में तिरंगे की तस्वीर लगाई है। प्रधानमंत्री ने शुक्रवार को लोगों से 13 से 15 अगस्त के बीच हर घर तिरंगा आंदोलन में हिस्सा लेने का आह्वान किया था।

कश्मीर में बदलाव की बयार, हिजबुल आतंकी के परिवार ने फहराया तिरंगा

जम्मू (ईएमएस)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के हर घर ?तिरंगा अ?भियान ने आतं?कियों को भी अपने पाले में कर ?लिया है, यही वजह है ?कि हिज्बुल मुजाहिदीन के आतंकवादी मुदस्सिर हुसैन के परिवार ने भी अपने घर ?तिंरगा फहराया है। ?मिली जानकारी के अनुसार रविवार को स्वतंत्रता दिवस से पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा तिरंगा फहराने के लिए शुरू किए गए अभियान में शामिल होकर जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ जिले में घर पर राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया। हुसैन के पिता तारिक ने पहाड़ी जिले के सुदूर दच्छन इलाके में संवाददाताओं से कहा ?कि मेरे बेटे ने गलत रास्ता अपना लिया है। उन्होंने कहा, हम सरकार से उसे ढूंढने का अनुरोध करते हैं।' इसके अलावा उन्होंने कहा ?कि हमने अपने घर पर राष्ट्रीय ध्वज फहराया और चाहते हैं कि हर घर में तिरंगा फहराया जाए। इस दौरान हुसैन की मां ने कहा कि वह चाहती हैं कि उनका बेटा वापस लौट आए और सुरक्षा बलों के सामने आत्मसमर्पण कर दे। मीडिया से बातचीत करते हुए उन्होंने कहा, 'हमने उसका पता जानने की पूरी कोशिश की लेकिन असफल रहे। सेना को हमारे लिए उसे ढूंढना चाहिए क्योंकि हम चाहते हैं कि वह वापस आ जाए।

पिछले पांच साल में आठ लाख लोगों ने छोड़ी भारतीय नागरिकता, चीन-पाकिस्तान बना नया ठिकाना

नई दिल्ली (एजेंसी)। पिछले पांच सालों में लगभग आठ लाख लोगों ने भारतीय नागरिकता छोड़ दी है और चीन तथा पाकिस्तान सहित अन्य देशों में जा बसे हैं। जानकारी के अनुसार साल 2023 के इन छह महीनों में ही 87 हजार से ज्यादा भारतीय नागरिकता छोड़कर दूसरे देशों में जा बसे हैं। बीते पांच साल के आंकड़े देखें तो बड़ी चिंता होती हैं, इन पांच सालों में जिसके दौरान 8 लाख से ज्यादा लोगों ने भारत छोड़ने का फैसला कर लिया। इधर सरकार का कहना है कि ये लोग निजी कारणों के चलते देश की नागरिकता छोड़ रहे हैं। सवाल है कि आखिर क्यों इतनी बड़ी संख्या में देशवासी भारत छोड़ रहे हैं और कहां नया ठिकाना बना रहे हैं। इसका जवाब किसी के पास नहीं है। यह मामला राज्यसभा में भी उठाया गया। जहां सांसद संदीप कुमार पाठक की ओर से चार सवाल पूछे गए। पहला, बीते पांच सालों में भारतीय नागरिकता छोड़ने वाले और अन्य देशों की नागरिकता लेने वाले लोगों की संख्या व देशों की सूची। दूसरा, कारोबारी की संख्या। तीसरा, सरकार ने इस बात पर कोई अध्ययन किया कि देश क्यों छोड़ रहे हैं और अगर हां तो मुख्य वजहें क्या हैं। चौथा, नागरिकता छोड़ने वाले लोगों के पेशे का लेखा जोखा देना शामिल था।

सरकार की तरफ से राज्य मंत्री वी मुरलीधरन ने जानकारी दी कि इस साल जून 2023 तक यानी महज 6 महीनों में ही 87 हजार 26 लोग भारत की नागरिकता छोड़ चुके हैं। उन्होंने आंकड़े जारी करते हुए कहा कि 2018 में (1 लाख 34 हजार 561), 2019 में (1 लाख 44 हजार 17), 2020 में (85 हजार 256), 2021 में (1 लाख 63 हजार 370), 2022 में (2 लाख 25 हजार 620) लोग भारत की नागरिकता छोड़ चुके हैं। उन्होंने बताया कि 2011 में (1 लाख 22 हजार 819), 2012 में (1 लाख 20 हजार 923), 2013 में (1 लाख 31 हजार 405), 2014 में (1 लाख 29 हजार 328), 2015 में (1 लाख 31 हजार 489), 2016 में (1 लाख 41 हजार 603) और 2017 में (1 लाख 33 हजार 49) लोगों ने भारत की नागरिकता छोड़ दी।

एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार इसके कई कारण सामने आए हैं। उनका मानना है कि करियर, जीवन की गुणवत्ता, शिक्षा के बेहतर मौके, बेहतर स्वास्थ्य सेवा, साफ हवा जैसे कई कारण हो सकते हैं। इसके अलावा अन्य कई देशों की तरह भारत दोहरी नागरिकता की अनुमति नहीं देता है। ऐसे में विदेशी नागरिकता हासिल करने वाले भारतीयों को औपचारिक रूप से भारत की नागरिकता छोड़नी पड़ती है। हालांकि, इसके अलावा भी कई वजह गिनाई जाती हैं। भारत छोड़ने के बाद लोगों की पहली पसंद और ठिकाना संयुक्त राष्ट्र अमेरिका बनता नजर आ रहा है। इसके बाद कनाडा, ऑस्ट्रेलिया, ब्रिटेन, इटली, न्यूजीलैंड, जर्मनी, सिंगापुर, नीदरलैंड्स और स्वीडन में इन पांच सालों में सबसे ज्यादा भारतीयों की एंट्री दर्ज की गई है। सरकार ने राज्यसभा में इससे जुड़े आंकड़े भी पेश किए हैं।

चीन ने पाकिस्तान से आतंकी हमले पर कड़ा एक्शन लेने को कहा

इस्लामाबाद । चीन ने बलूचिस्तान के ग्वादर में एक चीनी काफिले पर हुए आतंकी हमले की कड़ी निंदा कर पाकिस्तानी पक्ष से अपराधियों को न्याय के दायरे में लाने को कहा है। कराची में चीनी महावाणिज्य दूतावास ने कहा कि उसके सभी नागरिक हमले में सुरक्षित हैं। रिपोर्ट के अनुसार, महावाणिज्य दूतावास ने पाकिस्तानी पक्ष से चीनी नागरिकों, संगठनों और परियोजनाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए ठोस और प्रभावी कदम उठाने को भी कहा ।दरअसल बलूचिस्तान के तटीय शहर ग्वादर में चीनी इंजीनियरों और पाकिस्तानी बलों के वाहनों के काफिले को निशाना बनाया गया। स्वतंत्रता-समर्थक समूह बलूच लिबरेशन आर्मी ने हमले की जिम्मेदारी ली।

चीन में बारिश के कारण भूस्खलन 21 की मौत, 6 लोगों अभी लापता

बीजिंग ।चीन के जियान के उपनगरीय इलाके में बारिश के कारण चट्टान और भूस्खलन में मरने वालों की संख्या बढ़कर 21 हुई है, जबकि 6 अन्य अभी भी लापता हैं। आपदा प्रबंधन विभाग के अनुसार, मूसलाधार बारिश के कारण चांगान जिले के बाहरी इलाके में एक गांव में भूस्खलन की दुर्घटना हुई। 14 बचाव दलों ने खोज अभियान चलाया। इसमें 980 से अधिक लोग शामिल थे। रिपोर्ट के अनुसार, वे लाइफ डिटेक्टर, सैटेलाइट फोन और उत्खनन करने वाले उपकरण लेकर आए। उन्होंने कहा कि चट्टान और भूस्खलन से दो आवासीय घर, सड़कें, बिजली आपूर्ति और संचार सुविधाएं क्षतिग्रस्त हो गईं। 186 लोगों को मलबे से निकला गया। बचावकर्मियों ने यातायात, बिजली आपूर्ति और संचार सेवाओं को फिर से शुरू करने के लिए अभियान चलाया।

प्यार की खातिर 2484 करोड़ रुपए की दौलत ठुकराई

कुआलालंपुर ।प्यार अंधा और दीवाना होता है। इसको साबित करने के लिए मलेशिया की एक बिजनेस घराने की अरबपति बेटी ने अपने हिस्से की 2484 करोड़ रुपए की विरासत को छोड़ दिया। मलेशिया के कारोबारी खू के पेंग ओर पूर्व मिस मलेशिया पोलिन चाई की बेटी, एंजलिन फ्रांसिस ने ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी में पढ़ाई कर रही थी। पढ़ाई के दौरान उसने जेदीआह फ्रांसिस को अपना जीवन साथी चुन लिया। बिजनेस टायकून ने बेटी को चेतावनी दी थी, कि वह यह शादी ना करे। यदि शादी करेगी तो उसे विरासत में मिलने वाले 2484 करोड रुपए नहीं मिलेंगे। इसके बाद भी बेटी ने अपने प्रेमी से शादी कर ली। प्यार के कारण अपने पिता से मिलने वाली अरबो रुपए की दौलत छोड़ दी।

अर्जेंटीना प्राइमरी चुनाव में जेवियर मिलेई को मिले सबसे ज्यादा वोट

ब्यूनस आयर्स ।आर्थिक संकट का सामना कर रहे अर्जेंटीना में अक्टूबर में होने वाले आम चुनाव के तहत राष्ट्रपति पद के उम्मदीवार का चयन करने के लिए हुए प्राइमरी चुनाव में धुर दक्षिणपंथी नेता जेवियर मिलेई ने रविवार को सबसे ज्यादा मत हासिल किए। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशंसक मिलेई ने कहा है कि अर्जेंटीना के सेंट्रल बैंक को खत्म कर देना चाहिए। उनका मानना है कि जलवायु परिवर्तन एक झूठ है, वह यौन शिक्षा को परिवार को बर्बाद करने की साजिश बताते हैं, उन्हें लगता है कि मानव अंगों की बिक्री कानूनी होनी चाहिए और वह पिस्तौल रखने के नियमों को आसान बनाना चाहते हैं। विश्लेषकों को लगता है कि मिलेई ने उम्मीद से बहुत बेहतर प्रदर्शन किया है और वह इस दक्षिण अमेरिकी देश में राष्ट्रपति पद के मजबूत दावेदार हैं। आधिकारिक नतीजों के अनुसार, मिलेई को कुल मतों के करीब 30 फीसदी वोट मिले हैं। मुख्य विपक्षी गठबंधन 'यूनाइटेड फॉर चेंज' के उम्मीदवारों को 28 प्रतिशत तथा मौजूदा सत्तारूढ़ गठबंधन 'यूनियन फॉर होमलैंड' के उम्मीदवारों को 27 प्रतिशत वोट मिले हैं। अपनी चुनावी जीत का जश्न मनाते हुए मिलेई ने इस देश में व्याप्त भ्रष्ट और बेकार राजनीति को खत्म करने का संकल्प लिया। महंगाई, बढ़ती गरीबी और मुद्रा के अवमूल्यन से जूझ रहे अर्जेंटीना में असंतोष व्यापक पैमाने पर है। मिलेई ने पेसो मुद्रा के स्थान पर अमेरिकी डॉलर लाने का आह्वान कर जनता का ध्यान अपनी ओर खींचा है।

जोरदार धमाके के बाद अचानक प्लेन 15,000 फीट नीचे आया

-क्रू मेंबर्स की सूझबूझ से टला बड़ा हादसा, सुरक्षित लैंड कर गया विमान

फ्लोरिडा । अमेरिकन एयरलाइंस का फ्लोरिडा जा रहा एक प्लेन अचानक हादसे का शिकार होते-होते बचा। बताया जा रहा है कि क्रू मेंबर्स की सूझबूझ और धैर्य के कारण विमान सुरक्षित लैंड कर गया और किसी भी तरह का कोई नुकसान नहीं हुआ। प्राप्त जानकारी के अनुसार यह अमेरिकन प्लेन अचानक तीन मिनट के भीतर 15000 फुट से अधिक नीचे आ गया। जिससे यात्री 'भयभीत' हो गए। घटना गुरुवार की बताई जा रही है। यह घटना उड़ान शुरु होने के 1.5 घंटे की यात्रा के आधे रास्ते में घटी। इसके बाद यात्रियों में अफरा तफरी मच गई। यात्रियों के अनुसार केबिन में एक 'जोरदार धमाका' हुआ और 'जलने की गंध' आ रही थी। इस दौरान फ्लोरिडा विश्वविद्यालय के प्रोफेसर हैरिसन होव इस विमान में सवार थे। उन्होंने ट्वीट किया 'मैंने कई बार विमान से सफर किया है, लेकिन यह एक डरावना मंजर था। घटना भयानक थी और तस्वीरों से जलने की गंध, तेज धमाके या कानों की आवाज का अंदाजा नहीं लगाया जा सकता है।' उन्होंने आगे कहा 'फ्लाइट में मौजूद अद्भुत फ्लाइट क्रू-केबिन स्टाफ और पायलटों को बधाई। अमेरिकन एयरलाइंस के यात्री ने स्थिति से निपटने के लिए केबिन क्रू और पायलटों की भी सराहना की। शिक्षाविद ने एक सोशल मीडिया टिप्पणी के जवाब में बताया कि 'वह बात नहीं कर पा रहे थे, क्योंकि उन्होंने हमें सांस लेने पर ध्यान केंद्रित करने के लिए कहा था। लेकिन उन्होंने अपने सेल फोन पर नोट्स ऐप पर गंध के लिए स्पष्टीकरण टाइप किया था।' ट्रैकिंग प्लेटफॉर्म फ्लाइटअवेयर द्वारा शेयर किए गए उड़ान डेटा के अनुसार, विमान 11 मिनट के भीतर लगभग 20,000 फीट नीचे उतर गया। जब ?कि 43 मिनट की यात्रा के बाद विमान छह मिनट से भी कम समय में 18,600 फीट नीचे उतरा ।इस पर अमेरिकन एयरलाइंस के एक प्रवक्ता ने कहा कि दबाव की समस्या के कारण फ्लाइट क्रू ने कम ऊंचाई पर सुरक्षित रूप से उतरने का फैसला किया। जिसके बाद अमेरिकन ईगल फ्लाइट 5916, जीएनवी में सुरक्षित रूप से उतर गई। घटना की तस्वीरें एक्स पर शेयर की गई है।

वैम्पायर बच्चे के पाए गए कुछ भयानक अवशेष

- वैम्पायर को बोलचाल की भाषा में कहा जाता है पिशाच

वारसॉ (ईएमएस)। पोलैंड के श्मशान में एक वैम्पायर बच्चे के कुछ भयानक अवशेष पाए गए हैं। पोलैंड के पिएन गांव में पुरातत्वविदों ने 17वीं सदी के कंकाल के अवशेषों की खोज की है ।इस कंकाल का मुंह नीचे की तरफ था और इसके पैर में एक ताला लगा हुआ था। वैम्पायर को आम बोलचाल की भाषा में पिशाच भी कहते हैं। माना जा रहा है कि बच्चे की उम्र करीब पांच से सात साल होगी। यूनिवर्सिटी ऑफ निकोलस कोपरनिकस के पुरातत्वविद डेरियस पोलिंस्की ने कहा, पैर में लगा ताला जीवन के एक चरण के अंत का प्रतीक है। इसका उद्देश्य मृतक को वापसी से रोकना है जिसकी शायद आशंका थी। पोलिंस्की ने कहा, ऐसी प्रथाएं लोक मान्यताओं में पैदा हुईं और कभी-कभी इन्हें पिशाच से रक्षा के रूप में देखा जाता था। उन्होंने कहा कि उस समय के रीति-रिवाजों के अनुसार, यह माना जाता था कि मुंह के बल दफनाए जाने पर मृतक जीवित लोगों को नुकसान नहीं पहुंचाएगा। पुरातत्वविदों ने कब्रिस्तान में 30 से अधिक अन्य कब्रगाहों की भी खोज की है जहां लोगों को न सिर्फ जीवन के दौरान बल्कि मौत के बाद भी डर लगता था ।बच्चे की कब्र के पास, शोधकर्ताओं को तीन अन्य बच्चों की हड्डियों का एक समूह और हरे रंग से सना हुआ जबड़े का टुकड़ा भी मिला। शोधकर्ताओं का कहना है कि यह उसके मुंह में रखे तांबे के सिक्के से आया होगा। उन्हें एक गर्भवती महिला के अवशेष भी मिले। यूनिवर्सिटी की मैग्डेलेना ज़ग्रोडज़्का ने कहा, भ्रूण लगभग 5-6 महीने का था। यह आश्चर्य की बात है क्योंकि इस उम्र के बच्चों की हड्डियों को आमतौर पर संरक्षित नहीं किया जा सकता है। नई खोजें उसी जगह पर की गईं जहां पिछले साल पुरातत्वविदों को एक पिशाच महिला के अवशेष मिले थे। पांच फीट से भी कम दूरी पर मिली उस महिला के बारे में माना जाता था कि वह उच्च सामाजिक प्रतिष्ठा रखती थी और उसकी गर्दन पर दरांती रखी हुई थी।

उत्तर कोरियाई नेता किम जोंगे उन एक सैन्य सामान बनाने वाले एक प्रमुख संयंत्र में पहुंचे।

किम जोंग ने मिसाइल उत्पादन बढ़ाने के आदेश दिए

सियोल ।उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन ने हाल ही में देश के प्रमुख युद्ध सामग्री कारखानों का दौरा किया और मिसाइलों एवं अन्य हथियारों के उत्पादन में भारी वृद्धि करने का आदेश दिया। किम के यह आदेश देने से कुछ ही दिन पहले दक्षिण कोरिया और अमेरिका ने वार्षिक सैन्य अभ्यास शुरू किए थे, जिन्हें उत्तर कोरिया अपने लिए खतरे के तौर पर देखता है। किम का देश में हथियारों के उत्पादन को प्रोत्साहन देना इस बात की पृष्ठभूमि में भी अहम है कि अमेरिका के अधिकारियों को लगता है कि रूसी रक्षा मंत्री ने यूक्रेन के साथ जारी उसके युद्ध के लिए रूस को और हथियार बेचने के संबंध में उत्तर कोरिया से हाल में बात की थी। एक न्यूज एजेंसी ने कहा कि किम ने हाल ही में सामरिक मिसाइलों, सचल प्रक्षेपण मंचों, बख्तरबंद वाहनों और तोपखाने के गोले बनाने वाली फैक्टरियों का दौरा किया। केसीएनए ने कहा कि किम ने मिसाइल फैक्टरी का भी दौरा किया और इस दौरान उन्होंने उत्पादन क्षमता को अत्यधित बढ़ावा देने का लक्ष्य रखा ताकि फैक्टरी अग्रिम सैन्य इकाइयों की जरूरतों को पूरा करने के लिए बड़े पैमाने पर मिसाइलों का उत्पादन कर सके। रिपोर्ट के अनुसार किम ने कहा ?कि युद्ध की तैयारियों का स्तर युद्ध सामग्री उद्योग के विकास पर निर्भर करता है और यह फैक्टरी (उत्तर) कोरियाई पीपुल्स आर्मी की युद्ध संबंधी तैयारियों को तेज करने में एक बहुत महत्वपूर्ण जिम्मेदारी निभाती है। किम ने अन्य कारखानों के दौरे में आधुनिक मिसाइल लॉन्च ट्रकों के निर्माण का आह्वान किया। केसीएनए ने कहा कि किम ने एक नया लड़ाकू बख्तरबंद वाहन भी चलाया।

सही समय पर सही नेतृत्व, जी20 शिखर सम्मेलन और भारत की अध्यक्षता पर अमेरिका का बड़ा बयान

नई दिल्ली (एजेंसी)। ब्रिटिश सुरक्षा मंत्री टॉम तुगेंदट ने कहा कि भारत की जी20 की अध्यक्षता अविश्वसनीय रूप से महत्वपूर्ण रही है क्योंकि इसने खाद्य सुरक्षा सहित विभिन्न वैश्विक चुनौतियों से निपटने में प्रभावी नेतृत्व की पेशकश की है। तुगेनधाट ने कहा कि मेरे लिए यह बिल्कुल स्पष्ट है कि यह अध्यक्षता के लिए भी सही समय है। जी-20 की अध्यक्षता के तहत भारत समावेशी वैश्विक विकास सुनिश्चित करने सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) के त्वरित कार्यान्वयन और हरित विकास पर ध्यान केंद्रित करने के अलावा भोजन, ईंधन और उर्वरक के क्षेत्रों सहित वैश्विक दक्षिण की चिंताओं को उजागर कर रहा है। ब्रिटिश सुरक्षा मंत्री मुख्य रूप से पिछले सप्ताह कोलकाता में जी20 भ्रष्टाचार विरोधी मंत्रिस्तरीय बैठक में भाग लेने के लिए तीन दिवसीय यात्रा पर भारत में थे। तुगेंदट ने भारत-ब्रिटेन द्विपक्षीय संबंधों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि उनके देश में नई दिल्ली के लंदन का अनिवार्य सहयोगी होने के बारे में कोई बहस नहीं है। मंत्री ने विशेष रूप से बाजरा की खपत और उत्पादन को प्रोत्साहित करने के लिए भारत की वैश्विक पहल की सराहना की और बताया कि यह खाद्य असुरक्षा की समस्या से निपटने में कैसे योगदान दे सकता है। मंत्री ने कीव के साथ अपने अनाज समझौते का उल्लंघन करने के लिए रूस की आलोचना की, जो यूक्रेन से महत्वपूर्ण अनाज निर्यात को विश्व बाजारों तक पहुंचने से रोक देगा। तुगेनधाट ने कहा कि हम दुनिया भर के कई देशों में खाद्य सुरक्षा को देखने के विभिन्न तरीकों के बारे में बात कर रहे हैं। अब यह तेजी से महत्वपूर्ण हो गया है।

एक्स के मालिक एलन मस्क ने किसे कहा...चिकन

सैन फ्रांसिस्को (एजेंसी)। आगामी केज फाइट की टिप्पणियों के बीच, एक्स के मालिक एलन मस्क ने मेटा संस्थापक और सीईओ मार्क जुकरबर्ग को चिकन कहकर उनका मजाक उड़ाया। जब एक एक्स यूजर्स ने जुकरबर्ग के बयान को पोस्ट कर कहा कि मस्क केज फाइट मैच के बारे में गंभीर नहीं हैं, आगे बढ़ने का समय है, तब इसपर मस्क ने जवाब दिया, जक एक चिकन है।

मस्क ने एक्स पर जुकरबर्ग के साथ एक चैट पोस्ट की, इसमें कहा गया कि वह सोमवार को पालो ऑल्टो (कैलिफोर्निया) में रहूंगा और जुकरबर्ग के ऑक्टागन पर लड़ने की पेशकश की। ज़ुकरबर्ग ने मस्क को संदेश भेजा, यदि आप अभी भी एक वास्तविक एमएमए लड़ाई करना चाहते हैं, तब आपको स्वयं प्रशिक्षण लेना चाहिए और जब आप प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार हों, तब मुझे बताएं। मैं ऐसी किसी चीज़ का प्रचार-प्रसार नहीं करना चाहता, जो कभी घटित नहीं होगी, इसलिए आपको या तब निर्णय लेना चाहिए कि आप यह करने जा रहे हैं और इस जल्द ही करेंगे, या हमें आगे बढ़ना चाहिए।

इस पर, मस्क ने जवाब दिया, आज लेक्स फ्रिडमैन के साथ एक संक्षिप्त मुकाबले के अलावा, मैं ज्यादा अभ्यास नहीं कर रहा हूं। जबकि मुझे लगता है कि यह बहुत ही असंभव है, हमारे आकार के अंतर को देखते हुए, शायद आप एक आधुनिक ब्रूस ली हैं और किसी तरह जीतेंगे। बाद में मेटा संस्थापक ने कहा, मुझे लगता है कि हम सभी सहमत हो सकते हैं कि एलन गंभीर नहीं है और यह आगे बढ़ने का समय है। मैंने एक वास्तविक तारीख की पेशकश की।

अगर एलन कभी किसी वास्तविक तारीख और आधिकारिक कार्यक्रम के बारे में गंभीर हो जाते हैं, तब वह जानते हैं कि मुझ तक कैसे पहुंचना है। अन्यथा, आगे बढ़ने का समय आ गया है। मैं उन लोगों के साथ प्रतिस्पर्धा करने पर ध्यान केंद्रित करने जा रहा हूं, जो खेल को गंभीरता से लेते हैं। इस बीच, मस्क ने उल्लेख किया कि वह इस कार्यक्रम की मेजबानी के लिए इतालवी प्रधान मंत्री और संस्कृति मंत्री के संपर्क में हैं।

भारत को गीदड़भभकी देकर मुनीर ने कहा...

देश किसी भी आक्रामक अभियान के सामने नहीं झुकेगा

इस्लामाबाद (एजेंसी)। टीटीपी आतंकियों और बलूच विद्रोहियों की मार से बेहाल पाकिस्तान के सबसे शक्तिशाली व्यक्ति आर्मी चीफ जनरल असीम मुनीर ने देश के स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर भारत के खिलाफ जमकर जहर उगला है। मुनीर ने दावा किया कि कश्मीर को उसी तरह से आजादी मिलेगी, जैसे पाकिस्तान को 76 साल पहले मिली थी। बलूचिस्तान के लोगों का अपहरण कर उनकी हत्या कर रहे पाकिस्तानी सेना के प्रमुख ने कश्मीर को लेकर दुनिया से गुहार लगाई।

मुनीर के बयान में भारत का खौफ साफ नजर आया। उन्होंने आरोप लगाया कि क्षेत्रीय सुरक्षा और स्थिरता के लिए खतरा है। उन्होंने कहा कि यह आजादी बहुत संघर्ष के बाद हासिल की है और हम जानते हैं कि कैसे इसकी रक्षा करनी है। उन्होंने दावा किया कि भारत हिंदुत्व की विचारधारा के आधार पर चल रहा है, और दुनिया को गंभीरता के साथ देखने की जरूरत है। जनरल मुनीर ने भारत को गीदड़भभकी देकर कहा कि पाकिस्तान किसी भी आक्रामक अभियान के आगे झुकेगा नहीं।

भारत को गीदड़भभकी देकर मुनीर ने खुद मान लिया कि देश में सेना के खिलाफ लोग दो फाड़ हो गए हैं। जनरल मुनीर ने कहा कि पाकिस्तानी सेना और देश को बांटने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने पाकिस्तानी जनता को साधने की कोशिश की जो इमरान की गिरफ्तारी के बाद सेना के खिलाफ हो गई है। इमरान समर्थकों ने पिछली बार अपने नेता की गिरफ्तारी के बाद आर्मी के मुख्यालय पर हमला कर दिया था।

यहीं नहीं लाहौर के कोर कमांडर के घर को जला दिया था। इस जिन्ना हाउस कहा जाता था और बाद में कोर कमांडर को बर्खास्त किया गया। जनरल मुनीर ने कहा कि सेना और देश के बीच में मतभेद पैदा करने की कोशिश को सफल नहीं होने दिया जाएगा। पाकिस्तानी आर्मी चीफ ने जनता को अपने साथ लाने के लिए मजहब का भी सहारा लिया और कुरान की आयतों का उल्लेख करके लोगों को एकजुट करने की कोशिश की।

अमेजन के जंगल को बचाने ब्राजील समेत 8 देश हुए एकजुट, बनाई रणनीति

-जलवायु परिवर्तन से लड़ने के लिए एक संयुक्त कार्यक्रम बनाने पर दिया गया जोर

बलेम (एजेंसी)। अमेजन के जंगलों को बचाने के लिए ब्राजील सहित आठ देश इस समय एकजुट होकर रणनीति पर काम करने जा रहे हैं। इसके लिए पिछले दिनों एक बैठक भी हुई है। बैठक ब्राजील के शहर बलेम में आयोजित हुई जिसमें ब्राजील सहित बोलीविया, कोलंबिया और पेरू के राष्ट्रपति, जबकि इक्वाडोर, गुयाना, सूरीनाम व वेनेजुएला के प्रमुख अधिकारी अमेजन जंगल को बचाने के मकसद से इकट्ठे हुए। अमेजन जंगल के इलाके वाले इन देशों ने औद्योगिक देशों से वर्षा वनों को बचाने के लिए ज्यादा कोशिश करने को कहा है। बलेम में ये दो दिनी बैठक अमेजन को-ऑपरेशन ट्रीटी ऑर्गेनाइजेशन ने कराई, जो अमेजन जंगल के इलाकों के देशों का 45 साल पुराना गठबंधन है। ये इस संगठन की 45 साल में सिर्फ तीन बैठक हुई हैं। पिछली बैठक 14 साल पहले हुई थी। इस बार की बैठक में शामिल देश अमेजन को लेकर एक विकास कार्यक्रम तैयार कर रहे हैं ताकि अंतरराष्ट्रीय मंचों पर उनकी बात सुनी जाए। बेलम की बैठक में अमेजन के इलाके वाले देश जलवायु परिवर्तन से लड़ने के लिए एक संयुक्त कार्यक्रम बनाने के मकसद से इकट्ठे हुए थे। इस दौरान दक्षिण अमेरिकी देशों ने कहा कि वर्षा वनों को हो रहे नुकसान को कुछ लोग नहीं रोक सकते। ब्राजील, कोलंबिया और बोलीविया के राष्ट्रपतियों ने पहले दिन साझा बयान दिया, जिसमें उन्होंने अमेजन को बचाने के लिए कटाई को रोकने की बात कही। उन्होंने अमेजन जंगल के इलाके में आर्थिक विकास की जरूरत पर भी जोर दिया।

रूस तय समय पर भारत को डिलीवर करेगा एस-400 वायु रक्षा प्रणाली

कीव (एजेंसी)। इंटरफैक्स समाचार एजेंसी ने सोमवार को एक वरिष्ठ रूसी रक्षा निर्यात अधिकारी के हवाले से कहा कि रूस तय समय सीमा के भीतर भारत को एस-400 एंटी-एयरक्राफ्ट सिस्टम का ऑर्डर देगा। भारत दुनिया का सबसे बड़ा हथियार आयातक है और अभी भी पारंपरिक हथियारों के लिए ज्यादातर रूसी तकनीक का उपयोग करता है, लेकिन नई दिल्ली में अधिकारियों ने चिंता व्यक्त की है कि यूक्रेन में रूस के युद्ध से हथियारों और उपकरणों की नियोजित डिलीवरी में देरी हो सकती है।

इंटरफैक्स ने सैन्य-तकनीकी सहयोग के लिए रूस की संघीय सेवा के प्रमुख दिमित्री शुगाएव के हवाले से कहा कि एस-400 ट्रायम्फ एंटी-एयरक्राफ्ट मिसाइल सिस्टम का उत्पादन तय कार्यक्रम के अनुसार किया जा रहा है। सशस्त्र बलों के एक कार्यक्रम के दौरान की गई टिप्पणियों में उन्होंने कहा कि एस-400 ट्रायम्फ प्रणाली के उपकरणों की डिलीवरी सहमत समय सीमा के भीतर पूरी होने की उम्मीद है। भारत ने 2018 में 5.4 बिलियन में स-400 ट्रायम्फ वायु रक्षा प्रणाली इकाइयाँ खरीदीं। तीन प्रणालियाँ वितरित की जा चुकी हैं और दो अभी भी प्रतीक्षित हैं।

इंटरफैक्स के अनुसार, डिलीवरी 2024 के अंत तक पूरी होने वाली है। भारतीय वायु सेना ने मार्च में कहा था कि यूक्रेन में युद्ध के कारण रूस से महत्वपूर्ण रक्षा आपूर्ति रुक रही है। नई दिल्ली हाल के वर्षों में आयात में विविधता लाने या उन्हें घरेलू निर्मित हार्डवेयर से बदलने की मांग कर रही है। यह फ्रांसीसी लड़ाकू विमान, इजरायली ड्रोन और अमेरिकी जेट इंजन खरीद रहा है। लेकिन स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट के आंकड़ों के अनुसार, 2017 से भारत द्वारा हथियारों के आयात पर खर्च किए गए 18.3 बिलियन डॉलर में से रूस का योगदान अभी भी 8.5 बिलियन डॉलर है।

चीन, रूस से दो-दो हाथ के लिए एक साथ आए अमेरिका और जापान, मिलकर बनाएंगे हाइपरसोनिक मिसाइल इंटरसेप्टर

वॉशिंगटन (एजेंसी)। जापान के योमीउरी अखबार ने कहा कि जापान और अमेरिका चीन, रूस और उत्तर कोरिया द्वारा विकसित किए जा रहे हाइपरसोनिक हथियारों का मुकाबला करने के लिए संयुक्त रूप से एक इंटरसेप्टर मिसाइल विकसित करने पर इस सप्ताह सहमत होंगे। मौजूदा बैलिस्टिक मिसाइल सुरक्षा से बचने के लिए डिज़ाइन किए गए हथियारों को लक्षित करने के लिए इंटरसेप्टर पर समझौता होने की उम्मीद है जब राष्ट्रपति जो बाइडेन अमेरिका में जापानी प्रधान मंत्री फुमियो किशिदा से मिलेंगे।

जापान के विदेश मंत्रालय के अधिकारियों से व्यावसायिक घंटों के बाहर टिप्पणी के लिए संपर्क नहीं किया जा सका। विशिष्ट बैलिस्टिक वॉरहेड के विपरीत, जो अंतरिक्ष से अपने लक्ष्य पर गिरते समय पूर्वानुमानित प्रक्षेप पथ पर उड़ते हैं, हाइपरसोनिक प्रोजेक्टाइल पाठ्यक्रम बदल सकते हैं, जिससे उन्हें निशाना बनाना अधिक कठिन हो जाता है। योमीउरी ने कहा कि बिडेन और किशिदा को कैंप डेविड, मैरीलैंड में प्रेसिडेंशियल रिट्रीट में दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति यू सुक येओल के साथ एक त्रिपक्षीय शिखर सम्मेलन के मौके पर मुलाकात करनी है।

अमेरिका और जापान जनवरी में अपने जापानी समकक्षों, विदेश मंत्री योशिमासा हयाशी और रक्षा मंत्री यासुकाज़ु हमादा के साथ राज्य सचिव एंटनी ब्लिंकन और रक्षा सचिव लॉयड ऑस्टिन की बैठक में इंटरसेप्टर विकसित करने पर विचार करने पर सहमत हुए। यह समझौता मिसाइल रक्षा प्रौद्योगिकी में दूसरा ऐसा सहयोग होगा। वाशिंगटन और टोक्यो ने अंतरिक्ष में हथियारों को मार गिराने के लिए डिज़ाइन की गई लंबी दूरी की मिसाइल विकसित की है, जिसे जापान उत्तर कोरियाई मिसाइल हमलों से बचाने के लिए जापान और कोरियाई प्रायद्वीप के बीच समुद्र में युद्धपोतों पर तैनात कर रहा है।

संपादकीय

आज़ादी का पर्व

77 वाँ स्वतंत्रता दिवस --

आज के ठीक 76 वर्ष पूर्व हमारा देश भारत आजाद हुआ था ।

आज के इस अवसर पर मेरे भाव -

सदगुण की ज्योति जला ले ।
सदगुण धरे दिल में जरा ।
अवगुण दूर करे दिल से जरा ।
आत्मा का ध्यान लगा ले ।
सदगुण की ज्योति जला ले ।
ध्यान लगायें अपने अवगुणों पर जरा ।
नजर हटा ले अपने दुर्गुणों पर जरा ।
मीठे - मीठे बोल मिश्री घोल ले ।
सदगुण की ज्योति जला ले ।
दृष्टि मानव की अपनी जैसी ही बने ।
सृष्टि आखिर दुनिया की वैसी ही बने।
मानव भव में ज्ञानी बन ले ।
सदगुण की ज्योति जला ले ।
जीवन चमकेगा सदगुण ज्योति से ।
आनन्द रस पायेगा प्रभु की भक्ति से ।
संचय धर्म का विशेष कर ले ।
सदगुण की ज्योति जला ले ।

इन्ही शुभ भावों से स्वतंत्रता दिवस की बहुत - बहुत मंगल कामनाएं ।हम कर्मों से अपनी आत्मा को स्वतंत्र करने में सफल हो यहीआध्यात्मिक मंगल कामना सभी के प्रति ।यही हमारी सच्ची स्वतंत्रता है।

प्रदीप छाजेड़
(बोरावड़)

आज का राशीफल

मेष शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। धन लाभ के योग हैं।

वृषभ दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। वाद-विवाद की स्थिति आपके लिए हितकर नहीं होगी। जारी प्रयास सार्थन होगा। कार्यक्षेत्र में रुकावटों का सामना करना पड़ेगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

मिथुन उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। मकान सम्पत्ति व वाहन की दिशा में किया गया प्रयास सफल होगा। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। किसी रिश्तेदार से तनाव मिल सकता है।

कर्क पारिवारिक जनों से पीड़ा मिल सकती है। आय के नए स्त्रोत बनेंगे। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। धन हानि की संभावना है।

सिंह व्यावसायिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। मैत्री संबंधों में प्रगाढ़ता आयेगी। पड़ोसी या अधीनस्थ कर्मचारी से विवाद हो सकता है। किसी मूल्यवान वस्तु के चोरी या खोने की आशंका है। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

कन्या पिता का भरपूर सहयोग मिलेगा और उससे प्रगति भी होगी। आर्थिक मामलों में लाभ मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। वाणी में सौम्यता बनाये रखे। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे।

तुला जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। मकान या सम्पत्ति के मामले में सफलता मिलेगी। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। किसी रिश्तेदार से तनाव मिल सकता है। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे।

वृश्चिक राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। शासन सत्ता या घर के मुखिया के कारण तनाव मिल सकता है। देशाटन या व्यावसायिक यात्रा फलीभूत होगी। निजी संबंध मधुर होंगे। धन, सम्मान, यश, कीर्ति में वृद्धि होगी।

धनु शासन सत्ता का लाभ मिलेगा। किसी वस्तु के खोने या चोरी होने की आशंका है। आर्थिक मामलों में सुधार होगा। षड्यंत्र की आशंका है। कोई सुखद समाचार मिलेगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

मकर शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। किया गया श्रम सार्थक होगा। स्थानान्तरण या अन्य व्यावसायिक लाभ मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

कुम्भ पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। उदर विकार या त्वचा के रोग की संभावना है। राजनैतिक महात्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

मीन दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। भाई या पड़ोसी का सहयोग मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें, कर्ज की स्थिति आ सकती है।

डिजिटल भारत में कृत्रिम बुद्धिमत्ता के यक्ष

सुरेश सेठ

भारत में जब तरक्की, विकास और उपलब्धि की गणना होती है तो देश के बहुत कम समय में दुनिया में एक इंटरनेट शक्ति बन जाने की बात आती है। रिकॉर्ड समय में डिजिटल भारत बना दिया गया। अगर रोबोट, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) और ब्राडबैंड डिजिटल प्रसार की बात होती है तो देश आज किसी भी नवसंचार चेतना के अग्रदूत से कम नहीं माना जाता है। आजकल दुनियाभर में चैट जीपीटी का बोलबाला है। कहा जा रहा है कि चैट जीपीटी ने इन्सान को इतनी कृत्रिम बौद्धिक शक्ति प्रदान कर दी है जिससे संकट पैदा हो गया है कि शायद उसे अब मौलिक चेतना और बौद्धिक विकास की जरूरत ही नहीं पड़ेगी। जब हर प्रश्न का जवाब गढ़ा-गढ़ाया चैट जीपीटी पर हो तो कोई अपनी बुद्धि को कष्ट क्यों देगा? यही नहीं, चैट जीपीटी को नेताओं को उनके भाषण, कवियों को उनकी कविताओं के उचित शब्द, नाटकों के संवाद और अध्यात्म के नये शब्द भी समझा सकती है। संकट पैदा हो गया कि अगर ऐसा हो गया तो प्रखर चेतना वाले इन्सान क्या हाथ पर हाथ धरे बैठे रहेंगे। क्या उनकी मौलिक सृजनात्मक प्रतिभा के मुकाबले में यह यांत्रिक असाधारण क्षमता अवरोध बनकर खड़ी हो जाएगी? क्या नेताओं के तेज-तर्रार भाषण, नाटकों के चुटीले संवाद, कविताओं के अगले तुक अब चैट जीपीटी देगा? क्या इसकी गुणवत्ता सीमाहीन है। एक बार तो चैट जीपीटी की इस क्षमता ने सबको चौंका दिया। बिल्कुल इसी तरह जैसे किंडल के आगमन ने पुस्तक की उपयोगिता पर प्रश्नचिन्ह लगा दिए थे। कहा गया था कि अब पुस्तक का अस्तित्व मिट जायेगा व पत्र-पत्रिकाएं भी अप्रासंगिक हो जाएंगी जबकि ई-संचार माध्यम पर हर किताब, पत्रिका और हर समाचार उपलब्ध है। लेकिन यांत्रिकता तो यांत्रिकता होती है। अभी इसकी सीमा और संभावनाओं पर कई शोध भी होने लगे हैं। पंजाबी यूनिवर्सिटी के पंजाबी विभाग के पंजाबी कंप्यूटर सहायता केन्द्र के अध्यापक ने एक शोध किया जिसने अलग-अलग भाषाओं में चैट जीपीटी की गुणवत्ता पर सवालिया निशान लगा दिए। नतीजा यह निकला कि अंग्रेजी से हटते ही क्षेत्रीय भाषाओं में एक तो इस सॉफ्टवेयर का अनुवाद मॉडल पूरी तरह से विकसित नहीं और दूसरी बात इसमें जितना गुड़ डालोगे, उतना ही मीठा होगा। अर्थात् पत्रकार और कवि आदि इंटरनेट पर ब्लॉग, विकिपीडिया और वेबसाइट्स पर जितनी अपनी रचनाएं और जानकारी साझा करेंगे उतना ही चैट जीपीटी की उड़ान भी चलेगी। शोधकर्ताओं ने बताया कि अन्य भाषाओं में पूछे गए छोटे उत्तरों वाले सवालों में अगर 80 फीसदी उत्तर सही आते हैं तो बड़े प्रश्न वाले उत्तर में 8 फीसदी तक ही उत्तर सही आ पाते हैं। इतिहास, सेहत, खेल, कंप्यूटर, गणित, करंट अफेयर, भाषा विज्ञान और पर्यावरण विज्ञान के प्रश्न-पत्र डालकर यह परीक्षा ली गई। पंजाबी व हिंदी-अंग्रेजी के 300 नमूनों के सवाल डाले गए। चैट जीपीटी ने 67 फीसदी, 80 फीसदी व 98 फीसदी अंक हासिल किए। इसी तर्ज पर पंजाबी भाषा के कंप्यूटर ज्ञान विषय में अकाल यूनिवर्सिटी तलवंडी साबो में केवल 8 प्रतिशत अंक हासिल हुए। यह बात अन्य डिजिटल प्रयोगों में भी महसूस की गई है। देखा गया है कि पंजाबी और अन्य क्षेत्रीय भाषाओं के मॉडल पूरी तरह विकसित नहीं होते हैं। इंटरनेट पर पंजाबी की पाठ्य सामग्री की कमी के कारण पंजाबी के बड़े सवालों के जवाब में प्रदर्शन खराब हो जाता है। इसलिए अगर चैट जीपीटी को भारत के लिए उपयोगी बनाना है तो भारत की क्षेत्रीय भाषाओं व हिंदी और पंजाबी आदि में भी पूरा ज्ञान और पाठ्य सामग्री अपलोड करनी पड़ेगी, नहीं तो जवाब असंबद्ध आने लगेंगे। यही बात गूगल के प्रयोग में भी देखी गई है। गूगल का भी हर जवाब सही नहीं होता, अगर उसमें नवीनतम जानकारी नहीं डाली जाती है। बेशक कृत्रिम बुद्धिमत्ता उपकरणों के लिहाज से पिछले दिनों में रोबोट का इस्तेमाल भी बहुत प्रचलित हुआ है लेकिन रोबोट भी दो तरह के देखे गए। एक तो वे रोबोट जिनको आप निर्दिष्ट निर्देशों का पालन करने के लिए सिखाते हैं। वे केवल उतना ही करते हैं जितना उनकी यांत्रिकता में शामिल है। अब कृत्रिम बुद्धि का समावेश भी रोबोट में करने की कोशिश की जा रही है। यह कोशिश जितनी सफलता हासिल कर सकेगी, उतना ही रोबोट हर क्षेत्र में उपयोगी होगा। लेकिन भारत जैसे देश में, जहां आबादी 140 करोड़ के आसपास जाकर चीन को पछाड़ दुनिया की सबसे बड़ी आबादी बनने जा रही है, वहां आधुनिक रोबोट क्या इंसानी रोजगार की जगह नहीं ले लेंगे। पहले ही भारत में काम करने योग्य व्यक्ति को रोजगार नहीं मिलता। उन्हें सरकारी अनुकम्पा और रियायती अनाज के सहारे जीना पड़ता है। अगर रोबोट का इस्तेमाल भारत में भी इसी तरह प्रचलित हो गया तो करोड़ों लोगों की यह श्रमशक्ति कहां जाएगी। क्या विदेश में पलायन होगा, जहां उनसे सस्ती दरों पर काम लिया जायेगा। भारत में कृत्रिम बुद्धिमत्ता के क्षितिज यहीं तक नहीं हैं। अभी नई दिल्ली में एक अभियान नीति आयोग ने संस्कृति मंत्रालय के सहयोग से वन नेशन वन डिजिटल लाइब्रेरी के नाम से शुरू किया है। इसमें दिल्ली के हरेक पुस्तकालय की जानकारी पाठक को घर बैठे मिलेगी। पाठक को केवल इंडियन कल्चर पोर्टल पर लॉग इन करना पड़ेगा। चुनींदा लाइब्रेरियों की दुर्लभ किताबें उसके सामने खुलने लगेंगी। अभी यह शुरुआत सात लाइब्रेरियों से की गई है। इसमें 700 दुर्लभ किताबें शामिल हैं। संस्कृति मंत्रालय की संयुक्त सचिव के मुताबिक, देशभर के सभी पुस्तकालयों, उनकी सांस्कृतिक व ऐतिहासिक किताबों की विरासत, पांडुलिपियों को जन-जन तक पहुंचाने के लिए वन नेशन वन डिजिटल लाइब्रेरी अभियान शुरू किया गया है। लेकिन यहां राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का कथन भी महत्वपूर्ण है कि ज्ञान को सुलभ बनाने के लिए डिजिटलीकरण जरूरी है लेकिन क्या डिजिटलीकरण से ज्ञान सुलभ हो जाएगा? क्या इसमें अध्यापक का मार्गदर्शन कोई मायने नहीं रखता? जो विद्वान रास्ता दिखा सकते हैं, क्या यंत्र उसका विकल्प बन सकते हैं? इंसान का विकल्प कभी यांत्रिकीकरण नहीं होता। हां, वह इन्सान का सहयोगी हो सकता है और इन्सान की पहुंच को बढ़ा सकता है। अभी भारत सरकार ने ग्रामीण क्षेत्र के लिए डिजिटल ब्रॉडबैंड की शक्ति प्रदान करने की घोषणा भी कर दी है। यानी गांवों के लोग भी डिजिटल दुनिया से जुड़ जाएंगे। लेकिन बेहतर होता कि उनकी आर्थिक सीमाओं, शिक्षा स्तर का भी ध्यान कर लिया जाता। यह भी कि इतने बड़े देश में पूर्ण डिजिटलीकरण के लिए क्या मोबाइल टावरों की सुविधा हर जगह है। बेशक यह सवाल अभी अनुत्तरित है। लेकिन इस उड़ान का स्वागत तो होना ही चाहिए। उड़ान भरने में कोई हर्ज नहीं है लेकिन उसको सभी पहलुओं के बारे में विचार करके ही भरना चाहिए। इसमें सही अध्यापकों का पथ प्रदर्शन, डिजिटल क्षमता के इस्तेमाल में निपुणता, प्रशिक्षण और कम लागत पर उपकरणों का वितरण भी तो उतना ही जरूरी है।

लेखक साहित्यकार हैं।

अभी इसकी सीमा और संभावनाओं पर कई शोध भी होने लगे हैं। पंजाबी यूनिवर्सिटी के पंजाबी विभाग के पंजाबी कंप्यूटर सहायता केन्द्र के अध्यापक ने एक शोध किया जिसने अलग-अलग भाषाओं में चैट जीपीटी की गुणवत्ता पर सवालिया निशान लगा दिए। नतीजा यह निकला कि अंग्रेजी से हटते ही क्षेत्रीय भाषाओं में एक तो इस सॉफ्टवेयर का अनुवाद मॉडल पूरी तरह से विकसित नहीं और दूसरी बात इसमें जितना गुड़ डालोगे, उतना ही मीठा होगा।

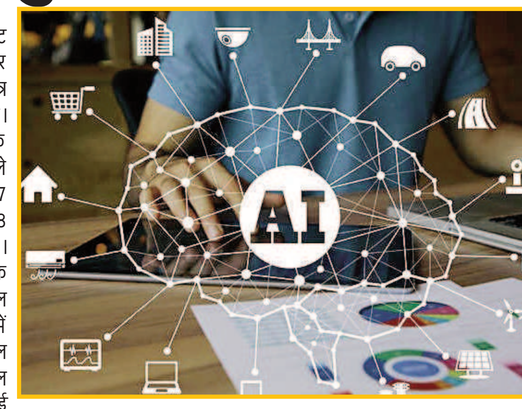

सेमीकंडक्टर पावर हाउस बनाने की पहल

उद्योग अनुकूल वातावरण/ शशांक द्विवेदी

पिछले दिनों देश के सेमीकंडक्टर मिशन को गति देने के उद्देश्य से गुजरात में तीन दिवसीय सेमीकॉन इंडिया 2023 सम्मेलन का आयोजन हुआ। इसका मुख्य उद्देश्य भारत की सेमीकंडक्टर स्ट्रैटेजी और इस सेक्टर में हुए डेवलपमेंट को दर्शाना है। सेमीकॉन इंडिया 2023 में सेमीकंडक्टर से जुड़ी देश-दुनिया की कई कंपनियों ने हिस्सा लिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सेमीकॉन इंडिया 2023 सम्मेलन का उद्घाटन करते हुए देश के इंजीनियरिंग पाठ्यक्रम में सुधार करने और एक मजबूत सेमीकंडक्टर इकोसिस्टम को बढ़ावा देने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने भारत को अगला सेमीकंडक्टर पावर हाउस बनने के लिए अपना व्यापक दृष्टिकोण भी सामने रखा।आज के समय में बिना सेमीकंडक्टर के किसी इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस की कल्पना नहीं की जा सकती है। असल में सेमीकंडक्टर चिप एक तरह से हर इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस का दिल है। भारत में सेमीकंडक्टर की खपत 2026 तक 80 बिलियन डॉलर और 2030 तक 110 बिलियन डॉलर को पार करने की उम्मीद है। इससे यह साफ होता है कि चिप निर्माण भारतीय अर्थव्यवस्था और व्यापार जगत के लिए क्या मायने रखता है। चूंकि सेमीकंडक्टर की आपूर्ति के लिए पूरी दुनिया चीन, ताइवान और साउथ कोरिया पर निर्भर है। 2022 में इंडियन सेमीकंडक्टर इंडस्ट्री 27 बिलियन डॉलर यानी 22 खरब रुपये से ज्यादा की थी। इसमें से 90 फीसदी चिप की आपूर्ति के लिए हमें आयात पर निर्भर रहना पड़ता है। वहीं, 2026 तक इसकी खपत 80 बिलियन डॉलर तक पहुंचने की उम्मीद है। कोरोना महामारी के बाद सेमीकंडक्टर निर्माण में कमी आने के बाद भारतीय ऑटो मोबाइल समेत अन्य तकनीकी उद्योग प्रभावित हुए थे, क्योंकि महंगी कारों से लेकर स्मार्टफोन और अन्य इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस में सेमीकंडक्टर का इस्तेमाल होता है।भारत सरकार ने सेमीकंडक्टर और डिस्प्ले मैन्युफैक्चरिंग को लेकर 10 बिलियन अमेरिकी डॉलर का एक इन्वेस्टमेंट प्रोग्राम शुरू किया, जिसका उद्देश्य भारत में चिप निर्माण के लिए जरूरी इको-सिस्टम डेवलप करना और इसके लिए विदेशी निवेश को आकर्षित करना है।आने वाले वर्षों में सेमीकंडक्टर्स की मांग तेजी से बढ़ेगी। सबसे ज्यादा डिमांड कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक गुड्स, इलेक्ट्रिक व्हीकल, स्मार्टफोन्स इंडस्ट्री में होगी। वहीं, टेलीकॉम सेक्टर में पूरी तरह से 5जी सर्विसेज के आने के बाद आईओटी डिवाइस का इस्तेमाल तेजी से बढ़ेगा, इस वजह से स्मार्ट इलेक्ट्रिक डिवाइसेस की मांग भी बढ़ेगी। भारत हर साल 100 अरब डॉलर मूल्य के इलेक्ट्रॉनिक्स का आयात करता है। इसमें 30 अरब डॉलर के सेमीकंडक्टर और डिस्प्ले ग्लास शामिल हैं। सेमीकंडक्टर चिप निर्माण कुछ ही देशों में केंद्रित है। ताइवान दुनिया के 60 प्रतिशत से ज्यादा सेमीकंडक्टर का उत्पादन करता है और दक्षिण कोरिया 100 प्रतिशत सबसे उन्नत चिप्स (10 नैनोमीटर से कम) बनाता है। दरअसल, मेमोरी चिप निर्माता माइक्रॉन टेक्नोलॉजी द्वारा भारत में संयंत्र लगाने की घोषणा किए जाने के बाद कई सेमीकंडक्टर निर्माताओं ने देश में चिप निर्माण संयंत्र लगाने में दिलचस्पी दिखाई है। मेमोरी चिप निर्माण में कुछ बड़ी कंपनियां एसेंबली, टेस्टिंग, मार्किंग और पैकेजिंग (एटीएमपी) तथा निर्माण संयंत्रों के लिए भारत पर ध्यान दे रही थीं। इसके अलावा, कम्पाउंड सेमीकंडक्टर एटीएमपी कंपनियां भारत में निवेश की संभावना तलाश रही हैं। माइक्रॉन ने पिछले महीने सरकार की 10 अरब डॉलर की पीएलआई योजना के तहत गुजरात में सेमीकंडक्टर एटीएमपी संयंत्र लगाने की योजना का खुलासा किया था। कंपनी ने 2024 के अंत तक 2.75 अरब डॉलर का संयंत्र चालू करने की योजना बनाई है।भारत में सेमीकंडक्टर निर्माण के लिए माइनिंग और मिनरल क्षेत्र की दिग्गज कंपनी वेदांता ग्रुप सबसे आगे है। इसके लिए कंपनी जरूरी संसाधन और टेक्नोलॉजी पार्टनर ढूंढ़ रही है। वेदांता ग्रुप की महत्वाकांक्षी सेमीकंडक्टर निर्माण परियोजना से ताइवान की कंपनी फॉक्सकॉन अलग हो चुकी है। हालांकि, कंपनी का कहना है कि ज्वाइंट वेंचर के लिए कई भागीदार तैयार हैं। 'सेमीकॉन इंडिया 2023' के दौरान वेदांता ग्रुप के प्रमुख अनिल अग्रवाल ने यहां तक कह दिया कि हम ढाई साल में भारत विनिर्मित चिप उपलब्ध करा देंगे। इस साल कंपनी सेमीकंडक्टर फैब और डिस्प्ले फैब के क्षेत्र में कदम रखेगी। उन्होंने कहा कि वेदांता लिमिटेड ने भारत में अब तक 35 अरब डॉलर का निवेश किया है। चिप निर्माण के लिए स्थानीय आपूर्ति श्रृंखलाओं का अभाव भारत में चिप निर्माण तंत्र निर्माण की राह में उद्योग हितधारकों की मुख्य चिंताओं में से एक था। चिप निर्माण के लिए कई तरह के कच्चे माल की जरूरत होती है। भारत ने अगर अपना इकोसिस्टम तैयार कर लिया तो सेमीकंडक्टर प्लांट लगने के बाद देश धीरे-धीरे चिप बनाने के मामले में आत्मनिर्भर हो जाएगा।अर्द्धचालक और डिस्प्ले निर्माण एक बहुत ही जटिल और प्रौद्योगिकी-गहन क्षेत्र है, जिसमें भारी पूंजी निवेश, उच्च जोखिम, लंबी भुगतान अवधि तथा प्रौद्योगिकी में तेज़ी से बदलाव शामिल है, जिसके लिये महत्वपूर्ण व निरंतर निवेश की आवश्यकता होती है। भारत सरकार को चिप निर्माण पारिस्थितिकी तंत्र बनाने के लिये भारत में संबंधित उद्योगों को जोड़ने की तत्काल आवश्यकता है।

लेखक मेवाड़ यूनिवर्सिटी में डायरेक्टर हैं।

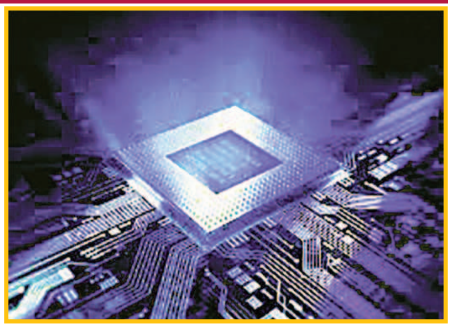

असफलता, ताने और आलोचनाओं से मिलती है अपार सफलता

(लेखक-सनत जैन)

लगातार मिली असफलताओं के बाद, क्या कोई व्यक्ति सफलता के उच्चतम मुकाम में पहुंच सकता है? सामान्यतः असफलताओं से लोग घबराकर और परेशान होकर रास्ता बदल देते है। जिन्होंने रास्ता बदल दिया, वह असफलता के मुकाम पर जहां तक जा सकते हैं। वहां तक पहुंच जाते हैं। लेकिन जो लोग, लगातार मिल रही असफलताओं और आलोचना से टकराने का जज्बा अपने मन के अंदर पैदा कर लेते हैं। वह असफलताओं लड़ने लगते हैं, तो वह सफलता की उच्चतम सीढ़ी तक चढ़ने में सफल होते हैं। कहावत में इसे मार मार कर किसी को इतना पक्का बना देना, कि आलोचना और असफलता उसे पक्का बना देती हैं। वह जब तक सफलता हासिल नहीं करता है, तब तक वह चैन से नहीं बैठता है।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी के बारे में भी यही चरितार्थ होता हुआ दिख रहा है। राहुल गांधी को पिछले 10 वर्षों में जिस तरह से निशाने पर लिया गया। उनकी तरह-तरह से आलोचना की गई। उनका मजाक उड़ाया गया। उन्होंने घबराकर अपना रास्ता नहीं बदला। लगातार संघर्ष करते रहे। वर्तमान में वह सफलता की जिन सीढ़ियों को चढ़ते हुए दिख रहे हैं। उससे यह स्पष्ट प्रतीत होता है, कि आलोचनाओं से ना डरते हुए उन्होंने हर स्थिति का जमकर मुकाबला किया। जिसके कारण वह अपने मुकाम के सफर में लगभग-लगभग सफल नजर आ रहे हैं। आज सारे देश और दुनिया में राहुल गांधी को लेकर चर्चाएं होने लगी हैं। कुछ बरस पहले उन्हें पप्पू बताया जा रहा था। हर तरफ उनका मखौल उड़ाया जा रहा था। लेकिन देखते ही देखते स्थिति ने करवट बदली। अब वह राजनीति और सेवा के क्षेत्र में एक नया मुकाम हासिल कर विशिष्ठ बनते हुए नजर आ रहे हैं।

ऐसी ही एक कहानी मुरैना में जन्मे मनोज शर्मा की है। जो नौवीं -दसवीं में तृतीय श्रेणी में पास हुए। कक्षा 12 में फेल हो गए। घर परिवार और दोस्तों के तानों से परेशान होकर गांव छोड़कर दिल्ली चले गए। कॉलेज के दौरान उन्होंने सपना सजोंया, कि उन्हें आईपीएस अधिकारी बनना है। संघ लोक सेवा आयोग की परीक्षा में लगातार बढते रहे। चौथी बार मे उन्हें सफलता मिली। उन्हें आईपीएस अवार्ड हुआ। घर की आर्थिक स्थिति अच्छी नहीं थी। तानों से परेशान होकर उन्होंने जो निर्णय लिया था, कि वह आईपीएस बन कर ही घर लौटेंगे। दिल्ली में होटल में नौकरी की। कभी टेंपो चलाया। कभी फुटपाथ पर सोए। अपने लक्ष्य से पीछे तमाम परेशानियों के बाद भी नहीं हटे। मनोज शर्मा वर्तमान में सीआईएसएफ के मुंबई में डीआईजी हैं। इनके जीवन पर एक फिल्म तैयार हो रही है। इस फिल्म का नाम ट्वेल्थ फेल रखा गया है। यह फिल्म 27 अक्टूबर को रिलीज होने वाली है। मनोज शर्मा की पत्नी श्रद्धा जोशी आईआरएस अधिकारी हैं। फिल्म वह मोटिवेशनल स्पीकर के अहं रोल में है। मनोज शर्मा के सहपाठी अनुराग पाठक ने फिल्म की पटकथा लिखी । निर्माता निर्देशक विधु विनोद चोपड़ा उस पर फिल्म बना रहे हैं। लक्ष्य के प्रति समर्पित होकर यदि निष्ठा के साथ प्रयास किए जाएं, तो निश्चित रूप से आदमी अपनी मंजिल के जिस क्रम तक जाना चाहता है, वहां पर पहुंचा जा सकता है। आस्था और विश्वास किसी भी सफलता के लिए सबसे बड़ा गुण है। राहुल गांधी हो या मनोज शर्मा आईपीएस अधिकारी हों। इन्होंने अपने लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए जिस तरह से अपने मन में लक्ष्य तैयार किया। लक्ष्य तक पहुंचने के लिए कितनी भी परेशानी आई, उससे घबराए नहीं, कड़ा मुकाबला किया। अक्सर यह देखा जाता है कि हाई स्कूल में जो ड्रॉप आउट होता है। उस समय उसमें जो हीन भावना उत्पन्न होती है। उसके बाद वह जिस क्षेत्र में भी जाता है। उसे यह एहसास रहता है, कि कहीं ना कहीं वह असफल हुआ है। जिसके कारण वह सफलता पाने के लिए हठी हो जाता है। इसी हठ के कारण जिस काम को हाथ में लेता है, उसे पूरा करने के लिए हर संभव प्रयास करता है। जिसके कारण उसे सफलता मिलती है। दुनिया में ऐसे हजारों उदाहरण है, जो अपने शुरुआती दौर में बुरी तरह से असफल हुए। उन्होंने अपना रास्ता नहीं छोड़ा और लक्ष्य पाने में कितनी भी परेशानियां आई। उसे छोड़ा नहीं। जिसके कारण सफलता के उस मुकाम पर पहुंचे, जहां उन्होंने कल्पना भी नहीं की थी सही है, खेल-खेल में बच्चा पैदा होता है। खेल-खेल में कैरियर बनता है। खेल हमेशा जीतने के लिए खेला जाता है। कोई भी खेल कभी भी, कोई भी व्यक्ति पराजित होने के लिए नहीं खेलता है। यदि यह खेल भावना बनी रहती है। तो निश्चित रूप से उसे खेल भावना के कारण अप्रत्याशित सफलता मिलती है। जिसमें खिलाड़ी भावना होती है।

आजादी कहें या स्वतंत्रता ये ऐसा शब्द है जिसमें पूरा आसमान समाया है। आजादी एक स्वाभाविक भाव है या यूँ कहें कि आजादी की चाहत मनुष्य को ही नहीं जीव-जन्तु और वनस्पतियों में भी होती है। सदियों से भारत अंग्रेजों की दासता में था, उनके अत्याचार से जन-जन त्रस्त था। खुली फिजा में सांस लेने को बेचैन भारत में आजादी का पहला बिगुल 1857 में बजा किन्तु कुछ कारणों से हम गुलामी के बंधन से मुक्त नहीं हो सके। वास्तव में आजादी का संघर्ष तब अधिक हो गया]
जब बाल गंगाधर तिलक ने कहा कि
स्वतंत्रता हमारा
जन्मसिद्ध अधिकार है।

विश्व विजयी तिरंगा प्यारा..

झंडा ऊँचा रहे हमारा, विश्व विजयी तिरंगा प्यारा..

यह गीत भारत का हर बच्चा गुनगुनाता है.. बड़े ही शान से। आखिर क्या बात है इस ध्वज में जिसने आज़ादी के परवानों में एक नया जोश भर दिया था और जो आज भी हर भारतीय को अपने गरिमामय इतिहास की याद दिलाता है और विभिन्नता में एकता वाले इस देश को एक सूत्र में बाँधे हुए है। हर स्वतंत्रता दिवस और गणतंत्र दिवस पर लाल क़िले की प्राचीर पर राष्ट्रीय ध्वज को बड़े ही आदर और सम्मान के साथ फहराया जाता है। देश के प्रथम नागरिक से लेकर आम नागरिक तक इसे सलामी देता है। 21 तोपों की सलामी से सेना इसका सम्मान करती है। किसी भी देश का झंडा उस देश की पहचान होता है। तिरंगा हम भारतीयों की पहचान है। राष्ट्रीय झंडे ने पहली बार आज़ादी की घोषणा के कुछ ही दिन पहले 22 जुलाई 1947 को पहली बार अपना वो रंग रूप पाया जो आज तक कायम है। हमारा राष्ट्रीय ध्वज तीन रंगों से बना है इसलिए हम इसे तिरंगा भी कहते हैं। सबसे ऊपर केसरिया रंग फिर सफ़ेद और सबसे नीचे हरा। बीच में गहरे नीले रंग का चक्र बना है जिसमें 24 चक्र हैं जिसे हम अशोक चक्र के नाम से जानते हैं। इस प्रतीक को सारनाथ में अशोक महान के स्तंभ से लिया गया है। तिरंगे की बनावट पर हमारे देश में काफ़ी ध्यान दिया जाता है क्यों कि ये हमारे सम्मान से जुड़ा हुआ है। हर तिरंगे में अशोक चक्र श्वेत रंग के तीन चौथाई भाग में ही होना चाहिए। राष्ट्रीय ध्वज खादी के कपड़े का होना चाहिए। आज जो ध्वज हमारे देश की पहचान है उसे इस रूप में ढालने वाले थे पिंगली वेंकैया।

तिरंगे में इन रंगों की क्या महत्ता है ये जानना बहुत ज़रूरी है। केसरिया यानी भगवा रंग वैराग्य का रंग है। हमारे आज़ादी के दीवानों ने इस रंग को सबसे पहले अपने ध्वज में इसलिए सम्मिलित किया जिससे आने वाले दिनों में देश के नेता अपना लाभ छोड़ कर देश के विकास में खुद को समर्पित कर दें। जैसे भक्ति में साधु वैराग ले मोह माया से हट भक्ति का मार्ग अपनाते हैं। श्वेत रंग प्रकाश और शांति के प्रतीक के रूप में लिया गया। हरा रंग प्रकृति से संबंध और संपन्नता दर्शाता है, और केंद्र में स्थित अशोक चक्र धर्म के 24 नियमों की याद दिलाता है।

हमारे राष्ट्रीय ध्वज का इतिहास भी बहुत रोचक है। 20वी सदी में जब हमारा देश ब्रिटिश सरकार की गुलामी से मुक्ति पाने के लिए संघर्ष कर रहा था, तब स्वतंत्रता सेनानियों को एक ध्वज की ज़रूरत महसूस हुई क्यों कि ध्वज स्वतंत्रता की अभिव्यक्ति का प्रतीक रहा है। सन् 1904 में विवेकानंद की शिष्या सिस्टर निवेदिता ने पहली बार एक ध्वज बनाया जिसे बाद में सिस्टर निवेदिता ध्वज से जाना गया। यह ध्वज लाल और पीले रंग से बना था। पहली बार तीन रंग वाला ध्वज सन् 1906 में बंगाल के बँटवारे के विरोध में निकाले गए जलूस में शचीन्द्र कुमार बोस लाए। इस ध्वज में सबसे ऊपर केसरिया रंग, बीच में पीला और सबसे नीचे हरे रंग का उपयोग किया गया था। केसरिया रंग पर 8 अधखिले कमल के फूल सफ़ेद रंग में थे। नीचे हरे रंग पर एक सूर्य और चंद्रमा बना था। बीच में पीले रंग पर हिंदी में वंदेमातरम् लिखा था। सन् 1908 में सर भीकाजी कामा ने जर्मनी में तिरंगा झंडा लहराया और इस तिरंगे में सबसे ऊपर हरा रंग था, बीच में केसरिया, सबसे नीचे लाल रंग था। इस झंडे में धार्मिक एकता को दर्शाते हुए हरा रंग इस्लाम के लिए और केसरिया हिंदू और सफ़ेद ईसाई व बौद्ध दोनों धर्मों का प्रतीक था। इस ध्वज में भी देवनागरी में वंदेमातरम् लिखा था और सबसे ऊपर 8 कमल बने थे। इस ध्वज को भीकाजी कामा, वीर सावरकर और श्यामजी कृष्ण वर्मा ने मिलकर तैयार किया था। प्रथम विश्व युद्ध के समय इस ध्वज को बर्लिन कमेटी ध्वज के नाम से जाना गया क्यों कि इसे बर्लिन कमेटी में भारतीय क्रांतिकारियों द्वारा अपनाया गया था। सन् 1916 में पिंगली वेंकैया ने एक ऐसे ध्वज की कल्पना की जो सभी भारतवासियों को एक सूत्र में बाँध दे। उनकी इस पहल को एस.बी. बोमान जी और उमर सोमानी जी का साथ मिला और इन तीनों ने मिल कर नेशनल फ़्लैग मिशन का गठन किया। वेंकैया ने राष्ट्रीय ध्वज के लिए राष्ट्रपिता महात्मा गांधी से सलाह ली और गांधी जी ने उन्हें इस ध्वज के बीच में अशोक चक्र रखने की सलाह दी जो संपूर्ण भारत को एक सूत्र में बाँधने का संकेत बने। पिंगली वेंकैया लाल और हरे रंग के की पृष्ठभूमि पर अशोक चक्र बना कर लाए पर गांधी जी को यह ध्वज ऐसा नहीं लगा कि जो संपूर्ण भारत का प्रतिनिधित्व कर सकता। राष्ट्रीय ध्वज में रंग को लेकर तरह-तरह के वाद विवाद चलते रहे। अखिल भारतीय संस्कृत कांग्रेस ने सन 1924 में ध्वज में केसरिया रंग और बीच में गदा डालने की सलाह इस तर्क के साथ दी कि यह हिंदुओं का प्रतीक है। फिर इसी क्रम में किसी ने गेरुआ रंग डालने का विचार इस तर्क के साथ दिया कि ये हिंदू, मुसलमान और सिख तीनों धर्म को व्यक्त करता है।

काफ़ी तर्क-वितर्क के बाद भी जब सब एकमत नहीं हो पाए तो सन् 1931 में अखिल भारतीय कांग्रेस के ध्वज को मूर्तरूप देने के लिए 7 सदस्यों की एक कमेटी बनाई गई। इसी साल कराची कांग्रेस कमेटी की बैठक में पिंगली वेंकैया द्वारा तैयार ध्वज, जिसमें केसरिया, श्वेत और हरे रंग के साथ केंद्र में अशोक चक्र स्थित था, को सहमति मिल गई। इसी ध्वज के तले आज़ादी के परवानों ने कई आंदोलन किए और 1947 में अंग्रेज़ों को भारत छोड़ने पर मजबूर कर दिया। आज़ादी की घोषणा से कुछ दिन पहले फिर कांग्रेस के सामने ये प्रश्न आ खड़ा हुआ कि अब राष्ट्रीय ध्वज को क्या रूप दिया जाए इसके लिए फिर से डॉ. राजेंद्र प्रसाद के नेतृत्व में एक कमेटी बनाई गई और तीन सप्ताह बाद 14 अगस्त को इस कमेटी ने अखिल भारतीय कांग्रेस के ध्वज को ही राष्ट्रीय ध्वज के रूप में घोषित करने की सिफ़ारिश की। 15 अगस्त 1947 को तिरंगा हमारी आज़ादी और हमारे देश की आज़ादी का प्रतीक बन गया। राष्ट्रीय ध्वज हमारे देश की पहचान है इसलिए इसे हर भारतीय सम्मान दे ये तो ज़रूरी है ही कोई भी व्यक्ति इसकी गरिमा को धूमिल ना करे इसके लिए भारतीय कानून में कुछ धाराएँ बनाई गई है। फ्लैग कोड इंडिया - 2002 में राष्ट्रीय ध्वज से जुड़ी कुछ ख़ास बातों का ज़िक्र किया गया है जिसे हम भारतीयों को जानना ज़रूरी है। सन् 2002 के पहले आम जनता राष्ट्रीय दिवस को छोड़ किसी और दिन इसे किसी सार्वजनिक स्थान पर नहीं लगा सकती थी। सिर्फ़ सरकारी कार्यालयों में ही इसे लगाया जा सकता था। सन् 2002 में भारत के जाने माने उद्योगपति नवीन जिंदल ने अपने कार्यालय के ऊपर राष्ट्रीय ध्वज लगाया था जिसके लिए उन्हें सूचित किया गया कि उन्हें ऐसा करने पर कानूनी कार्यवाही से गुज़राना होगा। इसके विरोध में उन्होंने दिल्ली उच्च न्यायालय में एक जन हित याचिका इस बाबत दायर की कि भारत की आम जनता को सम्मान के साथ राष्ट्रीय ध्वज लहराने और उसे प्यार देने का नागरिक अधिकार है। यह मामला उच्च न्यायालय से उच्चतम न्यायालय में गया और न्यायालय ने भारत सरकार को इस मामले पर विचार करने के लिए एक कमेटी बिठाने की सलाह दी। अंत में भारतीय मंत्रालय ने एक संवैधानिक संशोधन कर सभी भारतवासियों को साल के 365 दिन राष्ट्रध्वज सम्मान के साथ लगाने का अधिकार दिया। इसी के साथ ध्वज के सम्मान की बात भी स्पष्ट कर दी गई कि ध्वज फहराने के समय किस आचरण संहिता का ध्यान रखा जाना चाहिए। राष्ट्रीय ध्वज कभी भूमि पर नहीं गिरना चाहिए और ना ही धरातल के संपर्क में आना चाहिए। सन् 2005 के पहले तक इसे वर्दियों और परिधानों में उपयोग में नहीं लाया जा सकता था, लेकिन सन 2005 में फिर एक संशोधन के साथ भारतीय नागरिकों को इसका अधिकार दिया गया।

लेकिन इसमें ध्यान रखने वाली बात ये है ये किसी भी वस्त्र पर कमर के नीचे नहीं होना चाहिए। राष्ट्रीय ध्वज कभी अधोवस्त्र के रूप में नहीं पहना जा सकता है।

स्वतंत्रता दिवस का महत्व

एक बार फिर स्वतंत्रता दिवस आ गया। आजादी के बाद से लगातार आ रहा है, फिर भी पहचानना पड़ता है। 15 अगस्त हमारा राष्ट्रीय पर्व है। इसका बहुत महत्व है। इसका सबसे ज्यादा महत्व फिल्मवालों के लिए है। यदि यह दिन नहीं होता तो वे देशभक्ति की बातें किस माध्यम से कहते यह विचारणीय प्रश्न है। फिल्म वालों ने इस दिन के माध्यम से इतनी देशभक्ति दिखाई है कि खुद देश की आत्मा तक कांप उठी है। मनोज कुमार का योगदान इस क्षेत्र में अतुलनीय है। उन्होंने भारत कुमार नामक स्वतंत्रता संग्राम सेनानी देश को निजी तौर पर सौंपा है। सिनेमा वालों ने भी उनकी तर्ज पर क्रांतिवीर नाना पाटेकर फिल्म इंडस्ट्री को प्रदान किया है। मनोज कुमार ने आर्ट और कमर्शियल सिनेमा के बीच देशभक्ति सिनेमा की एक और समांतर रेखा भी खींची है। ये भी फिल्मी रेखा की तरह अपने जमाने में खूब चली है। कई फिल्म निर्माताओं और नायकों ने भी अपना जीवन इसी देशभक्ति के नाम पर होम किया है। वो बात अलग है कि इस होम करने की प्रक्रिया में केवल उनके होम ही बड़े बंगलों में बदले हैं। सिनेमा वालों के समान ही कैसिट कंपनी वालों के लिए भी इस दिन का महत्व है। वे इस दिन इतनी-इतनी आवाजों में इतनी-इतनी देशभक्ति पूरे देश में वितरित करते हैं कि कश्मीर से कन्याकुमारी तक हर कान को काम मिल जाता है। देशभक्ति का एक-एक गाना तक इतनी भयानक आवाजों में पेश किया जाता है कि बेचारा गाना तक अपनी हालत को लेकर द्रवित हो जाता है, आम आदमी भी लगे हाथों इसी बहाने देश के प्रति द्रवित होने का कर्त्तव्य निपटा लेता है। तो 15 अगस्त हमारा राष्ट्रीय त्योहार है। इस दिन का बड़ा महत्व है। इस दिन का हलवाइयों में भी बेहद महत्व है। वे दुकान के लिए बूंदी के नियमित उत्पादन के अलावा अतिरिक्त उत्पादन भी करते हैं। सरप्लस उत्पादन रूटीन उपभोक्ताओं के अलावा आस-पड़ोस के स्कू लों के लिए होता है। कुछ होशियार हलवाई कई स्कूलों तक पहुंच बनाकर आर्थिक स्वतंत्रता का महत्व भी समझ जाते हैं। इस दिन का सरकार के लिए भी बेहद महत्व है। सरकार बड़े सरकारी भवनों से लेकर सारे विभागों के रोशन कर देती है। इस माध्यम से दिन की रोशनी में स्वतंत्रता दिवस ठीक से नहीं समझ सके लोगों से उम्मीद की जाती है कि वे अब रात की रोशनी में इस बारे में समझशील बनें। सरकार कई आयोजन करवाती है। फिर छुट्टी देकर देशभक्ति के अतिरिक्त महत्व से भी जनता को अवगत करवाती है। कर्मचारियों के दिलों में भी इस दिन का बड़ा महत्व है। वे इस दिन को कितना आदर देते हैं यह किसी से छिपा नहीं है। वे पूरे दिन अपनी नींद निकालते हैं। घरेलू काम निपटाते हैं। आलू-प्याज लाकर घर में भरते हैं। किराना लाकर पटकते हैं। दोपहर को टीवी पर आ रही देशभक्ति की पिक्चर के माध्यम देश के प्रति चिंतन का कार्यक्रम भी निपटा देते हैं। इस दिन बच्चों को कूटने के लिए कुछ समय भी अलग से रखा जाता है। फिर सुकून से दोस्त के घर गप्पें लड़ाने के लिए निकल जाते हैं। इस पूरे कार्य के दौरान इस दिन का महत्व उनके दिमाग में लगातार बना रहता है। यह दिन महत्वपूर्ण है ही। सबके लिए इसका अत्यंत महत्व है। इसी तरह बुजुर्गों के लिए इस दिन का अत्यधिक महत्व है। पूरा दिन वे टीवी देखने, अखबार पढ़ने और खांसने की गतिविधि को समर्पित करते हैं, जैसा कि वे रोज करते हैं। इस दिन अतिरिक्त गतिविधि के अंतर्गत खांसी के साथ गौरवशाली अतीत की जुगलबंदी पेश करते हैं। बेटा खांसी के चलते उनसे दूरी बनाता है, पोता अतीत की बीमारी से बचने के लिए उनसे कन्नी काटता है। दोनों ही मामलों में उनकी वर्तमान को कोसने की व्यस्तता बढ़ जाती है। बच्चे तक इसके महत्व से परिचित हैं। हर बच्चे को पता है कि इस दिन स्कूल केवल कुछ देर के लिए ही खुलता है। वहां मिठाई मिलती हैं। फिर स्कूल की छुट्टी हो जाती है। मांओं-पत्नियों के लिए इस दिन का अलग ही महत्व है। उनके लिए यह दिन खटने के लिए होता है। पति-बेटे बैठे-बैठे लगातार पोहे-पकौड़े की फरमाइशें करते रहते हैं। वे न तो अपना पंसदीदा सीरियल देख पाती हैं न ही पड़ोसन से गप्प लगाने का नियमित आयोजन समपन्न कर पाती हैं। इस तरह पूरे परिवार के लिए इस दिन का बड़ा महत्व है। पूरे देश के लिए ही महत्व है। सारा राष्ट्र ही इसके महत्व से पूरी तरह अवगत होता है। देश का एक-एक प्राणी तक इस बारे में अपनी जानकारियों का विस्तार करता है। इतने महत्वपूर्ण दिन के बारे में जानते-जानते मामूली सी बात जानने से चूक जाते हैं कि इस दिन हजारों शहीदों के बलिदान से हमें आजादी मिली थी।

सांस्कृतिक विरासत का अंग अशोक स्तंभ

हमारी सांस्कृतिक विरासत का ही एक अंग है, हमारा राष्ट्रीय चिह्न, जिसे हमने सम्राट अशोक की विरासत के रूप में प्राप्त किया है। सारनाथ में जहाँ गौतम बुद्ध ने सर्वप्रथम अपने ज्ञान के प्रकाश से संसार को आलोकित किया था, वहाँ सम्राट अशोक ने शिलालेख और यह चिह्न स्थापित किया था। यहीं से इस चिह्न को राष्ट्रीय के रूप में अपनाया गया। यह चिह्न सम्राट अशोक और महात्मा बुद्ध की शिक्षाओं की स्मृति को तो ताजा करता ही है, वरन इस चिह्न में हमारी असीम सांस्कृतिक विरासत भी झलकती है। यद्यपि यह विवरण प्राप्त नहीं है कि सम्राट अशोक के काल में इस चिह्न का निर्माण और प्रचलन कब हुआ परंतु यह निश्चित है कि इस चिह्न का संबंध सम्राट अशोक से है और संभव है इस चिह्न का प्रचलन पहले से रहा हो। यह इस चिह्न में निहित गूढ़ अर्थों से ज्ञात होता है, जो ज्ञान की सर्वोच्च पराकाष्ठा को प्रदर्शित करते हैं।

सांकेतिक भाषा में विचारों और भावनाओं को चिह्नों या चित्रों के माध्यम से प्रकट करने का इतिहास अति प्राचीन है। द इसी सांकेतिकता का उपयोग सम्राट अशोक के इस चिह्न में भी परिलक्षित होता है। सामान्य दृष्टि से इस चिह्न को देखकर यही कहा जाएगा कि सिंह, शक्ति और गौरव के प्रतीक तथा आधार पर स्थित अश्व, ऊर्जा एवं गति, वृषभ, कठिन परिश्रम एवं धैर्य तथा इन दोनों के मध्य स्थित चक्र धर्म को प्रदर्शित करता है। परंतु इस चिह्न का गूढ़ार्थ ऋग्वेद के अध्ययन से ज्ञात होता है, जिसे संसार में मानव सभ्यता का सबसे प्राचीनतम ग्रंथ माना जाता है। इस ग्रंथ की भाषा भी सांकेतिक है। संक्षेप में यदि कहा जाए तो यह चिह्न सृष्टि की निरंतरता, जीवन और उस पर एक आधारभूत परम मौलिक ऊर्जा के नियंत्रण को प्रदर्शित करता है।

सृष्टि निर्माण और पृथ्वी पर जीवन का कुछ उद्देश्य भी है अथवा नहीं। इस संबंध में जिज्ञासा मानव का आदि स्वभाव रहा है। आज आधुनिक वैज्ञानिक युग में भी, मनुष्य इस संबंध में उतना ही जिज्ञासु है, जितना हजारों वर्ष पहले था जब वेद अस्तित्व में आए। सृष्टि निर्माण संबंधी प्रश्न ऋग्वेद के दशम मंडल में उठाए गए हैं तथा उनका युक्तियुक्त उत्तर देने का प्रयत्न ज्ञान के अनुसार किया गया है। और अंत में अपने ज्ञान की सीमाओं को स्वीकार करते हुए यह कहा गया है कि यह सृष्टि जहाँ से उत्पन्न हुई, अथवा इसका कोई आधार है या नहीं, यह सब कुछ वही जानता है जो व्योम में सर्वत्र व्याप्त है अथवा हो सकता है वह भी न जानता हो। (ऋ10-129-7) अर्थात् यहाँ जब स्पष्ट किया जा रहा है कि

जितना ज्ञान हमें प्राप्त है, उनके अनुसार हमने सृष्टि के निर्माण का वर्णन किया है।

सृष्टि निर्माण प्रक्रिया का वर्णन नारदीय सूक्तों में मिलता है। प्राचीन मत में जगत की सृष्टि एक प्राकृतिक उत्पत्ति मानी गई हैं। सृष्टि निर्माण प्रकृति की जिन शक्तियों के द्वारा होता है, उन्हें देव तुल्य मानकर यह बताया गया कि समस्त देवताओं ने मिलकर जगत की उत्पत्ति की। नारदीय सूक्तों में ज्ञान वृद्धि के साथ जगत की उत्पत्ति को आधारभूत परम मौलिक ऊर्जा से क्रमशः विकसित बताते हुए प्रकृति की शक्तियों को इसमें कारण और सहायक माना है। इसी आधारभूत परम मौलिक ऊर्जा को परम पुरूष, विश्वकर्मा, प्रजापति तथा हिरण्यगर्भ नाम दिए गए। इसे ही उपनिषदों में परब्रह्म या विश्वात्मा कहा गया है।

पुरूष सूक्त में आधारभूत परम मौलिक ऊर्जा को परम पुरूष की संज्ञा देते हुए इसे सहस्त्र शीर्षा पुरूषः (10-90-1) अर्थात् इसे हजारों सिर, हजारों आँखें और हजारों पाँवोंवाला बताकर यह संकेत दिया गया है कि वह सर्वत्र उपस्थित है। इसी श्लोक में आगे कहा गया कि वह समस्त भूत जात प्रकृति को आच्छादित करके मनुष्य शरीर के दस अंगुलवाले स्थान अर्थात हृदय गुहा में स्थित है। यह पुरूष ही जगत है, जो पहले था और भविष्य में होगा। (ऋ10-90-2क)। इस पुरूष का एक चौथाई भाग दृश्य जगत-मृत्यु लोक के प्राणी हैं और उसका तीन चौथाई भाग अदृश्य स्वर्गवासी अमरों का लोक हैं (10-90-3 स)। अर्थात् जो सृष्टि हमें दिखाई दे रही है, वह उसका चतुर्थांश है, और तीन चतुर्थांश भाग अदृश्य जगत का भाग होकर समस्त भूत जात प्रकृति को घेरे हुए हैं। इसी परम पुरूष से ब्रह्माण्ड आदि की उत्पत्ति बताते हुए यह प्रतिपादित किया गया कि प्रकृति की दिव्य शक्तियाँ, पुरूष द्वारा प्रदत्त जगत रचना सामग्री द्वारा सृष्टि यज्ञ को विस्तारित करती हैं। अर्थात् सृष्टि में जो भी निरंतर क्रियाएँ और प्रतिक्रियाएँ हो रही हैं, उन्हें सृष्टि यज्ञ द्वारा प्रतिपादित किया गया है। इस प्रकार उसे आधारभूत परम मौलिक ऊर्जा से ब्रह्मांड और सृष्टि के विभिन्न घटकों की उत्पत्ति उस पुरूष के विभिन्न अंगों से बताते हुए। मनुष्य शरीर और ब्रह्मांड में समानता दिखाई गई है।

अशोक चिह्न में इसे इस प्रकार से दर्शाया गया है कि इसमें प्रदर्शित चार शेर और सामने से दृष्टिगत शेरों के चार पैर परम मौलिक ऊर्जा के चार अंशों का प्रतिनिधित्व करते हैं। किसी भी दिशा से सामने देखने पर शेरों के तीन मुँह और चार पैर ही दृष्टिगोचर होते हैं। जिससे यह तात्पर्य निकलता है कि इस मौलिक ऊर्जा के चार अंशों में से तीन अंश ऊपर उठकर आकाश में अवस्थित हैं, शेर के माध्यम से इस मौलिक ऊर्जा की अभिव्यक्ति इसे सर्वशक्तिमान प्रतिपादित करती है। अशोक चिह्न में शेरों के आधार पर स्थित पशु और चक्र, इस परम मौलिक ऊर्जा के एक अंश का प्रतीक होकर दृश्य जगत का भाग है। इसमें चिह्नित अश्व एवं गाय चैतन्य जगत का प्रतिनिधित्व करने के साथ, परम मौलिक ऊर्जा तथा प्रकृति को अभिव्यक्त करते हैं। इस ऋचा में परम मौलिक ऊर्जा से चैतन्य जगत की उत्पत्ति की ओर संकेत किया है कि उसी से अश्व तथा ऊपर और नीचे दोनों ओर दाँत वाले पशु उत्पन्न होते हैं। उसी से गायें उत्पन्न होती हैं तथा बकरी और वनस्पति भी उसी से उत्पन्न होते हैं। यहाँ अजावय- अजआवय- से तात्पर्य बकरी और वनस्पति से प्रतीत होता है। वेद में स्थूल रूप से महत्वपूर्ण पाँच पशु माने गए हैं, पुरूष, अश्व, गौ, अज ये प्रसिद्ध नाम हैं तथा अवि उस पशु प्राण का नाम हैं, जो वनस्पतियों को स्वपोषी बनाता है। कहने का तात्पर्य यह है कि अशोक चिह्न में चैतन्य जगत को अश्व एवं गाय के द्वारा अभिव्यक्त किया गया है। इसका दूसरा महत्व एवं संकेत यह है कि वैदिक ज्ञान के अनुसार सृष्टि को प्रकृति-पुरूषात्मक अर्थात मैथुनी सृष्टि कहा गया है। अर्थात् प्रकृति के आधारभूत तत्व परम पुरूष (मौलिक ऊर्जा) से संयोग कर प्रकृति की विभिन्न शक्तियों और घटकों का निर्माण करती है और प्रकृति अस्तित्व में आती हैं। अशोक चिह्न में इस मैथुनी स्वभाव को अभिव्यक्त करने के लिए अश्व और गाय का उपयोग किया गया है। परम मौलिक ऊर्जा के ऊर्जावान गति स्वरूप को अश्व के माध्यम से अभिव्यक्त किया गया है, तथा चक्र के दूसरी ओर प्रकृति तथा प्रकृति की मातृवत् पोषण शक्ति को गाय के माध्यम से अभिव्यक्त किया गया है। आधारभूत मौलिक ऊर्जा और प्रकृति का संयुक्त प्रयास यह सृष्टि है। जो भूमि चक्र के रूप में कार्य कर रही है। इस सृष्टि चक्र को चक्र के माध्यम से मध्य में उत्कीर्ण किया गया है।

न्यूजीलैंड में फल और सब्जियां महंगी

ऑकलैंड । भारत समेत कई देशों में इस समय विभिन्न माल और सेवाओं की कीमतों में भारी बढ़ौतरी होने के कारण अर्थव्यवस्था में काफी उथल-पुथल देखने को मिल रही है। न्यूजीलैंड में रोजमर्रा की जरूरतों की चीजों की कीमतें आसमान छूने से आम लोगों की पकड़ से दूर होती जा रही हैं। लगभग सभी सब्जियों व फलों की कीमतें 3 गुना तक हो गई हैं। यहां टमाटर प्रति किलो 13 से 17 डॉलर व प्याज 5 डॉलर प्रति किलो पहुंच गई है। महंगाई को संभालने के लिए देश के प्रधानमंत्री क्रिस हिप्किन्स ने फलों और सब्जियों को जी.एस.टी. फ्री करने की घोषणा की है। सरकार का मानना है कि इस फैसले से सब्जियों के दामों में 15 प्रतिशत तक गिरावट आएगी जिससे लोगों की क्रय शक्ति में इजाफा होगा और देश की जी.डी.पी. में उछाल देखने को मिलेगा। चंद ही महीनों में राष्ट्रीय स्तर पर चुनाव होने वाले हैं, ऐसे में प्रधानमंत्री के निर्णय को विपक्ष ने चुनावी स्टंट करार दिया।

महाराष्ट्र और मप्र में सस्ता हुआ पेट्रोल और डीजल

- ब्रेंट क्रूड 0.30 डॉलर की गिरावट के साथ 86.51 डॉलर प्रति बैरल

नई दिल्ली । वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में हल्की गिरावट दिख रही है। डब्ल्यूटीआई क्रूड 0.25 डॉलर गिरकर 82.94 डॉलर प्रति बैरल पर बिक रहा है। वहीं ब्रेंट क्रूड 0.30 डॉलर की गिरावट के साथ 86.51 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है। देश में तेल मार्केटिंग कंपनियों ने पेट्रोल-डीजल के ताजा रेट जारी कर दिए हैं। महाराष्ट्र में पेट्रोल की कीमत में 40 पैसे और डीजल में 39 पैसे की गिरावट है। मध्य प्रदेश में पेट्रोल 25 और डीजल 22 पैसे सस्ता हो गया है। केरल में भी पेट्रोल और डीजल की कीमत में तेज गिरावट आई है। दूसरी ओर झारखंड में पेट्रोल और डीजल 26 पैसे महंगा हो गया है। गुजरात में पेट्रोल और डीजल की कीमत में 27 पैसे का इजाफा दिख रहा है। राजस्थान में पेट्रोल 12 पैसे और डीजल 11 पैसे महंगा हुआ है। दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपए और डीजल 89.62 रुपए प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपए और डीजल 94.27 रुपए प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपए और डीजल 92.76 रुपए प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 102.74 रुपए और डीजल 94.33 रुपए प्रति लीटर, नोएडा में पेट्रोल 96.65 रुपए और डीजल 89.82 रुपए प्रति लीटर हो गया है। गाजियाबाद में पेट्रोल 96.58 रुपए और डीजल 89.75 रुपए प्रति लीटर हो गया है। लखनऊ में पेट्रोल 96.62 रुपए और डीजल 89.66 रुपए प्रति लीटर हो गया है। पटना में पेट्रोल 107.30 रुपए और डीजल 94.04 रुपए प्रति लीटर हो गया है। पोर्टब्लेयर में पेट्रोल 84.10 रुपए और डीजल 79.74 रुपए प्रति लीटर हो गया है।

एसपीआईसी का मुनाफा अघटकर 43.97 करोड़ हुआ

चेन्नई। साउदर्न पेट्रोकेमिकल्स इंडस्ट्रीज कॉरपोरेशन लिमिटेड (एसपीआईसी) का चालू वित्त वर्ष की पहली अप्रैल-जून तिमाही में मुनाफा घटकर 43.97 करोड़ रुपए रहा। कंपनी का पिछले वित्त वर्ष की पहली तिमाही में मुनाफा 66.85 करोड़ रुपए था। वहीं 31 मार्च 2023 को समाप्त वित्त वर्ष के लिए मुनाफा 284.44 करोड़ रुपए रहा था। एसपीआईसी की ओर से जारी एक बयान के अनुसार समीक्षाधीन अवधि में कंपनी की कुल आय 571.19 करोड़ रुपए रही, जो पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में 753.07 करोड़ रुपए थी।

अमेरिका में मंदी नहीं आएगी !: अर्थशास्त्री

वाशिंगटन ।

संयुक्त राज्य अमेरिका (यूएस) के मंदी से बच जाने की उम्मीद जताई जा रही है। कई अर्थशास्त्री इस बात को लेकर आश्वस्त दिख रहे हैं कि अमेरिका में मंदी नहीं आएगी। ऐसा मानने वाले अर्थशास्त्रियों में फेडरल रिजर्व (यूएस का केंद्रीय बैंक) का अपना स्टाफ भी शामिल है। हालांकि, वे यह भी मान रहे हैं कि इस बात को लेकर सुनिश्चित होने में 2024 भी लगभग पूरा बीत जाएगा। फेडरल रिजर्व के प्रमुख जेरोम पावेल का कहना है कि महंगाई एक बार फिर 2 फीसदी के संतोषजनक दायरे के अंदर आ जाएगी लेकिन यह काफी चुनौतीपूर्ण होगा। बार्कलेज़ कैपिटल इंक के वरिष्ठ अर्थशास्त्री जोनाथन मिलर ने कहा कि दुर्भाग्य से, मुझे नहीं लगता कि इनमें से किसी पर भी तस्वीर कम से कम दो तिमाहियों तक स्पष्ट होगी, हालांकि यह सही है कि मुद्रास्फीति में कमी आई है, जिससे फेड को अभी कुछ समय मिल गया है। उन्होंने कहा कि ऐसा लगता है कि फेडरल रिजर्व को इस बात का अंदाजा अच्छे से है कि मंदी से बचने की राह सुगम (सॉफ्ट लैंडिंग) तो बिलकुल नहीं है। सॉफ्ट लैंडिंग की इन मामलों में कोई तय परिभाषा नहीं है लेकिन एक आम मत यह है कि जब महंगाई को बगैर श्रमबल को हानि पहुंचाए या मंदी में गए, कम किया जाता है तो उसे सॉफ्ट लैंडिंग कहते हैं।

अर्थशास्त्री एना वॉन्ग का कहना है कि फेडरल रिजर्व एक लंबे समय की बात कर रहा है. उन्होंने कहा कि केंद्रीय बैंक की ओपन मार्केट कमिटी (पॉलिसी सेटिंग ग्रुप) का अनुमान है कि 2025 तक महंगाई दर 2 फीसदी तक आ जाएगी। बकौल वॉन्ग हालांकि एक सधी हुई अर्थव्यवस्था और स्थिर दामों की तस्वीर अगले साल के आखिरी कुछ महीनों में ही साफ हो जाएगी। उन्होंने कहा कि हाल में जारी हुए बेरोजगारी के आंकड़ों ने सभी को चौंका दिया है। यूएस में बेरोजगारी दर घटकर 3.5 फीसदी पर आ गई है जो पिछले एक दशक में सबसे कम है।एक अन्य अर्थशास्त्री का कहना है कि बाजार में मंदी के साथ कीमतों में तेज उछाल देखने को मिल सकता है। उन्होंने कहा है कच्चे तेल की कीमतें ऊपर जाएंगी व घर भी महंगे होंगे जिससे लोगों की बहुत ज्यादा आय किराये में चली जाएगी। उनका कहना है कि सॉफ्ट लैंडिंग हुई है या नहीं इसका पता इसके घटित होने के बाद ही पता चलेगा।

सेबी ने मनीष गोयल पर लगाया जुर्माना

नई दिल्ली । बाजार नियामक सेबी ने शेयर बाजार के नियमों का उल्लंघन करने के मामले में सेबी में पंजीकृत अनुसंधान विश्लेषक मनीष गोयल पर 60 लाख रुपए का जुर्माना लगाया है। गोयल को यह जुर्माना 45 दिन के अंदर जमा करना होगा। सेबी ने अपने 46 पन्नों के आदेश में कहा कि मनीष ने एक अनुसंधान विश्लेषक के रूप में अपनी सेवाओं के लिए शुल्क लेकर 583 ग्राहकों से 4.16 करोड़ रुपए जुटाए। हालांकि, अनुसंधान विश्लेषक (आरए) के तौर पर वह मानदंडों की बुनियादी आवश्यकताओं का पालन करने में विफल रहे। उन्होंने सुनिश्चित रिटर्न का भी वादा किया और ग्राहकों को अपनी सेवाएं गलत तरीके से बेचीं। नियामक ने पाया कि मनीष ने संदेश एप व्हाट्सएप, टेलीग्राम पर विभिन्न समूहों के सदस्यों को आश्वासन दिया था कि यदि किसी विशेष स्टॉक अनुशंसा के कारण किसी को नुकसान होता है तो उन्हें एक स्टॉक अनुशंसा मुफ्त में मिलेगी।

अडाणी समूह के शेयरों में आई गिरावट

नई दिल्ली । अडाणी समूह की बंदरगाह कंपनी से लेखा परीक्षक के तौर पर डेलॉयट के इस्तीफा देने के बाद सोमवार को समूह के शेयरों में गिरावट देखी गई। डेलॉयट ने इस्तीफा देने से पहले हिंडनबर्ग रिसर्च के आरोपों की बाहर से स्वतंत्र जांच कराने की मांग की थी। बीएसई पर अडाणी एंटरप्राइजेज के शेयरों में 5.41 प्रतिशत की गिरावट आई, अडाणी ट्रांसमिशन में 4.77 प्रतिशत, अडाणी पावर में 4.23 प्रतिशत, अंबुजा सीमेंट्स में चार प्रतिशत और अडाणी पोर्ट्स में 3.70 प्रतिशत की गिरावट आई। अडाणी ग्रीन एनर्जी के शेयर में 3.22 प्रतिशत, अडाणी विल्मर के 3.14 प्रतिशत, अडाणी टोटल गैस के तीन प्रतिशत, एनडीटीवी के तीन प्रतिशत और एसीसी में 2.23 प्रतिशत की गिरावट आई। अडानी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक जोन (एपीएसईजेड) ने शेयर बाजार को भेजे 163 पृष्ठ की रिपोर्ट में डेलॉयट हास्किंस एंड सेल्स एलएलपी का इस्तीफा भेजा था। एपीएसईजेड के अनुसार, डेलॉयट के अधिकारियों ने बैठक में अडाणी समूह की अन्य सूचीबद्ध कंपनियों के लेखा परीक्षक (ऑडिटर) के रूप में व्यापक ऑडिट भूमिका की कमी पर चिंता व्यक्त की। हिंडनबर्ग रिसर्च ने जनवरी में अडाणी पर शेयरों की कीमतों में हेराफेरी करने और खातों में धोखाधड़ी का आरोप लगाया था। साथ ही अमेरिकी कंपनी ने फर्जी कंपनियों के जरिए धन के गुपु-चुप लेनदेन का भी आरोप लगाया था। डिलॉयट ने हाल ही में रिपोर्ट में उल्लेखित कुछ लेन-देन पर चिंता व्यक्ति की थी।

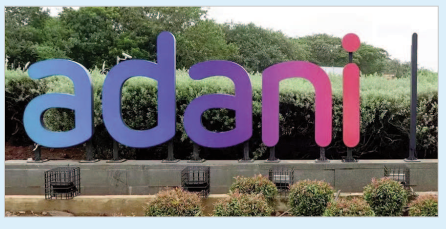

मामूली बढ़त के साथ बंद हुए बाजार

मुम्बई ।

शेयर बाजार सोमवार को हल्की बढ़त पर बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन बाजार में ये बढ़त दुनिया भर के बाजारों से मिश्रित रुझानों के बीच ही खरीददारी से आई है। आज के कारोबार में बीएसई सेंसेक्स और एनएसई निफ्टी ऊपर आया। बाजार ने दूसरे सत्र में इंफोसिस, हिंदुस्तान यूनिलीवर, रिलायंस इंडस्ट्रीज, आईसीआईसीआई बैंक और एलएंडटी के शेयरों में तेजी से नुकसान की काफी भरपायी की। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों वाला बीएसई सूचकांक सेंसेक्स 79.27 अंक करीब 0.12 फीसदी बढ़कर 65,401.92 अंक पर बंद हुआ। वहीं कारोबार के दौरान सेंसेक्स 65,517.82 तक ऊपर जाने के बाद 64,821.88 तक फिसला।

दूसरी ओर निफ्टी में भी 6.25 अंक तकरीबन 0.03 फीसदी की हल्की बढ़त आई।पचास शेयरों वाला निफ्टी दिन के अंत में जाकर 19,434.55 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान निफ्टी 19,465.85 तक ऊपर जाने के बाद 19,257.90 तक फिसला है। आज के कारोबार में सेंसेक्स के शेयरों में से 13 शेयर लाभ के साथ ही हरे निशान पर बंद हुए। इंफोसिस, एचयूएल, रिलायंस, आईसीआईसीआई बैंक और एलएंडटी सबसे अधिक लाभ वाले पांच शेयर रहे। वहीं सबसे ज्यादा लाभ इंफोसिस के शेयरों को हुआ। इसके शेयर करीब 1.58 फीसदी तक ऊपर आये। इसके अलावा एशियन पेंट्स, नेस्ले इंडिया, एक्सिस बैंक, विप्रो, कोटक बैंक, पावर ग्रिड, आईटीसी और टीसीएस रहे।

वहीं दूसरी ओर सेंसेक्स के शेयरों में से 17 शेयर नुकसान के साथ ही नीचे आये हैं। जेएसडब्ल्यू स्टील, एसबीआई, टाटा स्टील, बजाज फिनसर्व और अल्ट्राटेक सीमेंट सेंसेक्स के शेयरों को सबसे ज्यादा नुकसान हुआ। जेएसडब्ल्यू के शेयर सबसे ज्यादा करीब 2.47 फीसदी तक नीचे आये। इससे पहले आज सुबह बाजार की शुरुआत गिरावट के साथ हुई है। सेंसेक्स 300 अंक टूटा, निफ्टी 19350 के नीचे खुला। सेंसेक्स 337.48 अंक की गिरावट के साथ 64,985.17, के स्तर पर कारोबार कर रहा था। वहीं निफ्टी 110.80 अंक की गिरावट के साथ 19,317.50 स्तर पर कारोबार कर रहा था। प्री-ओपनिंग में बाजार में गिरावट देखने को मिली है।

सेंसेक्स 102.39 अंक की गिरावट के साथ 65,220.26 के स्तर पर कारोबार कर रहा था। वहीं निफ्टी 43 अंक की गिरावट के साथ 19,385.30.के स्तर पर कारोबार कर रहा था।

एसबीआई की अमृत कलश स्कीम में निवेश के लिए मात्र दो दिन ओर

नई दिल्ली ।

कई बैंकों ने अपने एफडी पर मिलने वाले ब्याज की दर में जोरदार इजाफा किया है। देश के सबसे बड़े बैंक एसबीआई की अमृत कलश स्कीम भी इस सूची में शामिल है। इस पर 7 फीसदी से ज्यादा ब्याज निवेशकों को दिया जा रहा है, लेकिन अब इस स्कीम में निवेश करने के लिए महज दो दिन का समय ही बचा है। स्वतंत्रता दिवस 15 अगस्त 2023 तक ही ये योजना वैलिड है। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया की अमृत कलश एफडी स्कीम में निवेश करने के लिए मंगलवार तक का ही समय बचा हुआ है। एसबीआई ने इस स्कीम को ग्राहकों के लिए इस साल 12 अप्रैल को लॉन्च किया था। ये एसबीआई की 400 दिनों के निवेश वाली स्पेशल स्कीम है। इसमें एफडी करना पर मासिक, तिमाही और छमाही आधार पर ब्याज दिया जाता है, जो टीडीएस काटकर आपने अकाउंट में जमा कर दिया जाता है। एसबीआई की वेबसाइट के मुताबिक इस 400 दिनों की स्पेशल एफडी स्कीम पर बैंक सामान्य निवेशकों को 7.10 फीसदी की दर से इंटरेस्ट दे रहा है। वहीं अगर सीनियर सिटीजंस की बात करें तो उन्हें इसके तहत 7.60 फीसदी की दर से ब्याज दिया जाता है। 400 दिनों में मैच्योर होने वाली इस स्कीम में अगर सामान्य निवेशक इस स्कीम के तहत एक लाख रुपए की एफडी करता है, तो सालाना आधार पर ब्याज के रूप में उसे 8,017 रुपए मिलेंगे, वहीं सीनियर सिटीजन को इस अवधि में 8,600 रुपए ब्याज मिलेगा।

थोक महंगाई दर जुलाई में तीन माह के उच्च स्तर पर

नई दिल्ली । सब्जियों की कीमतों में बढ़ोतरी होने से जुलाई में भारत की थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) आधारित मुद्रास्फीति जून में माइनस 4.12 फीसदी से बढ़कर तीन महीने के उच्चतम स्तर माइनस 1.36 फीसदी पर पहुंच गई है। हालांकि खनिज तेल, बुनियादी उत्पाद, धातु, रसायन और रासायनिक उत्पाद, कपड़ा और खाद्य उत्पाद की कीमतों में गिरावट देखी गई। केंद्रीय वाणिज्य मंत्रालय के सोमवार को जारी किए गए आंकड़ों से पता चलता है कि जुलाई में लगातार चौथे महीने डब्ल्यूपीआई मुद्रास्फीति डिफ्लेशनरी क्षेत्र में बनी हुई है। जून में जहां यह माइनस 4.12 फीसदी थी, वहीं मई में यह माइनस 3.48 फीसदी पर थी। मार्च में प्राथमिक वस्तुओं, विनिर्मित उत्पादों, ईंधन और बिजली के साथ-साथ भोजन सामग्री के सूचकांक में भारी गिरावट के कारण डब्ल्यूपीआई मुद्रास्फीति 29 महीने के निचले स्तर 1.34 प्रतिशत पर आ गई थी। अक्टूबर 2015 में डब्ल्यूपीआई मुद्रास्फीति अपने न्यूनतम स्तर माइनस 4.76 प्रतिशत पर आ गई थी।

सेबी ने अडानी ग्रुप-हिंडनबर्ग मामले में सुप्रीम कोर्ट से मांगा समय

नई दिल्ली ।

सेबी ने अडानी-हिंडनबर्ग मामले में फिर से सुप्रीम कोर्ट से और समय मांगा है। सेबी ने सुप्रीम कोर्ट में दाखिल किए अपने आवेदन में कहा कि केस पर पर्याप्त काम किया गया है और 15 दिनों के बाद रिपोर्ट सौंपी जाएगी। गौरतलब है कि सेबी इस मामले में कथित शेयर बाजार हेरफेर और शॉर्ट-सेलर के संचालन के तरीके सहित अडानी-हिंडनबर्ग इश्यू की जांच कर रही है। हालों कि सुप्रीम कोर्ट ने सेबी को 14 अगस्त तक का समय दिया था और 29 अगस्त को सुनवाई की तारीख तय की गई थी। अब सेबी इस मामले की फाइनल रिपोर्ट 29 अगस्त को ही सौंपेगी। इससे पहले डेयलॉयट ने अडानी एसईजेड के ऑडिटर के रूप में अपना इस्तीफा सौंपा था जिसकी वजह से सोमवार को अडानी ग्रुप के सभी शेयरों में गिरावट देखने को मिल रही है। इससे पहले डेलॉयट ने अडानी एसईजेड के ऑडिटर के तौर पर अपना इस्तीफा सौंप दिया है। इस्तीफा देने से पहले डेलॉयट ने अमेरिकी शॉर्टसेलर हिंडनबर्ग रिसर्च के आरोपों की बाहर से स्वतंत्र जांच कराने की मांग की थी। हालांकि कंपनी ने कहा कि आरोपों का वित्तीय लेखा-जोखा पर कोई असर नहीं पड़ा था और डेलॉयट के छोड़कर जाने के लिए बताया गया कारण संतोषजनक नहीं था। अडानी पोर्ट्स एंड स्पेशन इकोनॉमिक जोन (एपीएसईजेड) ने शेयर बाजार को भेजे 163 पन्नों की रिपोर्ट में डेलॉयट हास्किंस एंड सेल्स एलएलपी का इस्तीफा भेजा था। एपीएसईजेड ने कहा कि डेलॉयट के अधिकारियों ने बैठक में अडानी समूह की दूसरी लिस्टिड कंपनियों के ऑडिटर के रूप में व्यापक ऑडिट भूमिका की कमी पर चिंता व्यक्त की। हालांकि, फर्म ने ऑडिटर को बताया कि ऐसी नियुक्तियों की सिफारिश करना उसके अधिकार क्षेत्र में नहीं है।

नेपाल टमाटर निर्यात करने के लिए तैयार

नई दिल्ली ।

भारत में टमाटर की कीमतों को कम करने के लिए नेपाल टमाटर निर्यात करने के लिए तैयार हो गया है। हालांकि उसने बाजार तक आसान पहुंच बनाने के लिए जरूरी सुविधाएं मांगी हैं। पड़ोसी देश की ओर से कहा गया कि भारत को बड़ी मात्रा में टमाटर निर्यात करना चाहता है, लेकिन उसे बाजार और जरूरी सुविधाओं की पहुंच की जरूरत है। इससे पहले वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने संसद में बताया था कि भारत ने नेपाल से टमाटर का आयात शुरू किया है। इसके एक दिन बाद पड़ोसी देश की तरफ से यह मांग आई। दरअसल भारत में भारी बारिश की वजह से आपूर्ति में व्यवधान के बीच टमाटर की कीमतें करीब 242 रुपए प्रति किलोग्राम तक पहुंच गई थी। नेपाल कृषि मंत्रालय की प्रवक्ता ने बताया कि नेपाल लंबे समय तक भारत को टमाटर जैसी सब्जियां निर्यात करने का इच्छुक है, लेकिन इसके लिए भारत को अपने बाजार तक आसान पहुंच और अन्य सुविधाएं मुहैया करानी होंगी। उन्होंने कहा हालांकि नेपाल ने एक सप्ताह पहले ही आधिकारिक चैनलों के माध्यम से भारत को टमाटर का निर्यात शुरू कर दिया है, लेकिन यह बड़ी मात्रा में नहीं है।

हालांकि टमाटर के बड़े पैमाने पर निर्यात की व्यवस्था अभी की जानी बाकी है। उन्होंने कहा कि काठमांडू घाटी के तीन जिलों- काठमांडू, ललितपुर और भक्तपुर में टमाटर प्रचुर मात्रा में उगाए जाते हैं और यह स्थानीय मांग को पूरा करने के लिए पर्याप्त से अधिक है।

18 अगस्त को खुलेगा पिरामिड टेक्नोप्लास्ट का आईपीओ

- निवेशक 22 अगस्त, 2023 तक निवेश कर पाएंगे

नई दिल्ली ।

इंडस्ट्रियल पैकेजिंग कंपनी पिरामिड टेक्नोप्लास्ट भी अपना आईपीओ लाने जा रही है। पिरामिड टेक्नोप्लास्ट का आईपीओ एसबीएफसी फाइनेंस, कॉनकॉर्ड बायोटेक और टीवीएस सप्लाई चेन सॉल्यूशंस के बाद यह इस महीने खुलने वाला चौथा आईपीओ होगा। पिरामिड टेक्नोप्लास्ट का आईपीओ 18 अगस्त, 2023 को खुलने वाला है। इस इश्यू में निवेशक 22 अगस्त, 2023 तक निवेश कर पाएंगे। कंपनी अपने शेयरों को 151-166 रुपए के दायरे में बेचेगी और निवेशक लॉट के हिसाब से इन शेयरों के लिए बोली लगा सकते हैं। एक लॉट में कंपनी के न्यूनतम 90 शेयर होंगे और उसके बाद इसके मल्टीपल में शेयरों के लिए बोली लगा सकते हैं। रिटेल निवेशकों को एक लॉट (90 शेयर) की बोली लगाने के लिए न्यूनतम 14,940 रुपए लगाने होंगे और उनका अधिकतम निवेश 1,94,220 रुपए (1,170 शेयर) का हो सकता है। आईपीओ खुलने से एक दिन पहले 17 अगस्त को एंकर निवेशकों के लिए स्पेशल इश्यू लाया जाएगा। कंपनी अपने आईपीओ के तहत कुल 92.2 लाख शेयरों को बिक्री के लिए रखेगी। इसमें से 55 लाख नए शेयर होंगे, जिनकी बिक्री से मिलने वाला पैसा कंपनी के खाते में जाएगा। वहीं बाकी 37.2 लाख शेयरों को कंपनी के मौजूदा प्रमोटरों की बिक्री के लिए रखा जाएगा। 166 रुपए के ऊपरी प्राइस बैंड के लिहाज से कंपनी ने अपने आईपीओ से करीब 153.05 करोड़ रुपए जुटाने की योजना बनाई है।

15 अगस्त पर मेकमाईट्रिप और पर्यटन मंत्रालय ने पेश की 'ट्रैवलर्स मैप ऑफ इंडिया'

नई दिल्ली ।

भारत की अग्रणी ऑनलाइन ट्रैवल कंपनी मेकमाईट्रिप और पर्यटन मंत्रालय ने स्वतंत्रता दिवस पर देश के सबसे अधिक लोकप्रिय स्थलों के अलावा 600 से ज़्यादा जगहों के लिए 'ट्रैवेलर्स मैप ऑफ इंडिया' पेश किया है। कंपनी के अनुसार मेकमाईट्रिप द्वारा विकसित 'ट्रैवेलर्स मैप ऑफ इंडिया' माइक्रोसाइट यात्रियों को उनकी प्राथमिकताओं के अनुसार अपने देश में मौजूद बेहतरीन पर्यटन स्थलों की खोज करने के लिए एक मंच मुहैया कराता है। इस माइक्रोसाइट को भारत सरकार के दूरदर्शी कार्यक्रम 'देखो अपना देश' के अनुरूप तैयार किया गया है।

केंद्रीय पर्यटन व संस्कृति मंत्री जी किशन रेड्डी ने कहा कि हम भारत के विविध स्थानों को प्रस्तुत करने और घरेलू पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए मेकमाईट्रिप की पहल का स्वागत करते हैं। हम अपने देश को दुनिया भर में लोकप्रिय करने के अपने सामूहिक सपने को साकार करने के लिए ऐसी अन्य पहलों को भी स्वागत करते हैं। मेकमाईट्रिप के एक अधिकारी ने कहा कि यह 'ट्रैवलर्स मैप ऑफ इंडिया' करीब हर भारतीय यात्री की पंसद को दर्शाता है। हमने हमेशा भारत के पर्यटन-स्थलों की विविधता का समर्थन किया है और हम इस खोज के दायरे को और आगे बढ़ाना चाहते हैं। प्रत्येक भारतीय को देश के सांस्कृतिक, ऐतिहासिक, प्राकृतिक और भौगोलिक वंडर्स की धरोहर का सशक्त प्रवक्ता बनने के लिए इससे बेहतर और क्या तरीका हो सकता है।

उन्होंने कहा कि हम अपनी इस पहल का समर्थन करने के लिए पर्यटन मंत्रालय के आभारी हैं। यह भारत को दुनिया में सबसे अधिक मांग वाले पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने के मिशन में हमारे भरोसे की तसदीक करता है।

विश्व चैम्पियनशिप के लिए ट्रायल 25-26 अगस्त को पटियाला में; किसी भी पहलवान को छूट नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश में कुश्ती का संचालन कर रही तदर्थ समिति ने सोमवार को बताया कि विश्व चैम्पियनशिप के लिए 25 और 26 अगस्त को पटियाला में ट्रायल का आयोजन होगा जिसमें किसी भी पहलवान को छूट नहीं मिलेगी। एशियाई खेलों के ट्रायल से बजरंग पूनिया और विनेश फोगाट को दी गई छूट से भारी हंगामा हुआ था और कुश्ती जगत के अधिकांश लोगों ने तदर्थ समिति के इस फैसले की आलोचना की थी।

समिति ने 16-24 सितंबर तक बेलग्रेड में होने वाली विश्व चैंपियनशिप के लिए ट्रायल में किसी भी पहलवान को छूट नहीं देने की घोषणा की। विश्व चैम्पियनशिप के लिए खिलाडियों के चयन के लिए तय मानदंडों में तदर्थ पैनल ने कहा, '2022 और 2023 में आयोजित सभी अंतरराष्ट्रीय/ रैंकिंग/ एशियाई/ विश्व चैंपियनशिप/ राष्ट्रमंडल खेलों के पदक विजेता और प्रतिभागी के अलावा 2021 तोक्यो ओलंपिक खेलों के प्रतिभागी इस ट्रायल में हिस्सा ले सकते हैं।'

बजरंग और विनेश ने अभी तक इस ट्रायल में शामिल होने का मन नहीं बनाया है क्योंकि उनका मानना है कि 23 सितंबर से शुरू होने वाले हांगझोउ एशियाई खेल बहुत करीब हैं। विश्व चैंपियनशिप 2024 पेरिस ओलंपिक के लिए पहली क्वालीफाइंग प्रतियोगिता है। खिलाड़ियों के नामों की प्रविष्टियां भेजने की अंतिम तारीख 16 अगस्त है लेकिन भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) चुनावों को लेकर अनिश्चितता के कारण समय सीमा बढ़ाने के भारत के अनुरोध को यूनाइटेड वर्ल्ड रेसलिंग (यूडब्ल्यूडब्ल्यू) ने सैद्धांतिक रूप से स्वीकार कर लिया है।

तदर्थ समिति के प्रमुख भूपेंदर सिंह बाजवा ने बताया, 'यह एक ओलंपिक क्वालीफिकेशन टूर्नामेंट है इसलिए हम ट्रायल में और देरी नहीं कर सकते थे। इससे भारत की प्रविष्टियां खारिज कर दी जाती।' तदर्थ समिति इससे पहले 10 अगस्त को ट्रायल का आयोजन करना चाहता था लेकिन 12 अगस्त को डब्ल्यूएफआई के चुनावों के मद्देनजर उसने अपना फैसला पलट दिया। पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय ने 11 अगस्त को इन चुनावों पर रोक लगा दी और मामले की अगली सुनवाई 28 अगस्त को होगी। तदर्थ समिति से जारी बयान के मुताबिक, 'खिलाड़ियों का वजन स्पर्धा के दिन सुबह सात बजे होगा और उन्हें दो किलो की छूट दी जाएगी।' ट्रायल निम्नलिखित श्रेणियों में आयोजित किया जाएगा।

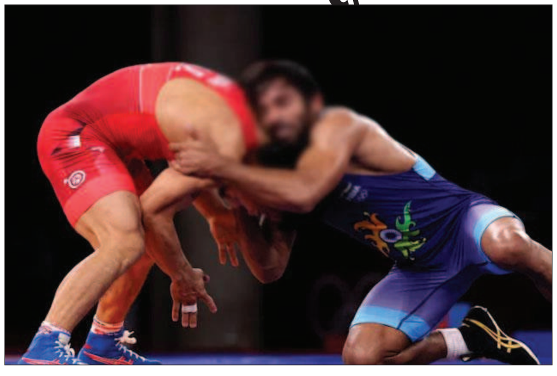

पुरुष फ्रीस्टाइल : 57 किग्रा, 61 किग्रा, 65 किग्रा, 70 किग्रा, 74 किग्रा, 79 किग्रा, 86 किग्रा, 92 किग्रा, 97 किग्रा और 125 किग्रा।

ग्रीको-रोमन : 55 किग्रा, 60 किग्रा, 63 किग्रा, 67 किग्रा, 72 किग्रा, 77 किग्रा, 82 किग्रा, 87 किग्रा, 97 किग्रा और 130 किग्रा।

महिला कुश्ती : 50 किग्रा, 53 किग्रा, 55 किग्रा, 57 किग्रा, 59 किग्रा, 62 किग्रा, 65 किग्रा, 68 किग्रा, 72 किग्रा और 76 किग्रा।

ल्यूडमिला सैमसोनोवा को हराकर जेसिका पेगुला ने का खिताब जीता

मांट्रियल। (एजेंसी)। जेसिका पेगुला ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए ल्यूडमिला सैमसोनोवा को 6-1, 6-0 से करारी शिकस्त देकर नेशनल बैंक मॉन्ट्रियल ओपन टेनिस टूर्नामेंट का खिताब जीता जो डब्ल्यूटीए टूर में उनकी तीसरी खिताबी जीत है। अमेरिका की 29 वर्षीय खिलाड़ी और यहां चौथी वरीयता प्राप्त पेगुला ने कहा,'' हम टूर्नामेंट जीतने के लिए हर सप्ताह दौरे पर होते हैं लेकिन टेनिस बड़ा कड़ा खेल है जहां आपको लगातार हार का सामना करना पड़ सकता है।

इस तरह की खिताबी जीत आपको और टूर्नामेंट जीतने के लिए प्रेरित करती है।'' पेगुला ने सैमनसोवा को केवल 49 मिनट में हराया। इससे पहले रूस की 15वीं वरीयता प्राप्त खिलाड़ी सैमनसोवा ने बारिश से बाधित सेमीफाइनल मेंकजाकिस्तान की तीसरी वरीयता प्राप्त एलेना रयबाकिना को 1-6, 6-1, 6-2 से हराकर फाइनल में जगह बनाई थी।

हार्दिक पंड्या ने हार की जिम्मेदारी ली, कहा अंतिम 10 ओवरों में अच्छी बल्लेबाजी नहीं कर पाया

लॉडरहिल। (एजेंसी)। भारतीय कप्तान हार्दिक पंड्या ने वेस्टइंडीज के खिलाफ पांचवें और अंतिम टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में हार के लिए खुद को जिम्मेदार ठहराते हुए स्वीकार किया कि उनकी धीमी बल्लेबाजी टर्निंग प्वाइंट साबित हुई जिसके कारण टीम अंतिम 10 ओवरों में लय खो बैठी। वेस्टइंडीज ने आठ विकेट से यह मैच जीतकर श्रृंखला 3-2 से अपने नाम की। यह पंड्या की अगुवाई में पहला अवसर है जबकि भारत ने सबसे छोटे प्रारूप में द्विपक्षीय श्रृंखला गंवाई। पंड्या ने 18 गेंदों पर 14 रन बनाए।

उन्होंने मैच के बाद कहा,'' हमने अंतिम 10 ओवरों में अच्छा प्रदर्शन नहीं किया। जब मैं बल्लेबाजी के लिए उतरा तो मैंने क्रीज पर पांव जमाने में समय लिया और फिर अंत तक नहींटिका रहा। मैं फायदा नहीं उठा पाया।'' पंड्या ने धीमी पिच पर पहले बल्लेबाजी करने के अपने फैसले का बचाव किया। उन्होंने कहा,'' मेरा मानना है एक टीम के तौर पर हमें खुद को चुनौती पेश करनी चाहिए। हम इन मैचों से सीख लेते हैं। आखिरकार यहां या वहां एक श्रृंखला मायने नहीं रखती लेकिन लक्ष्य के प्रति प्रतिबद्धता महत्वपूर्ण होती है।'' पंड्या ने कहा,'' हमें अब वनडे विश्वकप में खेलना है और कई बार हारना अच्छा होता है। इससे आपको काफी सीख मिलती है।

एशिया कप के लिए नेपाल की 17 सदस्यीय टीम का ऐलान, रोहित पौडेल को कमान

नई दिल्ली (एजेंसी)। नेपाल क्रिकेट बोर्ड ने आगामी एशिया कप 2023 के लिए टीम की घोषणा कर दी है। नेपाल इतिहास में पहली बार एशिया कप में अपनी उपस्थिति दर्ज कराएगा। वहीं टीम की कमान रोहित पौडेल के कंधों पर होगी। एसीसी प्रीमियर कप जीतने के बाद टीम ने एशिया कप के लिए क्वालिफाई किया था। नेपाल ने फाइनल में यूएई को हराया था।

वहीं एशिया कप में नेपाल 30 अगस्त को मुल्तान में पाकिस्तान के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेगा। इसके अलावा नेपाल टीम का पाकिस्तान में एक शिविर होगा जहां वो तैयारी करेंगे। इस टीम में अनुभवी खिलाड़ियों और उभरती प्रतिभाओं का अच्छा मिश्रण होगा। नेपाल में क्रिकेट का हाल के दिनों में तेजी से विकास हुआ है।

आसिफ शेख, कुस भुर्टेल और कुशल मल्ला, संदीप लामिछाने, कारण केसी और सोमपाल कामी सहित सभी वरिष्ठ खिलाड़ी टीम में अपनी जगह बरकरार रखने में कामयाब रहे हैं।

एशिया कप के लिए नेपाल टीम

रोहित पौडेल (कप्तान), आसिफ शेख, कुशल भुर्टेल, ललित राजबंशी, भीम सार्की, कुशल मल्ला, दीपेंद्र सिंह देरी, संदीप लामिछाने, करण केसी, गुलशन झा, सोमपाल कामी, आरिफ शेख, प्रतीस जीसी, किशो महतो, संदीप जोरा, अर्जुन सऊद और श्याम ढकाल।

यानिक सिनर ने अपना पहला एटीपी मास्टर्स 1000 खिताब जीता

टोरंटो। यानिक सिनर ने नेशनल बैंक ओपन टेनिस टूर्नामेंट के फाइनल में एलेक्स डी मिनौर को 6-4, 6-1 से हराकर अपना पहला एटीपी मास्टर्स 1000 खिताब जीता। इटली के सातवीं वरीयता प्राप्त 21 वर्षीय खिलाड़ी सिनर के करियर का यह आठवां एटीपी खिताब है। उन्होंने इससे पहले मॉन्टपलियर में भी खिताब जीता था। वह मास्टर्स 1000 चैंपियन बनने वाले इटली के दूसरे खिलाड़ी हैं। उनसे पहले फैबियो फोगनिनी ने मॉन्टेकार्लो में मास्टर्स 1000 खिताब जीता था।

सिनर ने मैच के बाद कहा,'' यह खिताब मेरे लिए काफी मायने रखता है। इसे मैं अपने करीबी लोगों के साथ साझा कर सकता हूं। इस परिणाम से हम अच्छा महसूस कर रहे हैं और इससे हमें भविष्य के लिए और कड़ी मेहनत करने की प्रेरणा मिलेगी।'' सिनर ने यह मैच 90 मिनट में जीता और इस बीच उन्होंने पांच बार डी मिनौर के सर्विस तोड़ी।

टीम इंडिया की हार पर बरसे वेंकटेश प्रसाद

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व तेज गेंदबाज वेंकटेश प्रसाद ने वेस्टइंडीज के खिलाफ टी20 सीरीज में मिली 3-2 से हार के बाद मुख्य कोच राहुल द्रविड़ और कप्तान हार्दिक पंड्या की जमकर आलोचना की है। प्रसाद ने टी20 सीरीज में हार के बाद भारतीय टीम के साथ ही द्रविड़ की रणनीति पर भी सवाल उठाये हैं। प्रसाद ने एक के बाद एक ट्वीट् करके पंड्या और द्रविड़ की आलोचना की। उनका मानना है कि टीम प्रबंधन ने जिस तरह से पूरी स्थिति से निपटने का प्रयास किया, वह सही नहीं था। साथ ही कहा कि सीमित ओवरों के क्रिकेट के लिए इस भारतीय टीम में जीत की जो भूख होनी चाहिये वह नजर नहीं आई है। प्रसाद ने कहा , केवल 50 ओवर ही नहीं, वेस्टइंडीज पिछले अक्टूबर-नवंबर में टी20 विश्व कप के लिए भी क्वालिफाई नहीं कर पायी और ये देखकर हम निराश हैं कि उस टीम से भी हम हार गये। साथ ही कहा कि देखकर दुख होता है कि भारत खराब प्रदर्शन करता है और प्रक्रिया की आड़ में इसे दबा दिया जाता है। जीत के लिए जरुरी भूख, आग गायब है और हम भ्रम में बने रहते हैं। वेंकटेंशन ने साथ ही कहा, वे द्रविड़ और हार्दिक पराजय के लिए जिम्मेदार हैं और उन्हें जवाबदेह होने की जरूरत है. प्रक्रिया और ऐसे शब्दों का अब दुरुपयोग होता है। चयन में भी कोई निरंतरता नहीं दिखाई दे रही है, बेतरतीब चीजें बहुत ज्यादा हो रही हैं।वेंकटेश कहते हैं, भारत को अपने दक्ष्यता में सुधार करने की जरूरत है। उनमें भूख और तीव्रता की कमी है और अक्सर कप्तान अनजान दिखते हैं। गेंदबाज बल्लेबाजी नहीं कर सकता, बल्लेबाज गेंदबाजी नहीं कर सकता। यह अहम है कि आप हां में हां मिलाने वाले लोगों की खोज में ना रहें और अंधे न बनें क्योंकि कोई आपका पसंदीदा खिलाड़ी है, बल्कि बड़े पैमाने पर अच्छाई देखें।

विदेशी लीग्स में खेलकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान बना ही भारतीय महिला फुटबॉल खिलाड़ी

मुम्बई (एजेंसी)। महिला फुटबॉल विश्व कप में भारतीय टीम भले की क्वालीफाई नहीं कर पाए हो लेकिन बीते सालों में टीम का प्रदर्शन काफी अच्छा रहा है। इसमें कुछ खिलाड़ियों का खास योगदान रहा है जिन्होंने भारतीय महिला फुटबॉल टीम की तस्वीर बदलने में मदद की है। इसमें आशालता देवी, बाला देवी और अदिति चौहान मुख्य हैं।

आशालता देवी ने फुटबॉल के लिए अपने परिवार से मिली यातनाओं का सामना किया है। एक रिपोर्ट के मुताबिक उन्हें फुटबॉल खेलने पर परिवार सजा भी देता था जिस कारण उन्हें फुटबॉल से कुछ समय के लिए दूरी भी बनानी पड़ी। लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी और आज आशालता एशिया की बेस्ट डिफेंडरों में शामिल हैं।

विदेशी लीग्स से जुड़ा नाता

अदिति चौहान इंग्लिश लीग में खेलने वाली पहली भारतीय फुटबॉलर हैं।

बाला देवी यूरोपियन प्रोफेशनल फुटबॉल लीग में खेलने वाली पहली भारतीय फुटबॉलर हैं।

मनीषा क्लयाण यूएफा वीमेन्स चैंपियन लीग में खेलने वाली पहली भारतीय खिलाड़ी हैं।

ऐसे होता है नेशनल टीम में चयन

शुरूआत स्कूली स्तर से होती है। सीबीएसई टूर्नामेंट, एसजीएफआई (स्कूल गेम्स फेडरेशन ऑफ इंडिया) और रिलायंस टूर्नामेंट में भाग लिया जा सकता है। जूनियर नेशनल्स भी एक रास्ता है।

स्टेट टीम के ट्रॉयल में सिलेक्शन के बाद नेशनल लेवल तक पहुंचा जाता है। स्टेट लेवल पर अच्छा प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ी अंडर-15, 16 और 19 नेशनल टीम में जगह बनाते हैं।

इंडियन वीमेन्स लीग में आने के दो रास्ते हैं। पहला स्टेट लीग का चैम्पियन बनकर और दूसरा आईडब्ल्यूएल क्लब के ट्रायल देकर। सीनियर टीम आईडब्ल्यूएल से ही बनाई जाती है। ऐसे में आईडब्ल्यूएल में खेलना जरूरी है।

विश्वकप के लिए स्टोक्स की वापसी का प्रयास कर रहे बटलर

लंदन (एजेंसी)। इंग्लैंड क्रिकेट टीम के कप्तान जोस बटलर 2019 एकदिवसीय विश्कप में टीम को जीत दिलाने वाले स्टार ऑलराउंडर बेन स्टोक्स की वापसी चाहते हैं। स्टोक्स ने पिछले साल ही एकदिवसीय क्रिकेट को अलविदा कह दिया था। ऐसे में जिस प्रकार हाल ही में स्पिनर मोइन खान की एशेज के लिए वापसी हुई थी। ठीक उसी प्रकार स्टोक्स की भी विश्वकप के लिए वापसी को सकती है। टीम के कप्तान जोस बटलर स्वयं स्टोक्स को मनाने का प्रयास कर रहे हैं। विश्व कप के अपने पहले मुकाबले में इंग्लैंड ने न्यूजीलैंड के खिलाफ खेलना है। गत 2019 क्रिकेट विश्व कप में भी टीमों के बीच खिताबी मुकाबला खेला गया था। ऐसे में एक बार फिर से यह मुकाबला रोमांचक होने की संभावना है। इसी को देखते हुए इंग्लैंड टीम प्रबंधन चाहता है कि स्टोक्स जैसे शानदार खिलाड़ी को टीम में शामिल किया जाना चाहिये।

टीम के कोच मैथ्यू मॉट ने कहा कि वापसी को लेकर बटलर सहित कुछ और लोग स्टोक्स से बात करेंगे। मॉट ने कहा कि हम देखेंगे कि क्या वह खेलने के लिए उत्सुक है। वह क्या फैसला करता है ये हमें नहीं मालूम पर हमें अभी भी उम्मीद है। मॉट बोले, मैंने हमेशा कहा है कि उसकी गेंदबाजी एक बोनस होगी, बल्ले से वह अभी भी मैच पलट देता है। मॉट ने टीम के लिए स्टोक्स की क्षमताओं को लेकर कहा कि पूरी एशेज सीरीज के दौरान उन्हें देखकर ऐसा लगा कि उनकी उपस्थिति बहुत अच्छी थी। वहीं एकदिवसीय क्रिकेट में उसने कई साल तक बेहतरीन खेल दिखाया है।

जीव मिल्खा सिंह इवन पार का स्कोर करने के बावजूद शीर्ष 10 में बरकरार

नई दिल्ली। भारतीय गोल्फर जीव मिल्खा सिंह यहां लीजेंड टूर ट्रॉफी के दूसरे दौर में इवन पार का स्कोर करने के बावजूद शीर्ष 10 में बने हुए हैं। जीव ने संयुक्त छठे स्थान से दूसरे दौर की शुरुआत की। उन्होंने पहले और तीसरे होल में बर्डी लगाकर अपनी स्थिति में सुधार किया लेकिन 10वें और 14वें होल के बीच तीन बोगी करने से वह नीचे खिसक गए। भारत के इस 51 वर्षीय दिग्गज खिलाड़ी ने 17वें होल में बर्डी बनाई जिससे उनका स्कोर इवन पार हो गया। पहले दो दौर के बाद जीव का कुल स्कोर चार अंडर 144 है और वह संयुक्त नौवें स्थान पर हैं। अभी एक दौर का खेल होना बाकी है। स्वीडन के जोकिम हेगमैन (66-68) ने अपना प्रभावशाली प्रदर्शन जारी रखते हुए एकल बढ़त हासिल कर ली है।

सैमसन 6000 रन बनाने वाले भारतीय बल्लेबाजों के क्लब में शामिल

फ्लोरिडा । भारतीय क्रिकेट टीम के विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन ने वेस्टइंडीज के खिलाफ सीरीज के पांचवें और अंति मैच में दो रन बनाने के साथ ही टी20 क्रिकेट में अपने 6000 रन पूरे कर लिए। सैमसन को पिछले दो मैचों में बल्लेबाजी नहीं मिली थी। उन्हें अपने 6000 रन पूरे करने के लिए केवल दो रनों की जरुरत थी जो उन्होंने इस मैच में बना लिए। इसी के साथ ही सैमसन टी20 क्रिकेट में ये उपलब्धि हासिल करने वाले 13वें भारतीय खिलाड़ी बन गए हैं। सैमसन को ये आंकड़ा हासिल करने के लिए इस सीरीज में 21 रनों की जरुरत थी। पहले दो मैचों में 12 और 7 रन बनाने वाले सैमसन के लिए हालांकि ये सीरीज अच्छी नहीं रही। सैमसन अब पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी, विराट कोहली, रोहित शर्मा, सुरेश रेना, केएल राहुल, सूर्यकुमार यादव और शिखर धवन जैसे उनन 13 खिलाड़ियों में शामिल हो गए जिन्होंने टी20 में 6000 रन बनाये हैं। टी20 में सबसे ज्यादा रन वेस्टइंडीज के क्रिस गेल के नाम 14,562 रन रन हैं। वहीं भारत की ओर से विराट कोहली ने सबसे ज्यादा 11965 रन बनाये हैं जबकि रोहित शर्मा ने 11035 रन बनाये हैं।

कमाई में भी पीछे नहीं राहुल, 99 करोड़ है नेटवर्थ

बेंगलुरु । टीम इंडिया के विकेटकीपर बल्लेबाज लोकेश राहुल अपने खेल के साथ ही कमाई में भी पीछे नहीं हैं। कर्नाटक से खेलते हुए भारतीय टीम में जगह बनाने वाले राहुल की कुल नेटवर्ट 99 करोड़ रुपए है। दाएं हाथ के बल्लेबाज राहुल घरेलू क्रिकेट में कर्नाटक की ओर से खेलते हैं। वहीं इंडियन प्रीमियर लीग आईपीएल में वह लखनऊ सुपर जायंट्स टीम के कप्तान हैं। उनका वार्षिक वेतन 2.4 मिलियन (करीब 20 करोड़ रुपए) है। बीसीआई का केन्द्रीय अनुबंध होने के कारण उन्हें ये राशि मिल रही है। वहीं उनकी अनुमानित कुल संपत्ति 12 मिलियन (करीब 120 लाख रुपये) है। वह कई ब्रॉड से भी जुड़े हैं जहां से भी उन्हें काफी राशि मिलती है। वह बोट, बियर्डो, प्यूमा, एनयूएमआई, रेड बुल, टाटा नेक्सन और भारत पे के लिए विज्ञापन करते हैं। उन्हें कारोबार से भी 1.5 मिलियन (करीब 15 करोड़ रुपये की आय होती है जबकि उनकी मासिक आय 1.5 मिलियन (15 करोड़) है। उनके पास कई कारों के साथ ही घर भी हैं। इसके अलावा उनके पास गोवा में एक विला भी है। खेल की बात करें तो राहुल रणजी ट्रॉफी में तिहरा शतक लगाने वाले कर्नाटक के पहले खिलाड़ी हैं। राहुल के नाम अपने पहले ही मैच में शतक का रिकार्ड है। ये शतक उन्होंने जिम्बाब्वे के खिलाफ लगाया था। 2016 में राहुल अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में तीनों प्रारुपों में सबसे तेज शतक लगाने वाले खिलाड़ी भी बने थे। उन्हें 2018 में विजडन इंडिया अलमनैक के छठे संस्करण में क्रिकेटर ऑफ द ईयर अवॉर्ड भी मिला था।

24 साल बाद ऑस्ट्रेलिया रच सकती है इतिहास, मेजबान विश्व विजेता बनने का सुनहरा मौका

गुवाहाटी (एजेंसी)। मौजूदा समय में फीफा विमेंस वर्ल्ड कप खेला जा रहा है। वहीं इस बार 24 साल बाद ऑस्ट्रेलियाई टीम के सामने इतिहास रचने का मौका है। दरअसल, बीते 24 सालों से कोई भी मेजबान देश अब तक विश्व चैंपियन नहीं बन सका है। 1999 में अमेरिका ने ये उपलब्धि अपने नाम की थी। इसलिए इस बार ये इतिहास दोहराने का मौका ऑस्ट्रेलिया के पास है। हालांकि, सेमीफाइनल में उसके सामने बेहद मजबूत यूरोपियन चैंपियन इंग्लैंड है। जो 2003 की उपविजेता रही है।

बता दें कि, ऑस्ट्रेलिया इस वर्ल्ड कप में न्यूजीलैंड के साथ सह- मेजबान है। आखिरी बार मेजबान टीम फीफा महिला वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल में 2003 में पहुंची थी। जो कि अमेरिका थी। अमेरिका ने 1999 और 2003 वर्ल्ड कप की मेजबानी की थी। जिसके बाद 1999 में वो विजेता बनीं और 2003 में चौथे स्थान पर रही।

वहीं अब ऑस्ट्रेलिया 20 साल बाद सेमीफाइनल में पहुंचने वाली मेजबान टीम बनी है। हालांकि, ऑस्ट्रेलिया की सेमीफाइनल में पहुंची चारों टीमों में सबसे कम रैंकिंग 12 है, लेकिन उसने क्वार्टर फाइनल में फ्रांस जैसी टीम को पेनाल्टी शूटआउट में 7-6 से पराजित किया।

इंग्लैंड की कोचिंग सरीना विगमैन के हाथों में

सिडनी स्टेडियम में ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच सेमीफाइनल मुकाबला खेला जाएगा। इस मुकाबले को देखने के लिए 80 हजार से ज्यादा दर्शकों के आने की उम्मीद जताई जा रही है। इंग्लैंड की टीम की कोच सरीना विगमैन हैं और वो चारों टीमों में एकमात्र महिला कोच हैं। विगमैन का रिकॉर्ड बेहद शानदार है। उनकी कोचिंग में पिछले 37 मैचों में इंग्लैंड ने सिर्फ एक मैच हारा है, लेकिन ये हार भी उसे चार महीने पहले ऑस्ट्रेलिया के हाथों 0-2 से देखने को मिली थी।

इसके अलावा स्वीडन सेमीफाइनल में पहुंची चारों टीमों में सर्वोच्च रैंकिंग तीन की टीम है। ये टीम 2003 वर्ल्ड कप के फाइनल में पहुंची और 2011, 2019 में तीसरे स्थान पर रही। टोक्यो ओलंपिक के फाइनल में उसे कनाड़ा के हाथों फाइनल में हार का सामना करना पड़ा था। वहीं स्वीडन का सामना अब मंगलवार को पहली बार सेमीफाइनल में पहुंचने वाली स्पेनिश टीम से होगा।

गुजरात के 7.75 लाख किसानों ने प्राकृतिक खेती अपनाई : राज्यपाल

वलसाड ।

गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत ने वलसाड ज़िले में 77वें स्वतंत्रता दिवस के राज्य स्तरीय समारोह 2023 के अंतर्गत सोमवार को कपराडा तहसील के अंभेटी आश्रम में ज़िला प्रशासन द्वारा आयोजित प्राकृतिक कृषि परिसंवाद में गोबर धन से धरती माता का संवर्धन करने का आह्वान किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल भी उपस्थित थे। राज्यपाल ने स्पष्ट रूप से कहा कि ग्रामीण एवं कृषि संस्कृति के संवर्धन से ही भारत वैश्विक शक्ति बन कर उभरेगा। उन्होंने कहा कि प्राकृतिक खेती सच्चे अर्थ में धरती माता की सेवा के साथ उपासना है। मनुष्य के लिए उत्तम स्वास्थ्य आवश्यक है। उत्तम स्वास्थ्य के लिए उत्तम आहार आवश्यक है। प्राकृतिक उत्पाद मानव को निरोगी रखते हैं। इस प्रकार प्राकृतिक खेती समग्र फ़ायदे की खेती साबित हो रही है। राज्यपाल आचार्य देवव्रतजी ने गुजरात के किसानों में प्राकृतिक खेती के प्रति आई जागरूकता का विवरण देते हुए कहा कि गुजरात के 7.75 लाख किसानों ने प्राकृतिक खेती अपनाई है। एग्रीकल्चरल टेक्नोलॉजी मैनेजमेंट एजेंसी (एटीएमए) विभाग तथा मास्टर ट्रेनरों द्वारा हर महीने राज्य के 3.50 लाख से 4 लाख किसानों को प्राकृतिक खेती का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। राज्य सरकार के निरंतर प्रयासों से राज्य के 6,775 ग्राम पंचायतों में प्रत्येक में 75 किसान प्राकृतिक खेती कर रहे हैं। इसके अतिरिक्त, ऐसी पंचायतों की संख्या लगातार बढ़ रही है।

उन्होंने प्राकृतिक खेती को अपनाने वाले जागरूक किसानों की प्रशंसा की। उन्होंने प्राकृतिक कृषि के महत्व को विस्तार से समझाते हुए तथा उसकी उपयोगिता का वर्णन करते हुए कहा कि प्राकृतिक खेती से पर्यावरण एवं ऐसे सूक्ष्म कीटाणुओं की रक्षा होती है जो मिट्टी के स्वास्थ्य के लिए बहुत ही ज़रूरी होते हैं। इसके अलावा, प्राकृतिक खेती से हवा भी शुद्ध रहती है, भूमि की उर्वरक क्षमता बढ़ती है, गाय माता और धरती माता का संरक्षण होता है। उन्होंने कहा कि आगामी दो वर्ष में गुजरात को यूरिया-डीएपी रसायन मुक्त खेती करने वाला राज्य बनाना है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि राज्य के किसान समग्र विश्व को प्रकृति की रक्षा के साथ जीवन जीने का मार्ग प्रशस्त करेंगे।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने कहा कि विज़नरी लीडर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश में 'बैक टु बेसिक' के मंत्र के साथ ज़ीरो बजटीय प्राकृतिक खेती को गति दी है। उन्होंने कहा कि गुजरात सरकार द्वारा राज्य में अधिक से अधिक किसानों को प्राकृतिक खेती के प्रति जागरूक बनाने के निरंतर प्रयास हो रहे हैं। मुख्यमंत्री ने इस संदर्भ में राज्यपाल की सराहना करते हुए कहा कि आचार्य देवव्रतजी ने स्वयं प्राकृतिक खेती कर उसके अद्भुत परिणामों को किसानों तक पहुँचाया। राज्य सरकार के सहयोग एवं राज्यपाल के बेहतरीन प्रयासों से प्राकृतिक खेती का यह अभियान जन अभियान के रूप में गाँव-गाँव तक पहुँच चुका है। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने आगे कहा कि ग्लोबल वॉर्मिंग के कारण वर्षा का पैटर्न बदला है। तापमान बढ़ने तथा जलवायु परिवर्तन जैसे पर्यावरणीय संकटों के विरुद्ध लड़ने के रोडमैप के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में गुजरात ने वर्ष 2009 में समग्र एशिया में पहली बार क्लाइमेट चेंज का अलग विभाग शुरू किया और देश-दुनिया को इस विषय पर विशिष्ट दिशा दिखाई।

उद्योजक छत्रपती शिवाजी हायस्कूल चेयरमेन श्री विनोद साहेबराव पवार ने कुछ अनोखा तरीके से जन्मदिन मनाया

सूरत भूमि, सूरत । छत्रपति शिवाजी हाई स्कूल के चेयरमेन श्री विनोद साहबराव पवार का जन्मदिन बड़े ही अनोखे अंदाज में मनाया गया। विनोद भाई पवार ने अपने जन्म दिवस के अवसर पर वृक्षारोपण और तुलसी वितरण जैसे शुभ कार्य किया। इसके साथी उन्होंने विधवा बहनों को साड़ी, अनाथ आश्रम में बच्चों को फूड पैकेज और गरीबों को मुफ्त में चश्मा वितरण किया। तथा गौ सेवा का कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में उधना विधानसभा के विधायक श्री मनुभाई, कॉरपोरेटर श्री सोमनाथ मराठे और भाजपा के कार्यकर्ता और डिंडोली प्रियंका सोसाइटी की पूरी टीम शामिल हुई।

सूरत भूमि, सूरत। डिंडोली में दीप दर्शन विद्या कॉम्प्लेक्स, सीबीएससी ने आज स्वतंत्रता सेनानियों को सम्मानित करने और उनकी शहादत को याद करने के लिए एक 'स्वतंत्रता सेनानी' प्रतियोगिता का आयोजन किया, जिसमें बाल भवन से लेकर कक्षा 12 तक के सभी बच्चे स्वतंत्रता सेनानी थे। बच्चों में देशभक्ति की भावना जगाने और उन्हें देश का सच्चा नागरिक बनाने के प्रयास से अक्सर स्कूलों में ऐसी गतिविधियाँ आयोजित की जाती हैं।

विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस के उपलक्ष्य में अहमदाबाद मण्डल के 9 रेलवे स्टेशनों पर फोटो प्रदर्शनी

अहमदाबाद ।

पश्चिम रेलवे के अहमदाबाद मंडल पर 14 अगस्त 2023 को लोगों के संघर्ष एवं बलिदान की याद में "विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस" के रूप में मनाया गया। इस संदर्भ में अहमदाबाद मण्डल के साबरमती, अहमदाबाद, मणिनगर, कलोल, महेसाणा, पालनपुर, गांधीधाम, हिम्मतनगर एवं पाटन स्टेशनों पर फोटो प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। मण्डल रेल प्रवक्ता अहमदाबाद ने जानकारी देते हुए बताया की 14 अगस्त को विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस मनाने जाने की घोषणा की थी। यह दिवस देश के उन लोगों के संघर्ष व बलिदान की याद में मनाया जा रहा है। जिन्होंने अविवेक पूर्वक नफरत व हिंसा के कारण अपनी

जान गवा दी। मंडल के साबरमती, अहमदाबाद, मणिनगर, कलोल, महेसाणा, पालनपुर, गांधीधाम, हिम्मतनगर एवं पाटन स्टेशनों पर फोटो प्रदर्शनी आयोजित की गई है। फोटो प्रदर्शनी उन लाखों नागरिकों की हृदय विदारक पीड़ा एवं मन में रही कसक को उजागर करने के लिए इतिहास के अमिट तथ्यों को प्रदर्शित करता है जिन्होंने देश विभाजन के समय इसे सहन किया। यह प्रदर्शनी पिछली शताब्दी में हुई मानव आबादी के सबसे बड़े विस्थापन की याद दिलाती है जिसमें बड़ी संख्या में लोगों को अपना जीवन गवाना पड़ा। 14 अगस्त 2023 को विभाजन विभीषिका प्रदर्शनी कार्यक्रम में स्वतंत्रता सेनानियों के परिवारजनों को आमंत्रित कर अहमदाबाद रेल मंडल द्वारा स्वागत सम्मान किया गया। इसी प्रकार आजादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत जारी गतिविधियों में 14 अगस्त 2023 को हॉरर पार्टीशन रिमेंबर्स डे का आयोजन के फलस्वरुप इस प्रदर्शनी के साथ ही साबरमती स्टेशन पर आयोजित कार्यक्रम में नुक्कड़ नाटक का मंचन भी किया गया। स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर अहमदाबाद मण्डल के विभिन्न स्टेशनों पर ट्राई कलर की रोशनी भी की गई है। "मेरी माटी मेरा देश" अभियान के अंतर्गत भारत को विकसित राष्ट्र बनाने, राष्ट्र की एकता को सुदृढ़ करने, देश की समृद्ध विरासत पर गर्व करने तथा नागरिक होने का कर्तव्य निभाने की शपथ दिलाई गई। मंडल पर "हर घर तिरंगा" अभियान चलाया जा रहा है, जिसका उद्देश्य लोगों के मन में देशभक्ति की भावना जगाना और जन-भागीदारी की भावना के साथ आजादी का अमृत महोत्सव के रूप में मनाया जा रहा है। राष्ट्रीय ध्वज तिरंगे से हमें नई ऊर्जा मिलती है। हर घर तिरंगा अभियान में रेल कर्मियों, उनके परिजनों एवं आमजनों की सहभागिता सुनिश्चित की जा रही है। स्टेशनों पर उद्घोषणा के माध्यम से लोगों को इस बारे में अवगत कराया जा रहा है।

सभ्य समाज को लांछन लगाने वाली घटना, सास-ससुर ने बेटे-बहु का सैक्स वीडियो किया वायरल

राजकोट। सभ्य समाज को लांछन लगाने वाली एक घटना सामने आई है। रुपए कमाने की लालच में एक दंपत्ति ने अपने ही बेटे-बहु का सैक्स वीडियो वायरल कर दिया। केवल दंपत्ति ही नहीं उसका वह बेटा भी इस प्रकरण में शामिल है जिसकी वह पीड़ित पत्नी है। 21 वर्षीय विवाहिता की शिकायत के आधार पर पुलिस ने दंपत्ति और उसके बेटो को गिरफ्तार कर लिया है। साथ ही बहु के कमरे में लगाया गया सीसीटीवी कैमरा, सेक्स टॉय्स समेत अन्य सामग्री भी जब्त कर ली। राजकोट साइबर क्राइम पुलिस थाने में दर्ज एफआईआर के मुताबिक करोड़ों की संपत्ति का मालिक परिवार शहर के भक्तिनगर क्षेत्र में रहता है। रुपए कमाने की लालच में दंपत्ति ने पहले अपनी बहु के निजी पलों के वीडयो मोबाइल में उतारे। बहु को जब इसका पता चला तो उसने इसका विरोध किया। बहु के विरोध करने पर पति समेत सास-ससुर ने उसे धमकी दी। जिसके बाद अलग अलग स्टाइल में पति के साथ सैक्स करने का बहु पर दबाव डाला जाने लगा। पति-पत्नी के एकांत के वीडियो सैक्स वेबसाइड पर अपलोड करने लगे। इतना ही नहीं 10 बार तो पति-पत्नी के एकांत पलों को लाइव भी किया गया। जिसके बदले में बिटकॉइन के जरिए अच्छे रुपए मिलते थे। पीड़िता ने अपनी शिकायत में कहा कि वह जिस बेडरूम में अपनी पति के साथ शारीरिक संबंध बनाती है वह पूरी घटना उसके ससूर कैमरे में कैद कर लते थे और बाद में रुपए कमाने की लालच में बेबसाइट पर अपलोड कर देते थे। कई बार तो पीड़िता को अपने पति के साथ लाइव सैक्स करने को भी मजबूर किया जाता। एप्लिकेशन पर आईडी बनाकर लाइव सैक्स बताने के बदेल में व्यूअर से टोकन मिलते थे। व्यूहर जब भी कोई वीडियो देखता तो उसे सेन्ड टीप का ऑप्शन दिया जाता। टीप सेन्ड के लिए वेबसाइट पर एकाउन्ट बनाना अनिवार्य है। जो टोकन सेन्ड किया जाता है वह संबंधित व्यक्ति क्रिप्टो करंशी होती है। जिसके बाद संबंधित व्यक्ति क्रिप्टो करंशी को अपने देश की करंशी में कन्वर्ट कर लेता है। पीड़िता की शिकायत सुनकर पहले तो पुलिस भी चौंक उठी और उसे लगा कि वह अपने पति, सास और ससुर पर गंभीर आरोप लगा रही है। लेकिन पुलिस ने पीड़िता की शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर जांच की तो उसके बेडरूम से सीसीटीवी कैमरा, सेक्स टॉय्स समेत सामग्री बरामद हुई। पुलिस ने पीड़िता के पति, सास और ससुर को गिरफ्तार कर आगे की कार्यवाही शुरू की है। गौर करने वाली बात यह है कि कोई मजबूर और जरूरमंद व्यक्ति भी कम से कम अपनी घर की इज्जत को यूं बाजार में नीलाम नहीं करेगा। लेकिन राजकोट के संभ्रांत परिवार ने अपनी बहु के आपत्तिजनक वीडियो रुपए कमाने की लालच में वेबसाइड पर अपलोड कर दी। जबकि परिवार के पास करोड़ों की संपत्ति है।

टोयोटा किर्लोस्कर मोटर ने एमपीवी श्रृंखला की पूरी तरह नई टोयोटा रुमियन - प्रतिष्ठा वाली फैमिली कार पेश

सूरत। टोयोटा किर्लोस्कर मोटर (टीकेएम) ने अपनी नवीनतम पेशकश, ऑल न्यू टोयोटा रुमियनलॉन्च करने की घोषणा की। यह एक नई कॉम्पैक्ट एमपीवी है जो स्टाइलिश और प्रीमियम नईपारिवारिक कार है और स्थान के मामले में बेजोड़ है तथा उत्कृष्ट ईंधन दक्षता का दावाकरती है। भारतीय एमपीवी सेगमेंट में पहले से ही अग्रणी, इस सात-सीटर के लॉन्च से बाजार में टोयोटा की उपस्थिति को और बढ़ावा मिलने की उम्मीदहै।

बी-एमपीवीसेगमेंट में टोयोटा के प्रवेश का प्रतीक, ऑल न्यू टोयोटा रुमियनआराम, सुविधा, विश्वसनीयता और मन की शांतिचाहने वाले परिवारों के लिए एक प्रतिष्ठा और सुविधाजनक विकल्प प्रस्तुत करता है। सर्वश्रेष्ठप्रदर्शन और उत्कृष्ट ईंधन दक्षता से समर्थित यह कॉम्पैक्ट एमपीवी सेगमेंट ग्राहकोंकी बढ़ती जरूरतों को उपयुक्त रूप से पूरा करता है।

ऑल न्यू टोयोटा रुमियनके केंद्र में नियो ड्राइव (आईएसजी) तकनीक और ई-सीएनजी तकनीक के साथ शक्तिशाली के सीरीज का 1.5-लीटरपेट्रोल इंजन है जो प्रतिक्रियाशील होने के साथ-साथ ड्राइविंगमें आनंद लाने का वादा करता है। अत्याधुनिक के-सीरीज़ इंजन सेउत्कृष्ट ईंधन दक्षता प्रदान करने की उम्मीद है। इसका पेट्रोल रूपांतर एक लीटर में20.51 किलोमीटर चलता है जबकि एक लीटर सीएनसी से यही गाड़ी26.11 किलोमीटर प्रति किलोमीटर चलती है। ऑल न्यू टोयोटा रुमियन एस एमटी/एटी, जी एमटी, और वी एमटी/एटी, एस एमटी सीएनजी के छह वेरिएंट में उपलब्ध होगा,जो ग्राहकों के लिए विकल्पों की एक विस्तृत रेंज पेश करेगा।

टीकेएम के प्रबंध निदेशकऔर चीफ एक्जीक्यूटिव ऑफिसर (सीईओ), श्री मासाकाजुयोशिमुरा ने कहा, "टोयोटा में, हम विश्वस्तरीय वाहन देने से कहीं आगे जाने में विश्वास करते हैं। गहरी जड़ों वाली हमारी संस्कृतिऐसे उत्पादों और सेवाओं की पेशकश करने की है जो बेजोड़ मूल्य तैयार करते हैं और हमारे निष्ठावान ग्राहकों को मानसिक शांति प्रदान करते हैं। ऑल न्यू टोयोटा रुमियन इस लोकाचारको अपनाता है और हम आनंददायक स्वामित्व अनुभव के माध्यम से ग्राहकों के एक पूरे नएसमूह को गुणवत्ता और सेवा के प्रति टोयोटा की प्रतिबद्धता की पेशकश करने के लिए तत्परहैं, जिससे "सभी को व्यापक खुशीज्मिलेगी। भारतीय बाजार और इसके मूल्यवान ग्राहकों के लिए गहराई से प्रतिबद्ध,एक ब्रांड के रूप में, टोयोटा निरंतर नवाचार औरभारतीय ऑटोमोबाइल क्षेत्र में आत्मनिर्भर स्थानीय इको-सिस्टमको बढ़ावा देकर भारत में ऑटो उद्योग में उत्कृष्टता और मूल्य जोड़ना जारी रखेगा। हमाराउद्देश्य बेहतर कारों, बेहतर प्रौद्योगिकियों और पर्यावरण-अनुकूल उत्पादों और सेवाओं को पेश करने पर जोर देना जारी रखना है।"

'कंथारपुर महाकाली वड' परिसर में भूगर्भ में 22 फ़ीट गहराई में ध्यान योग केन्द्र का निर्माण होगा

गांधीनगर। गांधीनगर ज़िले में दहेगाम तहसील के 'कंथारपुर महाकाली वड (बरगद)' परिसर में भूगर्भ में ध्यान-योग केन्द्र विकसित किया जाएगा भूतल सतह से 22 फ़ीट नीचे बनने वाला यह केन्द्र आध्यात्मिक साधना में रुचि रखने वाले साधकों के लिए महत्वपूर्ण स्थान बनेगा। इस परिसर में आने वाले श्रद्धालुओं को मानसिक-शारीरिक स्वास्थ्य लाभ हो; इस उद्देश्य से आयुर्वेदिक उपचार केन्द्र भी बनेगा।

कंथारपुर महाकाली वड परिसर विकास प्रकल्प : विचार बीज से वटवृक्ष

लोकोक्ति के अनुसार कंथारपुर में स्थित बरगद का यह पेड़ 500 वर्ष पुराना है। 'कंथारपुर महाकाली वड' के रूप में विख्यात इस बरगद को 'मिनी कबीर वड' के रूप में भी जाना जाता है। उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जब राज्य के मुख्यमंत्री थे, तब वर्ष 2006 में उन्होंने इस स्थान को पर्यटन स्थल की सूची में शामिल किया था। 28 अगस्त, 2013 को मोदी ने इस स्थल का दौरा किया था और इस स्थल को धार्मिक पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने का संकल्प व्यक्त किया था। गुजरात सरकार ने मई-2021 में लगभग 15 करोड़ रुपए के बजटीय प्रावधान के साथ 'कंथारपुर महाकाली वड' विकास प्रकल्प को अधिक गतिशील बनाया। इसके बाद मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के मार्गदर्शन में इस स्थल को विकसित करने के लिए योजनाबद्ध प्रयास चल रहे हैं। मुख्यमंत्री ने गत 10 मई, 2022 को इस स्थल पर पहुँच कर प्रोजेक्ट के कार्यवाही की समीक्षा भी की थी। प्रोजेक्ट के बारे में विस्तारपूर्वक बात करते हुए गुजरात पवित्र यात्राधाम विकास बोर्ड (जीपीवायवीबी) के सचिव आर.आर.रावल कहते हैं, "कंथारपुर महाकाली वड विकास प्रोजेक्ट" में दूसरे चरण में 9 करोड़ 70 लाख रुपए की लागत से विभिन्न विकास कार्य आरंभ किए जा रहे हैं।"

कंथारपुर – आध्यात्मिक केन्द्रबिंदु

कंथारपुर महाकाली वड परिसर को केवल धार्मिक पर्यटन स्थल के रूप में ही नहीं, अपितु आध्यात्मिक केन्द्र के रूप में विकसित करने की दिशा में विशेष प्रयास किए जा रहे हैं। रावल कहते हैं कि इस वटवृक्ष की प्राचीन महिमा बनी रहे; इस बात का विशेष ध्यान रखा जा रहा है। भूमि के गर्भ में 22 फ़ीट गहराई में निर्मित हो रहे ध्यान-केन्द्र की भूमिका देते हुए रावल के मुताबिक यह केन्द्र साधकों को भौतिक जगत से अलिप्त होने का अवसर प्रदान करेगा और परम शांति की अनुभूति कराएगा।

'कंथारपुर वड परिसर' विकास : प्राचीन स्थल, आधुनिक पहचान

'कंथारपुर महाकाली वड' प्रोजेक्ट चरणबद्ध ढंग से चलाया जा रहा है। हाल में यहाँ बावड़ी (स्टेपवेल) प्रकार के निर्माण का 69 प्रतिशत कार्य पूरा हो चुका है। पहले चरण में परिसर में ध्यान व योग केन्द्र, आयुर्वेदिक उपचार केन्द्र, संग्रहालय, पाथ-वे, लैंडस्कैपिग जैसी सुविधाएँ विकसित की जा रही हैं। इस प्रोजेक्ट में योग—ध्यान केन्द्र तथा प्रार्थना खंड के संदर्भ में राज्य में योग-विज्ञान के लिए विख्यात लकुलिश योग विश्वविद्यालय के साथ परामर्श किया गया है। रावल ने बताया कि आगामी द्वितीय चरण में मंदिर का रिनोवेशन, लैंडस्कैपिंग, कम्पाउंड वॉल, लिफ़्ट तथा ब्यूटीफ़िकेशन के कार्य शुरू किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि बावड़ी (स्टेपवेल) प्रकार की इमारत में संग्रहालय का भी निर्माण किया जाएगा।

2047 तक श्रेष्ठ भारत के निर्माण के लिए सभी संकल्पबद्ध हों : केन्द्रीय अमित शाह

गांधीनगर ।

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा कि आज भारत देश आजादी के अमृत काल में प्रवेश कर चुका है, तब प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के कर्मठ नेतृत्व में भारत ने दुनिया में अपना एक विशिष्ट स्थान बनाया है। उन्होंने कहा कि इस स्वतंत्रता पर्व पर प्रत्येक नागरिक अपने घर पर तिरंगा लहराकर वर्ष 2047 तक श्रेष्ठ भारत के निर्माण के लिए संकल्पबद्ध हो। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने यह बात रविवार को गांधीनगर संसदीय निर्वाचन क्षेत्र के सरढव गांव से गांधीनगर शहरी विकास प्राधिकरण (जीयूडीए) के 85.30 करोड़ रुपए की विभिन्न परियोजनाओं का भूमिपूजन और लोकार्पण समारोह में कही। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने प्रधानमंत्री आवास योजना के लाभार्थियों को शुभ प्रतीक के रूप में कलश भेंट कर उन्हें सुखमय जीवन की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने आगे कहा कि आज माणसा और सरढव के निर्वाचन क्षेत्र में 1000 करोड़ रुपए से अधिक के विकास कार्यों का लोकार्पण और भूमिपूजन हुआ है। इतना ही नहीं, करीब 800 परिवारों का 'अपना घर' का सपना साकार हुआ है।

उन्होंने कहा कि विपक्ष ने संसद में अविश्वास प्रस्ताव पेश किया था, लेकिन देश की जनता प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सरकार के साथ अडिग विश्वास के साथ खड़ी है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि सवा सौ करोड़ देशवासियों के पुरुषार्थ से भारत देश को सुखी, समृद्ध और सुरक्षित बनाने के संकल्प के साथ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार और मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के नेतृत्व वाली राज्य सरकार अहर्निश कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि पिछले 9 वर्षों में भारत देश ने दुनिया को अपना सामर्थ्य दिखाया है। इन 9 वर्षों में भारत की अर्थव्यव-स्था दुनिया में पांचवें स्थान पर पहुंच गई है, जिसे अगले दो वर्षों में तीसरे नंबर पर ले जाने के लिए हम संकल्पबद्ध हैं।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादकः संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोनः 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)